नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 195
नई दिल्ली, शुक्रवार, 24 मई, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

www.dailypioneer.com

मोदी कई युवा नेताओं से अधिक ऊर्जावान

राष्ट्रीय-10

अंतिम चरणों में चुनाव, घमासान तेज

राजेश कुमार। नई दिल्ली

पाकिस्तान से सहानुभूति रखने वालों से लेकर संविधान बदलने और अमित शाह को अगले प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त करने, स्वाति मालीवाल पर हमला करने से लेकर योगी बनाम केजरीवाल जैसे नारे छठे चरण के मतदान में हावी रहे क्योंकि 25 मई को छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 58 लोकसभा सीटों पर होने वाले मतदान के लिए बृहस्पतिवार को प्रचार समाप्त हो गया। इस चरण को विशेष रूप से दिलचस्प बनाने वाली बात यह है कि दिल्ली की सभी सात सीटों और हरियाणा की सभी 10 सीटों पर मतदान होगा। विशेष रूप से, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा सहित राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में लोकसभा चुनाव के लिए अब तक की सबसे गर्म परिस्थितियों में मतदान होने की संभावना है क्योंकि उस दिन तापमान 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जिसका मतलब भीषण लू की स्थिति संभव है। 58 लोकसभा सीटों पर कुल 889 उम्मीदवार मैदान में होंगे।

लोकसभा चुनाव के छठें चरण की सीटें

राज्य	सीटों की संख्या	संसदीय क्षेत्र
दिल्ली	7	चांदनी चौक, उत्तर पूर्वी दिल्ली, पूर्वी दिल्ली, नई दिल्ली, उत्तर पश्चिम दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली
उत्तर प्रदेश	14	सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, फूलपुर, इलाहाबाद, अम्बेडकर नगर, श्रावस्ती, डुमरियागंज, बस्ती, संत कबीर नगर, लालगंज, आजमगढ़, जौनपुर, मछलीशहर, भदोही
जम्मू एवं कश्मीर	1	अनंतनाग–राजौरी
हरियाणा	10	अम्बाला, कुरूक्षेत्र, सिरसा, हिसार, करनाल, सोनीपत, रोहतक, भिवानी–महेन्द्रगढ़, गुडगांव, फरीदाबाद
झारखंड	4	धनबाद, गिरिडीह, जमशेदपुर, रांची
बिहार	8	वाल्मिकी नगर, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर, वैशाली, गोपालगंज (एससी), सीवान, महाराजगंज
ओडिशा	6	संबलपुर, क्योंझर (एसटी), ढेंकनाल, कटक, पुरी, भुवनेश्वर
पश्चिम बंगाल	8	तमलुक, कांथी, घाटल, झाड़ग्राम, मेदिनापुर, पुरुलिया, बांकुरा, बिष्णुपुर

नोट : लाल रंग वाले राज्यों में छठें चरण के साथ चुनाव समाप्त हो जाएगा।

प्रमुख उम्मीदवारों में संबलपुर (ओडिशा) से धर्मेंद्र प्रधान (भाजपा), उत्तर पूर्वी दिल्ली से मनोज तिवारी (भाजपा) और कन्हैया कुमार (कांग्रेस), नई दिल्ली से बांसुरी स्वराज, सुल्तानपुर (उत्तर प्रदेश) से मेनका गांधी (भाजपा), अनंतनाग-राजौरी (जम्मू और कश्मीर) से महबूबा मुफ्ती (पीडीपी)शामिल हैं। इसके अलावा तमलुक (पश्चिम बंगाल) से अभिजीत गंगोपाध्याय (भाजपा), और भाजपा के मनोहर लाल खट्टर (करनाल, हरियाणा), नवीन जिंदल (कुरुक्षेत्र) राज बब्बर (गुरुग्राम) दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ (आजमगढ़) और राव इंद्रजीत सिंह (गुरुग्राम) की किस्मत भी इसी दौर में ईवीएम में कैद हो जाएगी। अब तक 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 428 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान पूरा हो चुका है, पांचवें चरण में लगभग 62.19 प्रतिशत मतदान हुआ। 2019 के चुनावों के दौरान इसी चरण में, सात राज्यों की 51 सीटों पर 64.16 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था।

2019 के चुनाव में कांग्रेस इन 58 सीटों में से एक भी नहीं जीत पाई। इसके विपरीत, भाजपा ने पिछले चुनाव में 47 सीटों पर 40 प्रतिशत से अधिक वोट शेयर हासिल करते हुए 40 सीटें जीतीं। इससे साफ पता चलता है कि इस चरण में कांग्रेस के पास कोई गढ़ नहीं है। प्रचार के आखिरी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब और हरियाणा में एक-एक रैली की. उन्होंने इंडिया ब्लॉक पर कटाक्ष करते हुए कहा, गाय ने दूध नहीं दिया है लेकिन घी को लेकर लड़ाई शुरू हो गई है क्योंकि गठबंधन पांच साल में पांच पीएम बनाने की बात कर रहा है। मोदी ने यह भी कहा कि जब तक वह जीवित हैं, दलितों और आदिवासियों का आरक्षण कोई नहीं छीन सकता। एक दिन पहले उन्होंने इंडिया गुट पर निशाना साधने के लिए 2010 से पश्चिम बंगाल में 77 वर्गों को दिए गए ओबीसी दर्जे को रद्द करने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले का उल्लेख किया और कहा कि इसका तुष्टिकरण का जुनून हर सीमा को पार कर गया है।

चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत पर अरविंद केजरीवाल की रिहाई के बाद राष्ट्रीय राजधानी में मुकाबला दिलचस्प हो गया है क्योंकि यह भाजपा और इंडिया ब्लॉक पार्टियों – कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच सीधा मुकाबला है। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप चार सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि कांग्रेस ने सीट-बंटवारे समझौते के अनुसार तीन सीटों पर उम्मीदवार खड़े किए हैं। दिल्ली में भाजपा के चुनाव अभियान में मोदी ने दो रैलियों को संबोधित किया। इसके अलावा केंद्रीय मंत्रियों अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, स्मृति ईरानी और पीयूष गोयल और योगी आदित्यनाथ (उत्तर प्रदेश), पुष्कर सिंह धामी सहित भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने प्रचार किया। अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद इंडिया गुट स्पष्ट रूप से सहानुभूति लहर पर भरोसा कर रहा है। दूसरी ओर, भाजपा का अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास के एजेंडे पर निर्भर करता है, जबकि केजरीवाल की साख पर सवाल उठाता है, जो एक समय भ्रष्टाचार विरोधी योद्धा थे, जिन्हें अब मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी के रूप में नामित किया गया है।

ओडिशा में प्रचार के चरम पर, पुरी से भाजपा उम्मीदवार संबित पात्रा ने यह टिप्पणी कर विवाद खड़ा कर दिया कि भगवान जगन्नाथ मोदी के भक्त हैं। पात्रा ने बाद में स्पष्ट किया कि उनकी टिप्पणी अनजाने में हुई थी और उन्होंने खेद व्यक्त किया। जम्मू-कश्मीर में, पांच संसदीय सीटों में से चार पर मतदान शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त हो गया है, अब ध्यान नए आकार वाले अनंतनाग-राजौरी निर्वाचन क्षेत्र पर केंद्रित हो गया है, जहां पिछले (शेष पेज 9)

1962 में फूटा था नेहरू की आभा का बुलबुला: मोदी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और कहा कि 1962 में जब पंडित नेहरू की आभा का बुलबुला फूटा था तो चीन ने भारत को बुरी तरह पीटा था। उन्होंने यह भी दावा किया कि इंडिया गुट अगले पांच वर्षों में पांच प्रधानमंत्री बनाने की बात कर रहा है और कहा कि लड़ाई खत्म हो गई है। हरियाणा के भिवानी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, '1962 में पंडित नेहरू के आभा का गुब्बारा फूट गया, जब चीन के हाथ जो हमारी पिटाई हुई, उन्होंने (कांग्रेस) उस हार के लिए हमारी सेना को जिम्मेदार ठहराया।' उन्होंने कहा, वह परिवार आज भी हमारी सेना को नीचा दिखाने के मौके तलाशता रहता है। और बदले की भावना से उन्होंने 500 रुपये फेंके और कहा कि ओआरओपी(वन रैंक वन पेंशन) करके रहेंगे। मोदी ने बता दिया है कि ओआरओपी लागू करने का मतलब क्या है..।

मोदी ने यह भी कहा कि इंडिया गुट अगले पांच वर्षों में पांच प्रधानमंत्री बनाने की बात कर रहा है और गाय के दूध देने से पहले ही गठबंधन में घी को लेकर लड़ाई छिड़ गई है। सात चरण के लोकसभा चुनाव के छठे दौर के लिए प्रचार समाप्त होने से कुछ घंटे पहले, मोदी ने कहा कि जब तक वह जीवित हैं, कोई भी दलितों और आदिवासियों का आरक्षण नहीं छीन सकता। हरियाणा की सभी दस लोकसभा सीटों पर 25 मई को मतदान होगा। 2019 के लोकसभा चुनावों में, भाजपा ने सभी 10 सीटें हासिल की थीं। प्रधानमंत्री ने सभा में कहा, इस चुनाव में आप न केवल देश का प्रधानमंत्री चुनेंगे बल्कि देश का भविष्य भी तय करेंगे। उन्होंने इंडिया ब्लॉक पर निशाना साधते हुए कहा, एक तरफ आपका आजमाया हुआ सेवक मोदी है। दूसरी तरफ कौन है, कोई नहीं जानता। उन्होंने आरोप लगाया कि जब कांग्रेस सत्ता में थी, तो उसने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण की अनुमति नहीं दी। (शेष पेज 9)

कांग्रेस नेता राहुल गांधी पार्टी नेता और इंडिया गुट से उत्तर पूर्व दिल्ली से प्रत्याशी कन्हैया कुमार के साथ दिलशाद गार्डन में एक जनसभा के दौरान। *फोटोः रंजन डिमरी*

दिल्ली में इंडिया गुट के सांसदों को चुने: कांग्रेस

संजय राय। नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को आम लोगों से जुड़ने के लिए दिल्ली मेट्रो की सवारी की। उत्तर पूर्वी दिल्ली से कांग्रेस के उम्मीदवार कन्हैया कुमार ने मेट्रो में अपने साथ यात्रा कर रहे राहुल गांधी की तस्वीरें साझा कीं। इस दौरान उन्होंने लोगों का हालचाल जाना। सफर के दौरान कांग्रेस नेता बच्चों के साथ भी मस्ती करते दिखे। मेट्रो में राहुल को देखकर उनके आस-पास कई यात्री इकट्ठा हो गए और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष के साथ सेल्फी भी ली। लोकसभा चुनाव प्रचार के अंतिम दिन राहुल गांधी कांग्रेस उम्मीद्वार उदित राज के साथ मंगोलपुरी में एक रैली के लिए जा रहे थे। राष्ट्रीय राजधानी में छठें चरण के तहत 25 मई को मतदान है।

इससे पहले पूर्वी दिल्ली के डीडीए ग्राउंड, जीटीबी नगर, दिलशाद गार्डन में एक चुनावी सभा में राहुल ने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जमकर कोसा। उन्होंने भीषण गर्मी में आने के लिए लोगों का धन्यवाद किया और कहा, हमारी लड़ाई अम्बेडकर, महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरु और करोड़ों देश वासियों द्वारा बनाए गए संविधान की रक्षा की लड़ाई है। उन्होंने साथ ही दावा किया कि भाजपा संविधान को बदलना चाहती है। (शेष पेज 9)

एंबेसडर को शोरूम से निकली कार जैसा संवारा

कुमार चेलप्पन। कोच्चि

पुड्डुचेरी के 73 वर्षीय पूर्व मुख्यमंत्री एन रंगासामी को मंगलवार को जब सफेद रंग की एंबेसेडर कार सौंपी गई तो वह अवाक रह गए। मृदुभाषी मुख्यमंत्री को विश्वास नहीं हो रहा था कि यह वही 1995 मॉडल की एम्बेसडर है जिसे उन्होंने मरम्मत के लिए थूथुक्कुडी के एक कार मैकेनिक थानजनेयन को सौंपा था। इस कार ने कई गर्मियाँ और सर्दियाँ देखी थीं और यह कबाड़ के समान थी जब थंजनेयन ने उनसे वाहन को उसके मूल स्वरूप में बहाल करने की अनुमति मांगी थी। कार से भावनात्मक लगाव रखने वाले रंगासामी ने दूसरी बार भी नहीं सोचा और थंजनेयन को आगे बढ़ने के लिए कहा। मुख्यमंत्री ने हमेशा अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिए इस पुरानी एंबी को प्राथमिकता दी है। हालांकि कार बनाने वाली कंपनी हिंदुस्तान मोटर्स ने बढ़ते घाटे और अन्य कारकों के कारण 2014 में उत्पादन बंद कर दिया था, लेकिन एम्बेसडर के प्रति जुनून बरकरार रहा।

दो साल तक थंजानेयन ने अपनी छोटी कार्यशाला में कार पर काम किया और एक बार जब यह पूरा हो गया तो बहाल की गई एंबेसडर हर तरह से एक शोरूम मॉडल जैसी दिख रही थी। वकील से कार प्रेमी बने डॉ. अंजन चटर्जी ने कहा, यह निर्माता द्वारा गढ़े गए मुहावरे द कार विद प्लेंटी ऑफ ड्राइव पर खरा उतर रहा है। थानजनेयन ने कहा, यह एक रोमांचक काम था क्योंकि यह एक एम्बेसडर कार है। एंबी को पुनर्स्थापित करना और उसका रखरखाव करना एक रोमांचक अनुभव है। विशेषज्ञ थानजनेयन ने कहा, मॉरिस, वॉक्सहॉल, लैंड मास्टर और बेबी हिंदुस्तान जैसे एंबेसेडर के पिछले मॉडलों को भी पुनर्स्थापित करने में रंगासामी के आवास के पिछवाड़े में पड़ी सफेद एंम्बी को घर के पोर्टिको में लाया गया है।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा 1998 में छह-लेन राजमार्ग मिशन शुरू करने तक देश में कोई राष्ट्रीय गलियारा या एक्सप्रेसवे नहीं था और जिसे 2014 से नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा आगे बढ़ाया गया था। डॉ. चटर्जी ने पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में एंबेसेडर प्लांट के बंद होने के कई कारण गिनाए। दोराईस्वामी (शेष पेज 9)

दिल्ली मतदान के लिए पूरी तरह तैयार

शांतिपूर्ण, निष्पक्ष वोटिंग के लिए एक लाख से अधिक कर्मी रहेंगे तैनात

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के छठवें चरण के मतदान में शनिवार को दिल्ली की सभी सात सीटों पर मतदान होना है। इसके मद्देनजर मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय इस दिन होने वाले मतदान के लिए पूरी तरह से तैयार है। मुख्य चुनाव अधिकारी पी. कृष्णमूर्ति ने बृहस्पतिवार को मतदान को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष व सुविधाजनक तरीके से संपन्न कराने के लिए किए गए विस्तृत इंतजामों की जानकारी देते हुए बताया कि मतदान प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए 1 लाख से अधिक मतदान कर्मियों को तैनात किया गया है। साथ ही गर्मी के प्रकोप से बचने के लिए भी व्यापक उपाय किए गए हैं।

पी. कृष्णमूर्ति ने कहा कि इस महत्वपूर्ण दिन के लिए सभी तैयारियाँ पूरी कर ली हैं। दिल्ली के कुल मतदाता 15201936 हैं जिनमें पुरुष 8212794, महिलाएं 6987914 और थर्ड जेंडर 1228 मतदाता हैं। वहीं पहली बार मतदान करने वाले 252038 युवा भी शामिल हैं। मतदाता 2627 मतदान स्थलों पर 13637 केंद्रों पर मतदान करेंगे। सीईओ ने बताया कि चुनाव प्रबंधन के सभी पहलुओं, जैसे मानव संसाधन, लॉजिस्टिक्स और परिवहन के लिए पुख्ता योजना बनाई और क्रियान्वित की गई है। इसके अलावा चुनाव आयोग के निर्देशों और मौसम विभाग के 44-45 डिग्री सेल्सियस तापमान रहने और लू की चेतावनी को देखते हुए व्यापक कदम उठाए गए हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सभी मतदान केंद्रों पर छायादार क्षेत्र बनाए गए हैं जहाँ ठंडक के लिए कूलर और पंखे लगे होंगे। प्रत्येक मतदान केंद्र पर पीने के पानी, शौचालय, रैंप और व्हीलचेयर की भी व्यवस्था की है ताकि किसी भी मतदाता को कोई असुविधा न हो। इसके अलावा, सभी मतदान केंद्रों पर प्राथमिक चिकित्सा किट के साथ पैरामेडिकल स्टाफ तैनात रहेंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि शांति पूर्ण मतदान के लिए दिल्ली पुलिस के 78578 जवान तैनात रहेंगे। इनमें से 33133 मतदान के लिए सुरक्षा की कमान संभालेंगे। इसके अलावा 46 सीआरपीएफ, होमगार्ड 19000 मतदान केंद्रों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मुहैया कराएंगे। पिंक बूथ की कमान

मतदाताओं को प्रोत्साहित करने के लिए फ्री राईड और डिस्काउंट की पेशकश

महिलाएं संभालेंगी कृष्णमूर्ति ने मतदान अनुभव को बेहतर बनाने के लिए की गई सभी विशेष पहल का जिक्र करते हुए कहा कि दिल्ली में 70 पिंक बूथ बनाए किए हैं।

यह पूरी तरह से महिला मतदान कर्मियों द्वारा संचालित होंगे। इसके अलावा, 70 मॉडल मतदान केंद्रों में बेहतरीन सुविधाएँ होंगी। पहली बार, प्रत्येक संसदीय क्षेत्र में एक मतदान केंद्र पूरी तरह से दिव्यांग कर्मचारियों द्वारा संचालित किया जाएगा। मतदान में भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए, मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय, दिल्ली ने रैपिडो के साथ भागीदारी की है, जो मतदान के बाद घर तक मुफ्त सवारी प्रदान करेगा।

साथ ही मतदाताओं को जोमैटो और स्विगी से विशेष कूपन मिलेंगे, और विभिन्न रेस्तरां मतदान की स्याही दिखाने पर छूट प्रदान करेंगे। कृष्णमूर्ति ने दिल्ली वालों से 25 मई को उत्साहपूर्वक मतदान प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की है।

भाजपा प्रत्याशी कमलजीत सहरावत के समर्थन में रोड शो करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह।

राजनीति में विश्वसनीयता के संकट के लिए कांग्रेस और आप जिम्मेदार : राजनाथ सिंह

- रक्षा मंत्री समेत पीयूष गोयल व अन्य भाजपा के शीर्ष नेताओं ने किया प्रचार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को विपक्षी गठबंधन इंडिया में सहयोगी कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि भारतीय राजनीति में विश्वसनीयता के संकट के लिए ए दोनों दल ही जिम्मेदार हैं। वहीं भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल समेत कई मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं ने प्रचार प्रसार किया।

रक्षा मंत्री सिंह ने राजधानी में चुनाव प्रचार समाप्त होने से कुछ घंटे पहले पश्चिम दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी कमलजीत सहरावत के पक्ष में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। दिल्ली में सीट-बंटवारा समझौते के तहत आम चुनाव लड़ रहे कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधते हुए सिंह ने कहा, कांग्रेस और आप के नेताओं ने भारत की राजनीति में विश्वसनीयता का संकट खड़ा करने में सर्वाधिक योगदान दिया है।

जनसंपर्क अभियान के दौरान प्रवीण खंडेलवाल व मंत्री पीयूष गोयल।

अरविंद केजरीवाल को आड़े हाथ लेते हुए सिंह ने कहा कि वह दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले के सिलसिले में गिरफ्तार होने और जेल में जाने के बाद भी पद पर बने हुए हैं।

उन्होंने कहा, मैंने दफ्तर से काम और घर से काम तो सुना है। यहां मुख्यमंत्री ने जेल से काम करने का चमत्कार किया है। सिंह ने कहा, एक व्यक्ति जिसकी मौजूदगी में उसके घर में एक महिला से मारपीट की गई हो, वह कहता है कि जांच जारी है। ऐसे लोग कायर हैं। बहादुर व्यक्ति वो होता है जो स्वीकार करता है कि गलती हुई है और वह परिणाम भुगतने को तैयार है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को विश्वास जताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दिल्ली की सभी सातों लोकसभा सीट पर जीत हासिल करेगी जहां 25 मई को छठे चरण में मतदान होगा।

चांदनी चौक लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार प्रवीण के समर्थन में रोड शो करने वाले गोयल ने कहा कि विपक्षी दलों का गठबंधन इंडिया विफल है क्योंकि उनके पास कोई नेता नहीं है। गोयल ने कहा, हम (दिल्ली में) सभी सात सीटें जीतेंगे। इंडी (इंडिया) गठबंधन पूरी तरह से विफल हो गया है, उनके पास न तो कोई नेता है और न ही उनमें इस बात को लेकर सहमति है कि उनका नेता कौन होगा। गोयल और खंडेलवाल दोनों ने विशेष रूप से डिजाइन किए गए वाहन से भीड़ का अभिवादन किया।

केजरीवाल के माता-पिता से पूछताछ टली

स्वाति मालीवाल मामला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल से कथित मारपीट मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के माता-पिता से पूछताछ टल गई है। केजरीवाल बुजुर्ग माता-पिता के साथ घंटों राह देखते रहे लेकिन दिल्ली पुलिस के जांच अधिकारी नहीं पहुंचे।

सीएम ने पुलिस के इंतजार करने की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि बुधवार को पुलिस के एक अधिकारी ने फोन करके माता-पिता से पूछताछ के लिए समय मांगा था, लेकिन वे आए नहीं। उन्होंने आप के आधिकारिक सोशिल मीडिया पर फोटो और 45 सेकेंड का एक वीडियो भी साझा किया है।

फोटो उनके घर का है, जिसमें मुख्यमंत्री सपत्नी अपने बुजुर्ग माता-पिता के साथ बैठे हैं और पुलिस के आने का इंतजार कर रहे हैं। जबकि

अपने बुजुर्ग माता-पिता के साथ मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, साथ में पत्नी सुनीता।

वीडियो में वो अपने बुजुर्ग पिता जी को हाथ का सहारा देकर उन्हें घर से बाहर लाते हुए दिख रहे हैं और उनकी धर्मपत्नी सुनीता केजरीवाल माता जी का हाथ सहारा देकर उन्हें बाहर ला रही हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री आवास पर राज्यसभा सांसद संजय सिंह, मंत्री आतिशी, सौरभ भारद्वाज, इमरान हुसैन समेत कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे।इस संबंध में आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री अरविंद केजरीवाल के प्रति अपनी राजनीति दुर्भावना और बदले की भावना से पीड़ित हैं। पहले उन्होंने केजरीवाल सरकार के मंत्रियों को गिरफ्तार किया, जेल में डाला। फिर अरविंद केजरीवाल को पकड़कर जेल में डाला और आज सारी हदें पार करके उनके बूढ़े और बीमार माता-पिता को पुलिस द्वारा प्रताड़ित करने की योजना बनाई है। वो पुलिस के द्वारा उनके बूढ़े माता-पिता को प्रताड़ित करने का आरोप मढ़ा।

मालीवाल पर हमले की जांच में कोई बाधा न डालें : स्मृति ईरानी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- केंद्रीय मंत्री ने कहा, आरोपी के साथ घूम रहे थे केजरीवाल, यह दर्शाता है कि उनकी वफादारी किसके प्रति है

भाजपा ने बृहस्पतिवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) की सांसद स्वाति मालीवाल पर कथित हमला मामले की जांच में किसी को बाधा नहीं डालनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि यह पता लगाने के लिए जांच करने की जरूरत है कि घटना के वक्त दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर कौन-कौन मौजूद था और उनकी क्या भूमिका थी। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, केजरीवाल के आवास पर उनके परिवार और कार्यालय के कौन-कौन लोग मौजूद थे, उनकी क्या भूमिका थी और जब मालीवाल की पिटाई की जा रही थी तब उन्होंने क्या देखा, ये जांच का हिस्सा हैं। मैं भाजपा की प्रवक्ता हूं, पुलिस की नहीं। मैं केवल यह अनुरोध करूंगी कि कोई भी जांच में बाधा न डाले। ईरानी इस मुद्दे पर केजरीवाल के माता-पिता से पूछताछ करने के दिल्ली पुलिस के कदम को लेकर भाजपा पर आम आदमी पार्टी (आप) के हमले के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रही थीं। उन्होंने कहा कि तथ्य यह है कि केजरीवाल को आरोपी और उसके सहयोगी बिभव कुमार के साथ यात्रा करते देखा गया है, जिससे संकेत मिलता है कि मामले में उनकी वफादारी किसके प्रति है। उन्होंने सवाल किया, क्या उनसे न्याय की उम्मीद की जा सकती है।

संक्षिप्त समाचार

भगवान बुद्ध की 2569वीं जयंती मनाई

नई दिल्ली। समता बुद्ध विहार में भगवान तथागत सम्यक सम्बुद्ध की 2569वीं जयंती 'विश्व करुणा दिवस' के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर प्रात: 7 बजे से सत्यनारायण गोयनका की ऑडियो कैसेट के माध्यम से विपश्यना आचार्य द्वारा साधक-साधिकाओं को विपश्यना साधना कराई गई। इस कार्यक्रम से पहले प्रभातफेरी समता बुद्ध विहार से चलकर मादीपुर मेट्रो स्टेशन के पास स्थित बाबासाहेब डॉ. आंबेडकर पार्क में समाप्त हुई। जिसका नेतृत्व अध्यक्ष आर.पी. राष्ट्रपाल, डी.एस. गौतम, हरिभगवान भारती व कमल किशोर पंछी द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में उपाध्यक्ष गोवर्धन दास जी ने पंचशीलों को जीवन में उतारने व पंचशील का महत्व बताया। सहसचिव डी.एस. गौतम ने अपनी आमदनी का एक चौथाई भाग धम्म के विकास में देने और दान के महत्त्व पर जोर दिया।

एमडी डॉ. उपासना अरोड़ा सम्मानित

नई दिल्ली। यशोदा हॉस्पिटल कौशाम्बी की एमडी डॉ0 उपासना अरोड़ा को 'सुपर इंडियंस कॉन्क्लेव 2024' में भारत-24 द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठित ट्रॉफी से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उनके स्वास्थ्य क्षेत्र में दिए गए समर्पण और उत्कृष्ट योगदान का प्रतीक है। पुरस्कार समारोह का आयोजन में छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव, भारत-24 के सीईओ डॉ. जगदीश चंद्र, केंद्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह, मंत्री एसपी सिंह बघेल, महंत नारायण गिरी और प्रमोद कृष्णम शामिल थे। डॉ. अरोड़ा ने कहा कि यह पुरस्कार स्वास्थ्य क्षेत्र में यशोदा हॉस्पिटल कौशाम्बी की उत्कृष्टता को दर्शाता है।

जाह्नवी कपूर ने फिल्म का किया प्रमोशन

नोएडा। फिल्म अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने बृहस्पतिवार को अपनी फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' का प्रमोशन करने ग्रेटर नोएडा वेस्ट के गौड़ सिटी मॉल पहुंची। अभिनेत्री जाह्नवी के मॉल पहुंचते ही प्रशंसकों की भीड़ उमड़ पड़ी। प्रचार कार्यक्रम के दौरान जान्हवी कपूर ने दर्शकों के साथ बातचीत की और फिल्म के निर्माण से जुड़े किस्से साझा किए और प्रशंसकों को इस फिल्म की रिलीज पर इसे देखने के लिए प्रोत्साहित किया। गौड़ सिटी मॉल पहुंचे जान्हवी कपूर ने अपने प्रशंसकों को ऑटोग्राफ दिए और उनके साथ सेल्फी भी खिंचवाई। जान्हवी कपूर और राजकुमार राव की फिल्म 'मस्टर एंड मिसेज माही' 31 मई, 2024 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

प्राधिकरण का जूनियर इंजीनियर निलंबित

नोएडा। प्राधिकरण ने हाजीपुर और भंगेल बेगमपुर की भूमि पर हो रहे अवैध निर्माण को लेकर एक जेई को निलंबित कर दिया है। जबकि अन्य कर्मचारियों की भूमिका की जांच चल रही है। इन पर भी गाज गिर सकती है। दरअसल, प्राधिकरण ने हाजीपुर चौराहे पर बनी अवैध इमारत में बीते दिनों इंटीरियर तोड़ा था। प्राधिकरण ने अक्टूबर 2023 में कॉन्क्रीट का ढांचा खड़ा होने पर इस इमारत को अवैध मानते हुए सील करवाया था। फिर भी वहां पर काम करवाया जा रहा था।

प्राधिकरण अधिकारियों के अनुसार संविदा पर तैनात सहायक अभियंता जेई बद्री इस अवैध बिल्डिंग में बैठा हुआ था। उसका फोटो मौके पर पहुंची प्राधिकरण की ही टीम ने खींच लिया और इसके संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को रिपोर्ट दी गई थी। यह इमारत वर्क सर्किल आठ में है, जबकि जेई की पोस्टिंग वर्क सर्किल दो में थी। इस मामले में तहसीलदार ने जेई से स्पष्टीकरण मांगा था। जेई ने बताया था कि वह दूध लेने के लिए वहां गया था और किसी के बुलाने पर बैठ गया था।

फडणवीस ने प्रोफेशनल्स के साथ की वार्ता

- विशेष संपर्क अभियान तहत प्रधानमंत्री मोदी के 10 वर्षों के विकास को किया रेखांकित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस व अन्य।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता देवेन्द्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के विशेष संपर्क अभियान के तहत प्रोफेशनल्स के साथ वार्ता की। इस वार्ता में विशेष संपर्क अभियान के राष्ट्रीय सह प्रभारी महेश चड्डा, भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता व अभियान की महाराष्ट्र प्रभारी शायना एनसी और नेता प्रवास प्रभारी आशीष मिश्रा उपस्थित रहे।

देवेन्द्र फडणवीस ने इस वार्ता में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पिछले 10 वर्षों में देश के हर वर्ग और हर पेशे के लिए किए गए उल्लेखनीय विकास कार्यों को रेखांकित करते हुए भाजपा की विकसित भारत की संकल्पना को प्रोफेशनल्स के समक्ष रखा। फडणवीस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजूबत नेतृत्व में भाजपा की विकसित और आत्मनिर्भर भारत के लिए प्रतिबद्धता का उल्लेख करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आवश्यक सुधार एवं कड़े निर्णय लेकर पिछले एक दशक में आगामी दिनों में देश को महाशक्ति बनाने का लॉन्चपैड तैयार कर दिया है। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने लगातार परिवर्तनकारी कदम उठाकर देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने की नींव डाली है और इन्हीं प्रयासों के परिणामत: आज भारत विश्व में एक अग्रणी देश बनने के तैयार हुआ है।

पिछले दस वर्षों में भारत ने जो विकास देखा है, आगामी वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत बड़े-बड़े आयाम स्थापित करविकसित भारत की संकल्पना को साकार करने की ओर तेजी से अग्रसर होगा।

गाजियाबाद में बीजेपी पार्षद की गिरफ्तारी के विरोध में हंगामा

- गरीब दंपति की गुमटी तोड़ने का मामला तूल पकड़ा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में गरीब दंपति की गुमटी तोड़ने पर बीजेपी पार्षद सुधीर कुमार की गिरफ्तारी का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। बीजेपी के अन्य पार्षदों ने इसके विरोध में लगातार दूसरे दिन गुरुवार को हंगामा किया।

वे पुलिस कमिश्नर से मिलने के लिए जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रास्ते में ही रोक दिया। पुलिस कमिश्नर के लगातार दूसरे दिन नहीं मिलने से पार्षदों में कड़ा आक्रोश है। राम उदगम यादव और सीता देवी गाजियाबाद में मॉल की सर्विस रोड पर गुमटी में कोल्ड ड्रिंक, पानी बोतल, नमकीन बेचते हैं। सीता के मुताबिक, 19 मई की रात पार्षद सुधीर कुमार, उनके भाई संदीप कुमार आए। उन्होंने कुछ सामान खरीदा और पैसे नहीं दिए। मैंने पैसे मांगे तो पार्षद ने फोन करके अपने कुछ समर्थक बुलवा लिए। उन सभी ने गुमटी को तहस.नहस कर डाला और हमारे साथ मारपीट करते हुए तीन हजार रुपए लूटकर ले गए।

सीता की शिकायत पर थाना साहिबाबाद पुलिस ने गंभीर धाराओं में एफ.आईआर दर्ज करते हुए मुख्य आरोपी पार्षद सुधीर कुमार को 21 मई को गिरफ्तार कर लिया। सुधीर कुमार की गिरफ्तारी से गाजियाबाद नगर निगम के अन्य बीजेपी पार्षदों में गुस्सा है। गुरुवार को दर्जनभर से ज्यादा पार्षद और अन्य बीजेपी कार्यकर्ता पुलिस कमिश्नर अजय कुमार मिश्रा से मिलने के लिए जा रहे थे। पुलिस मुख्यालय के सामने उन्हें एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव ने रोक लिया। इसके विरोध में पार्षद हापुड़ रोड पर ही धरना देकर बैठ गए। पार्षदों का कहना था कि सुधीर कुमार की इतनी बड़ी गलती नहीं है, जितनी बड़ी धाराएं उन पर लगाई गई हैं। पार्षदों का कहना है कि जिन गुमटी वाले ने एफ.आईआर कराई है।

नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती युवक की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

- इलाज में लापरवाही का लगाया आरोप

थाना सेक्टर-63 क्षेत्र के बहलोलपुर गांव में स्थित एक नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है।

मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया है कि नशा मुक्ति केंद्र के लोगों ने लापरवाही से उपचार किया, जिसकी वजह से उनकी मौत हुई है। परिजनों ने जमकर हंगामा किया। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना सेक्टर.63 के प्रभारी निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि नोएडा के होशियापुर गांव के रहने वाले मनोज उर्फ मोनू शर्मा उम्र 35 वर्ष को उनके परिजनों ने बहलोलपुर गांव स्थित नशा मुक्ति केंद्र में उपचार के लिए भर्ती करवाया था। उन्होंने बताया कि आज वहां पर मनोज शर्मा की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतक के भाई, पत्नी, चाचा आदि मौके पर पहुंचे।

इन लोगों ने नशा मुक्ति केंद्र के लोगों पर आरोप लगाया है कि उन्होंने ठीक से उनका उपचार नहीं किया, जिसकी वजह से उनकी मौत हुई है। घर वालों ने नशा मुक्ति केंद्र के बाहर जमकर हंगामा किया। थाना प्रभारी ने बताया कि उन्हें समझा कर शांत करवाया गया है। उन्होंने बताया कि परिजनों की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लुटेरों पर शिकंजा कसेगी 30 पुलिसकर्मियों की टीम

- झपटमारी वाले इलाकों में किया जाएगा तैनात

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

शहर में हो रही लूटपाट की वारदातों को रोकने के लिए नोएडा जोन पुलिस के अधिकारियों ने एक टीम बनाई है। इनमें तीस पुलिसकर्मियों को शामिल किया गया है।

चयनित जगहों पर गश्त करके टीम के सदस्य स्नेचिंग की घटनाओं को रोकेंगे। ये टीम लुटेरे और झपटमारों पर शिकंजा कसने के लिए जिले की सड़कों पर उतरेगी। जनपद में लूट और झपटमारी एक बड़ी समस्या रही है। पुलिस इन वारदात को रोकने के लिए हर संभव प्रयास करती रही है। बीते एक साल में जिले में ताबड़तोड़ एनकाउंटर हुए । इसमें 30 से अधिक कुख्यात बदमाशों के गोली लगी। इससे लूट की वारदात पर कुछ अंकुश तो लगा लेकिन ये पूरी तरह से रुकी नहीं।

चुनाव के कारण जनपद में तैनात हजारों पुलिसकर्मी इस समय जिले से बाहर तैनात हैं। ऐसे में चेन और मोबाइल लुटेरे फिर से सक्रिय हो गए हैं और रोजाना वारदात को अंजाम दे रहे हैं। इसके लिए डीसीपी नोएडा विद्यासागर मिश्र ने यहां होने वाली वारदात पर अंकुश लगाने के लिए योजना तैयार कर उस अमल भी शुरू दिया है। उन्होंने एक डेडिकेटेड टीम बनाई है। इसमें नोएडा जोन के तेजतर्रार 30 पुलिसकर्मियों को शामिल किया गया है। टीम के सदस्य पुलिस की वर्दी और सादे कपड़े दोनों में तैनात रहेंगे। पुलिस उपायुक्त विद्यासागर मिश्रा ने बताया कि स्पेशल टीम में 30 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। टीम को बाइक उपलब्ध कराई जाएगी। सभी पुलिसकर्मी सरकारी असलहे से लैस होंगे। इन टीमों को अधिकांश ऐसे क्षेत्र चिह्नित कर गश्त करने के लिए कहा जाएगा जहां अक्सर झपटमारी और लूट की वारदात होती हैं। टीम किसी भी संदिग्ध की तलाशी ले सकती है और पूछताछ कर सकती है। संदिग्ध वाहनों को देखते ही टीम के सदस्य उसका पीछा करेंगे और संबंधित थाने की पुलिस को भी इसकी जानकारी देंगे ताकि कुछ ही दूरी पर उसे दबोचा जा सके। पुलिस ने जेल में बंद और बाहर आए चेन और मोबाइल लुटेरे के बारे में जानकारी एकत्र करनी शुरू कर दी है। सभी थानों की पुलिस ने भी ऐसे लुटेरों की सूची बनाई है। बीते कुछ माह से पुलिस के लिए चुनौती बना कुख्यात लुटेरा केटीएम सेक्टर-49 और दिल्ली पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में मुठभेड़ के दौरान घायल हो गया। उसने महज 26 साल की आयु में सौ से अधिक लूट की वारदात की है और दिल्ली-एनसीआर के अलग-अलग थानों में उसके खिलाफ 70 मुकदमे दर्ज हैं। अन्य जिलों से भी उसके ऊपर दर्ज मुकदमे की जानकारी मांगी गई है।

पूछताछ के दौरान उसने गिरोह में शामिल कई अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई है। कई जेल के अंदर हैं।

2 | राजधानी/नोएडा
दिल्ली के मतदान के लिए पूरी तरह तैयार

4 | गुरुग्राम
हीट-वेव की चपेट में हरियाणा, रेड अलर्ट जारी

5 | आसपास
हरियाणा में थम गया चुनावी शोरगुल

12 | स्पोर्ट्स
राजस्थान और सन राइजर्स की नजर फाइनल पर

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 195
नई दिल्ली, शुक्रवार, 24 मई, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

1962 में फूटा था नेहरू के आभा का बुलबुलाः मोदी

थमा चुनावी शोर, भाजपा, आप-कांग्रेस ने झोकी ताकत

● चुनावी सभाएं नहीं, घर-घर संपर्क कर सकेंगे प्रत्याशी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के छठें चरण में दिल्ली में शनिवार को वोट डाले जाएंगे। राष्ट्रीय राजधानी में कुल 265 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। 25 मई को होने वाले मतदान को लेकर आज यानी गुरुवार शाम 6 बजे चुनावी शोर थम गया है।

चुनाव प्रचार के अंतिम दिन भाजपा, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने ताकत झोंक दी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पीयूष गोयल, स्मृति ईरानी, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में रोडशो किया।

दूसरी कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इंडिया गुट के प्रत्याशियों के लिए मोर्चा संभाला। नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र से बांसुरी स्वराज (भाजपा) के खिलाफ सोमनाथ भारती (आम आदमी पार्टी), पूर्वी दिल्ली से हर्ष मल्होत्रा (भाजपा) के खिलाफ कुलदीप कुमार (आप) दक्षिणी दिल्ली से रामवीर सिंह बिधूड़ी (भाजपा) का सामना सहीराम पहलवान (आप) से , पश्चिमी दिल्ली से कमलजीत सहरावत (भाजपा) के खिलाफ महाबल मिश्रा (आप), चांदनी चौक से प्रवीण खंडेलवाल (भाजपा) के खिलाफ कांग्रेस के जयप्रकाश अग्रवाल, उत्तर पूर्वी दिल्ली से मनोज तिवारी (भाजपा) के सामने कांग्रेस के कन्हैया कुमार और उत्तर पश्चिमी दिल्ली से योगेंद्र चंदोलिया (भाजपा) के खिलाफ कांग्रेस के उदित राज चुनाव मैदान में ताल ठोंक रहे हैं। लोकसभा चुनाव के छठें चरण के लिए बृहस्पतिवार शामचुनाव प्रचार अभियान समाप्त होने के साथ ही चुनावी शोरगुल भी थम गया।

चुनाव आयोग के अनुसार, 25 मई को मतदान सुबह 7 बजे शुरू होकर शाम 6 बजे तक चलेगा। नियमों के अनुरूप मतदान समाप्ति के 48 घंटे पहले यानी आज शाम 6 बजे चुनाव प्रचार अभियान समाप्त हो जाएगा। इसके बाद चुनावी सभाएं आदि नहीं हो सकेंगी और प्रत्याशी घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क कर सकेंगे। वहीं कार्याकर्ता घर-घर जाकर वोटर पर्चा बांट कर समर्थन मांग रहे है।

मालवीय नगर से पहाड़गंज तक रोड शो करते सीएम पुष्कर सिंह धामी व साथ में बांसुरी स्वराज।

कोहाट इंक्लेव जनसंपर्क अभियान में जेपी अग्रवाल व साथ में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव।

संविधान बचाने की लड़ाई में भूमिका निभाएं : सोनिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने चुनाव से पहले दिल्लीवासियों से की अपील

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने बृहस्पतिवार को दिल्ली के मतदाताओं का आह्वान किया कि वे राष्ट्रीय राजधानी की सभी सात सीट पर इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों को जिताएं क्योंकि यह लोकसभा चुनाव देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाने का चुनाव है।

उन्होंने एक वीडियो संदेश में कहा कि यह चुनाव बेरोज़गारी, महंगाई, संवैधानिक संस्थाओं पर आक्रमण जैसे मुद्दों पर लड़ा जा रहा है। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने कहा, मेरे प्यारे दिल्ली वासियों, यह एक बहुत महत्वपूर्ण चुनाव है। यह चुनाव देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाने का चुनाव है। यह चुनाव बेरोज़गारी, महंगाई, संवैधानिक संस्थाओं पर आक्रमण जैसे मुद्दों पर लड़ा जा रहा है। आपको इस लड़ाई में अपनी भूमिका निभानी है। सोनिया गांधी ने कहा, मैं आपसे अपील करती हूं कि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों को दिल्ली की सातों सीटों पर भारी मतों से विजई बनाएं। सभी सात लोकसभा सीट पर 25 मई को मतदान होना है।

मतदाताओं को लुभाने को बजाए जा रहे चुनावी गीत

● राजनीतिक दलों ने उम्मीदवारों को मतदाताओं से जोड़ने के लिए कर रहे विशेष प्रयास

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव में हर चुनाव की तरह मतदाताओं से जुड़ने और उम्मीदवारों तथा पार्टियों का गुणगान करने के लिए स्थानीय बोलियों और मुहावरों वाले लोकगीतों और पैरोडी का भरपूर प्रयोग किया जा रहा है।

दिल्ली में भी लोकसभा चुनाव में मतदाताओं को रिझाने के लिए ऐसे गीत सुने जा सकते हैं। इन गीतों में हिंदी और भोजपुरी से लेकर हरियाणवी और पंजाबी तक राष्ट्रीय राजधानी की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता प्रतिबिंबित होती है जहां देश के सभी हिस्सों के लोग रहते हैं। इसी तरह के एक हरियाणवी गीत के बोल हैं, फिर से मोदीजी की सरकार देखना चाहूसू। यह गीत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवारों की रैलियों में खूब बज रहा है। नई दिल्ली संसदीय सीट से भाजपा की उम्मीदवार बांसुरी स्वराज के प्रचार के दौरान भी एक गीत की धुन बजाई जा रही हैं जिसमें उनकी मां और दिवंगत पार्टी नेता सुषमा स्वराज को श्रद्धांजलि दी गई है और इसमें मतदाताओं को भावनात्मक रूप से जोड़ने का प्रयास किया गया है। इस गीत के बोल हैं, मोदीजी को जिताना है, बांसुरीजी को लाना है। सुषमाजी की परछाईं को आगे लेकर जाना है।

कांग्रेस ने कन्हैया कुमार को उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से मैदान में उतारा है, जहां उनका मुकाबला भाजपा उम्मीदवार मनोज तिवारी से है। ऐसा लगता है कि भोजपुरी अभिनेता और गायक तिवारी तथा कुमार के बीच यह चुनावी मुकाबला संगीत के माध्यम से भी लड़ा जा रहा है।लोगों का समर्थन जुटाने का प्रयास करते हुए मनोज तिवारी ने भोजपुरी सहित अन्य भाषाओं में गीत जारी किए हैं। जैसे एक बार फिर से मनोज भैया के अपनाई लिहा हो, मोदीजी को जिताई दिया हो। वहीं कन्हैया कुमार के प्रचार अभियान में फिल्म ओंकारा के एक गीत की तर्ज पर धम धम धरम धरैया रे, देखो आया कन्हैया रे बज रहा है। आम आदमी पार्टी का गाना, जेल के जवाब में हम वोट देंगे भी खूब बज रहा है।

पांच न्याय - कांग्रेस की गारंटी

युवा न्याय
- 30 लाख सरकारी नौकरियाँ
- डिप्लोमा / डिग्री धारकों को 1 साल के लिए 1 लाख रुपये पर अप्रेंटिसशिप

नारी न्याय
- महिलाओं को 1 लाख रुपये सालाना
- सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 50% आरक्षण

किसान न्याय
- MSP की क़ानूनी गारंटी
- किसानों की क़र्ज़ा माफ़ी
- GST मुक्त खेती

हिस्सेदारी न्याय
- सामाजिक, आर्थिक गिनती करायेंगे
- वन अधिकार क़ानून वाले पट्टों का 1 साल में फ़ैसला

श्रमिक न्याय
- मनरेगा में 400 रुपये प्रतिदिन आय
- 25 लाख रुपये तक का मुफ़्त इलाज

हाथ बदलेगा हालात

हीट-वेव की चपेट में हरियाणा, रेड अलर्ट

- नारनौल में रात और सिरसा में दिन रहा सबसे ज्यादा गरम
- दिन का तापमान 1.3 डिग्री सेल्सियस गिरा, रात्रि का पारा बढ़ा

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

चिलचिलाती धूप से खुद को कपड़ा ढककर बचाते राहगीर।

प्रदेश में लू थपेड़े और झुलसा देने वाली गरमी से राहत नहीं मिल रही है। आगामी पांच दिनों में सूर्य के तल्ख तेवर ढीले होने की उम्मीद नहीं है। दिन और रात्रि दोनों में तपत बरकरार है। बुधवार रात्रि नारनौल की सबसे गरमी रही तो गुरुवार को सिरसा में तपन का असर कम नहीं हुआ। प्रदेश आगामी पांच दिन हीट-वेव और लू की चपेट में रहेगा। मौसम विभाग की ओर से दक्षिणी हरियाणा में रेड अलर्ट जारी किया गया है तो उत्तरी हरियाणा में येलो और ओरेंज अलर्ट की चेतावनी है।

लगातार बढ़ रही गरमी के चलते जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो रहा है। दोपहर 12 बजे से लेकर 3 बजे तक घर से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। यही नहीं गरमी की तपन का असर रात्रि में भी देखने को मिल रहा है। हरियाणा की रात्रि और दिन दोनों तप रहे हैं। गुरुवार सुबह तापमान में 1.3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट जरूर दर्ज की गई।

बुधवार रात्रि नारनौल जिले में न्यूनतम तापमान 32.0 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। इसके साथ ही रोहतक, सिरसा, गुरुग्राम, झज्जर, हिसार, चरखी-दादरी और मेवात में न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहा। प्रदेश में न्यूनतम तापमान में 0.6 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। गुरुवार को सिरसा सबसे गरम रहा। यहां अधिकतम तापमान 45.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि पिछले 24 घंटों में अधिकतम तापमान में 1.3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, चरखी दादरी, गुरुग्राम, मेवात, फरीदाबाद, पलवल, झज्जर, रोहतक, सोनीपत में गंभीर हीट वेव व उष्ण रात्रि का रेड अलर्ट जबकि पंचकूला अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, कैथल, करनाल और पानीपत जिलों के लिए आरेंज अलर्ट जारी कर दिया है।

अधिकतम तापमान वाले जिलों का ब्योरा

जिला	तापमान
सिरसा	45.4 डिग्री सेल्सियस
भिवानी	44.3 डिग्री सेल्सियस
हिसार	44.9 डिग्री सेल्सियस
महेंद्रगढ़	43.2 डिग्री सेल्सियस
जींद	42.5 डिग्री सेल्सियस
रोहतक	42.5 डिग्री सेल्सियस
गुरुग्राम	40.6 डिग्री सेल्सियस

अभी और बढ़ेगी गर्मी

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्र मोहन ने बताया पिछले एक सप्ताह से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में लगातार मौसम असामान्य और प्रतिकूल बना हुआ है। सम्पूर्ण इलाके भीषण गर्मी और हीट वेव अपने प्रचंड तेवरों को अख्तियार किए हुए, जिससे दिन और रात्रि के तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। लगातार पश्चिमी मरूस्थलीय उष्ण और तीक्ष्ण गर्म हवाएं चलने से और बीच-बीच में हल्की दक्षिणी पूर्वी नमीं वाली हवाएं चलने से हीट क्लाउड भी देखने को मिल रहे हैं। जिसकी वजह से उमस भरी पसीने वाली गरमी से आमजन की दुश्वारियां बढ़ रही हैं।

इंडिया गठबंधन देश को भ्रष्टाचार की खाई में धकेलना चाहता है: धामी

फरीदाबाद। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को दावा किया कि विपक्षी इंडिया गठबंधन देश को भ्रष्टाचार की खाई में धकेलना चाहता है, लेकिन लोग नरेन्द्र मोदी को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का फैसला कर चुके हैं।

हरियाणा की फरीदाबाद लोकसभा सीट पर भाजपा के उम्मीदवार कृष्णपाल गुर्जर के लिए प्रचार करते हुए धामी ने कहा कि 2014 के बाद से देश में लोगों के कल्याण के लिए बहुत सारे काम किए गए हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने कहा, "सेना अब गोलियों का जवाब गोले से देती है"। उन्होंने कहा, "कांग्रेस सहित इंडिया गठबंधन देश को 2014 से पहले की तरह भ्रष्टाचार की खाई में धकेलना चाहता है। इन लोगों की नीति और नियत सही नहीं है तथा न ही उनके पास कोई विचारधारा है। धामी ने कहा कि देश की जनता ने तय कर लिया है कि उन्हें एक बार फिर नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनानी है।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस द्वारा साइबर ठगी के आरोप में गिरफ्तार किए गए अपराधी।

क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर ठगे 96 हजार

गुरुग्राम। साइबर ठगों ने बैंक कर्मचारी बनकर क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर एक व्यक्ति से 96 हजार रुपए की ठगी कर ली। पुलिस ने इस मामले में दो ठगों को काबू करने में सफलता हासिल की है। आरोपियों के पास से 8 मोबाइल, 7 सिम कार्ड, डेबिट कार्ड व 50 हजार नकदी बरामद की है। जानकारी के अनुसार 17 मई 2024 को एक व्यक्ति ने थाना साईबर अपराध दक्षिण गुरुग्राम में एक शिकायत दी थी। जिसमें कहा था कि उससे किसी ठग ने बैंक कर्मचारी बनकर क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर 96 हजार रुपये ठग लिए। इस शिकायत पर थाना साईबर अपराध दक्षिण गुरुग्राम में केस दर्ज करके जांच शुरू की गई। साइबर अपराध सहायक पुलिस आयुक्त प्रियांशु दीवान के निर्देशन में थाना साईबर अपराध दक्षिण के निरीक्षक मनीष की टीम ने तकनीकी सहायता से इस केस में जांच शुरू की। क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर ठगी करने वाले दो आरोपियों को पश्चिम पुरी दिल्ली से काबू कर लिया है। आरोपियों की पहचान अरविंद गौतम निवासी अमन विहार दिल्ली 33 वर्ष व सुनील चौहान निवासी सोनीपत उम्र 36 वर्ष के रूप में हुई। आरोपियों से पुलिस पूछताछ में पता चला है कि आरोपी सुनील चौहान बैंक कर्मचारी बनकर लोगों के पास कॉल करके क्रेडिट कार्ड की डिटेल तथा ओटीपी प्राप्त करता था। साथ ही आरोपी अरविंद गौतम क्रेडिट कार्ड डिटेल तथा ओटीपी के माध्यम से रुपए ट्रांसफर करता था।

सड़क पर हुड़दंग करने वाले तीन के खिलाफ केस दर्ज

फरीदाबाद। बीपीटीपी थाना प्रभारी श्रीभगवान की टीम ने रात वर्ल्ड स्ट्रीट सेक्टर 79 के सामने सड़क पर बीच रास्ते गाड़ी खड़ी कर आतिशबाजी करने तथा हुड़दंगबाजी कर आमजन का रास्ता अवरुद्ध करने और आमजन को परेशान करने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में ऋषभ (22) निवासी सराय ख्वाजा, शुभांकर दास (20) निवासी पश्चिम बंगाल जो अभी कालकाजी, दिल्ली में रह रहा था तथा आरोपी कुनाल (22) निवासी एसजीएम नगर, सेक्टर 48 का नाम शामिल है। पुलिस टीम इलाके में गश्त कर रही थी कि आरोपी वर्ल्ड स्ट्रीट के सामने सड़क पर पटाखे फोड़कर हुडदंग मचा रहे थे। पुलिस टीम ने उन्हें समझाने की बहुत कोशिश की लेकिन वह नहीं माने। इसके पश्चात उन्हें मौके से काबू किया गया और दोनों गाड़ियां पुलिस द्वारा जपत की गई। बीपीटीपी थाने में आरोपियों के खिलाफ रास्ता जाम करने और हंगामा कर शांति भंग करने की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज करके आरोपियों के खिलाफ नियमअनुसार कार्यवाही की गई है। आमजन से अपील है कि वह इस प्रकार बीच सड़क गाड़ी खड़ी करके पटाखे न फोड़े ताकि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके और आमजन को कोई परेशानी ना हो। नियमों का पालन कर शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे स्पोर्ट्स कोटा के तहत 24 पद भरेगा

नई दिल्ली/मालीगांव। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे ने स्पोर्ट्स कोटा के तहत पुरुषों और महिलाओं के लिए 24 पदों की भर्ती अधिसूचना प्रकाशित की है। पात्र खिलाड़ियों, जो भारत के नागरिक हैं, उनसे ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं और यह भर्तियां लेवल -1 से 5 तक विभिन्न पदों के लिए होंगी। पदों के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 09 जून, 2024 है। इच्छुक उम्मीदवार उल्लेखित सभी विवरणों को वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉटएनएफआरडॉटइंडियनरेलवेजडॉटगोवडॉटइन पर दिए गए लिंक के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। वेटलिफ्टिंग, गोल्फ, बॉक्सिंग, साइक्लिंग, क्रिकेट, बैडमिंटन, फुटबॉल, टेबल टेनिस के खिलाड़ी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। लेवल 4 और 5 के पदों पर आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आयु सीमा 01 जुलाई, 2024 को और लेवल 1 से 3 के पदों के लिए 01 जनवरी, 2024 को18-25 वर्ष के बीच होना चाहिए।

पांच जून तक पंजीकरण कराएं बल्क वेस्ट जेनरेटर: बलप्रीत

- ठोस कचरा प्रबंधन की दिशा में नगर निगम उठा रहा प्रभावी कदम

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

डा. बलप्रीत सिंह।

नगर निगम गुरुग्राम के अतिरिक्त आयुक्त डा. बलप्रीत सिंह ने दावा किया है कि निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को बेहतर करने तथा ठोस कचरा प्रबंधन की दिशा में नगर निगम प्रभावी कदम उठा रहा है। इसके तहत एक ओर जहां विशेष सफाई अभियान के तहत कचरा संवेदनशील स्थानों व सेकेंडरी कलेक्शन प्वाइंटों से प्रतिदिन कचरा उठान सुनिश्चित किया जा रहा है। दूसरी ओर सफाई व कचरा प्रबंधन में नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जोन वाइज सिटीजन सुपरवाईजरी कमेटी के गठन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

डा. बलप्रीत सिंह ने बताया कि निगम क्षेत्र के चारों जोनों में जोन स्तर पर 4 सिटीजन सुपरवाईजरी कमेटियों का गठन किया जा रहा है। जोन के संयुक्त आयुक्त इस कमेटी के चेयरमैन होंगे तथा उनके साथ जोन क्षेत्र के 2 पुरूष व 2 महिला सदस्यों को कमेटी में शामिल किया जाएगा। जोनल सिटीजन सुपरवाईजरी कमेटी में 27 मई तक आवेदन किए जा सकते हैं। आवेदक को अपने जोन के किन्हीं 10 नागरिकों को प्रस्तावक बनाना अनिवार्य है। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 8700060130 पर संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सदस्यों का चुनाव ड्रा के माध्यम से किया जाएगा। एक वार्ड से केवल एक ही व्यक्ति को कमेटी में शामिल किया जाएगा।

5 जून के बाद कार्रवाई

अतिरिक्त निगमायुक्त ने कहा कि ठोस कचरा प्रबंधन नियम-2016 के तहत बल्क वेस्ट जनरेटरों को उनके यहां से निकलने वाले कचरे का प्रबंधन खुद ही करना अनिवार्य है। निगम द्वारा संचालित ऑनलाईन पोर्टल पर सभी बल्क वेस्ट जनरेटर 5 जून तक अपना पंजीकरण करवाना सुनिश्चित करें। इसके बाद निगम टीमें सभी बल्क वेस्ट जनरेटरों के यहां दौरा करेंगी तथा नियमों की अवहेलना पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। इसके तहत भारी जुर्माना किया जाएगा।

पेयजल का दुरुपयोग करने वालों पर होगी कार्रवाई: बांगड़

- शहरी स्थानीय निकाय विभाग के निर्देशों की गंभीरता से पालना की जाएगी सुनिश्चित
- घर का नल खुला मिला तो काट दिया जाएगा कनेक्शन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

निगमायुक्त डा. नरहरि सिंह बांगड़।

नगर निगम क्षेत्र में पीने के पानी का दुरुपयोग करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। शहरी स्थानीय निकाय विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना गंभीरता से सुनिश्चित होगी। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त डा. नरहरि सिंह बांगड़ ने गुरुवार को यह बात कही।

निगमायुक्त कहा कि गर्मी के मौसम में सभी नागरिकों तक पर्याप्त पानी की आपूर्ति हो, इसके लिए गंभीरता से कार्य किया जा रहा है। पीने के पानी का दुरुपयोग करने वालों पर नजर रखी जा रही है तथा उन पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने गुरुग्राम के नागरिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे पीने के पानी का दुरुपयोग करने वालों की सूचना नगर निगम को दें। निगमायुक्त ने कहा कि शहरी स्थानीय निकाय विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि गर्मी के मौसम में पानी की खपत बढने के कारण और पानी की आपूर्ति का पर्याप्त दबाव बनाए रखने के लिए कई प्रकार की गतिविधियां प्रतिबंधित हैं। इनमें पीने के पानी से वाहनों व आंगन को धोना व लॉन में पीने के पानी का उपयोग प्रतिबंधित है।

निगमायुक्त ने बताया कि पंप व मोटर को सीधे लाइन में स्थापित करना निषिद्ध है। क्योंकि इससे क्षेत्र में पानी का दबाव कम हो सकता है। यह पीने योग्य पानी के प्रदूषित होने का कारण भी बनता है। यदि सीधे पानी की लाईन पर पंप या मोटर स्थापित पाई जाती है तो उसे तुरंत प्रभाव से हटाकर जब्त कर लिया जाएगा। कोई भी वॉशिंग स्टेशन बिना स्वीकृति के चलता हुए पाया गया, तो उसकी पानी आपूर्ति को बंद करने के साथ ही उसे सील कर दिया जाएगा। किसी भी घर या सार्वजनिक स्थान पर कोई भी नल खुला पाया गया तो उसका कनेक्शन तुरंत काट दिया जाएगा। इसके अलावा अगर किसी व्यक्तिगत कनेक्शन में लीकेज या ओवरहैड टैंक के ओवरफ्लो के कारण पानी बर्बाद होता पाया गया तो भी कार्रवाई की जाएगी।

निर्माण कार्यों में पीने के पानी का उपयोग प्रतिबंधित

निगमायुक्त ने बताया कि इन दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने वालों पर पहली बार 5000 रुपये तथा दूसरी बार अतिरिक्त 5000 रुपये का जुर्माना लगाने के साथ ही पानी का कनेक्शन काट दिया जाएगा तथा कनेक्शन की बहाली की अनुमति 1000 रुपये कनेक्शन काटने शुल्क और पुन: कनेक्शन शुल्क के साथ जुर्माना राशि जमा करने पर ही दी जाएगी। निगमायुक्त ने कहा कि निर्माण कार्यों में पीने के पानी का उपयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित है। ऐसे किसी भी उल्लंघन पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाने के साथ ही पानी का कनेक्शन भी काटा जाएगा।

जिले में बनाए पिंक, यूथ व पीडब्ल्यूडी बूथ

गुरुग्राम। जिले में चुनाव के लिए चारों विधानसभा क्षेत्रों में महिला मतदाताओं के लिए पिंक बूथ, नौजवान वोटरों के लिए यूथ बूथ और दिव्यांग मतदाताओं के लिए स्पेशल बूथ स्थापित किए गए हैं। गुरुग्राम शहर के सेक्टर 4-7 के राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय परिसर में सुंदर सजावट कर एक मॉडल बूथ स्थापित किया गया है।

चुनाव में मतदान केंद्रों पर नागरिकों के लिए मूलभूत सुविधाओं को पूरी तवज्जो दी गई है। इसी के दृष्टिगत गुरुग्राम शहर के राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय में मॉडल बूथ की स्थापना की गई है। इस बूथ को सुंदर और आकर्षित बनाने के लिए यहां विशेष सजावट की गई है। इस बूथ पर मतदाताओं के लिए एक अलग से वेटिंग रूम बनाया गया है, जहां पर एलईडी स्क्रीन लगी होगी। मतदान केंद्र के द्वार को रंग-बिरंगे गुब्बारों से सजाया गया है। यहां पर एक सेल्फी प्वाईंट और हेल्प डेस्क के रूप में एक फैसिलिटी सेंटर बनाया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी निशांत कुमार यादव ने बताया कि इस फैसिलिटी सेंटर में मतदाताओं को जानकारी देने के लिए बीएलओ मौजूद रहेगा। अपने छोटे बच्चों के साथ आने वाली महिलाओं के लिए एक अलग कक्ष बनाया गया है।

रिकॉर्ड मतों से जीतेंगे राव इंद्रजीत सिंह: सुधीर

- विधायक सुधीर सिंगला ने ली कार्यकर्ताओं की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

चुनाव को लेकर भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करते विधायक सुधीर सिंगला।

गुड़गांव के विधायक सुधीर सिंगला ने लोकसभा चुनाव को लेकर अपने कार्यकर्ताओं की बैठक ली। बैठक में काफी संख्या में कार्यकर्ताओं ने शिरकत की। इस दौरान विधायक ने उन्हें चुनाव में अधिक से अधिक वोट डलवाने के लिए प्रेरित किया।

विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि गुड़गांव लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार राव इंद्रजीत सिंह काफी मजबूत स्थिति में हैं। ग्राउंड रिपोर्ट के आधार पर वे कह सकते हैं कि इस बार उनकी जीत के सारे रिकॉर्ड टूट जाएंगे। हर बार वे पहले से अधिक वोट लेकर चुनाव में जीत दर्ज करते हैं। इस बार और बड़ी जीत उनकी होगी। विधायक ने कहा कि साफ छवि, ईमानदारी नेता के रूप में राव इंद्रजीत सिंह की पहचान है। केंद्र सरकार में उन्हें उचित सम्मान भी मिलता है। हर बार वे मंत्री पद पर विराजमान किए जाते हैं। भाजपा से लगातार तीसरी बार वे गुड़गांव लोकसभा सीट से जीत दर्ज करके हैट्रिक बनाएंगे।

30 टन औद्योगिक कबाड़ को मनोरम मूर्तियों में बदल चुके हैं गोपाल

- गुरुग्राम, दिल्ली में उनकी बनाई कलाकृतियां बढ़ा रही हैं शोभा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गोपाल नामजोशी के स्टूडियो का अवलोकन करते अतिरिक्त आयुक्त डा. बलप्रीत सिंह।

कबाड़ से कलात्मक चीजें बनाकर उन्हें जीवंत रूप देने वाले कलाकार गोपाल नामजोशी लगातार इस पर काम कर रहे हैं। गुरुग्राम, दिल्ली में उनके द्वारा बनाई कलाकृतियां शोभा बढ़ा रही हैं। उन्होंने 30 टन औद्योगिक कबाड़ को मनोरम मूर्तियों में बदला है।

गोपाल नामजोशी के उल्लेखनीय कार्यों में गुरुग्राम के इफ्को चौक पर ताऊ की कलाकृति, नई दिल्ली में जी-20 पार्क में एक प्यूमा मूर्तिकला, दिल्ली-गुरुग्राम सीमा पर एक ईगल आउल स्थापना और पुणे में एक फ्लाईंग हॉक शामिल हैं। ये कलाकृतियां उनकी शिल्प कौशल और पर्यावरणीय चेतना के लिए जानी जाती हैं। नामजोशी की रचनात्मक प्रक्रिया में कबाड़ हुए धातु के टुकड़ों और स्क्रैप डीलरों से मिली वस्तुओं को दोबारा उपयोग में लाना शामिल है। इस प्रकार महत्वपूर्ण मात्रा में धातु को लैंडफिल से हटा दिया जाता है।

पारिस्थितिक कला के प्रति उनके समर्पण ने उन्हें राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट से स्वर्ण पदक विजेता और सबसे बड़ी खाद्य स्थापना बनाने के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में पहचान दिलाई है। वे कचरे को एक सौंदर्यपूर्ण खजाने के रूप में देखते हैं। यह स्टूडियो टिकाऊ जीवन और कलात्मक नवाचार के प्रमाण के रूप में स्थापित किया गया है। स्टूडियो के प्रवेश द्वार पर पीले पक्षी की स्वागत मुद्रा में कलाकृति स्थापित की गई है। इस स्टूडियो से 30 से अधिक स्मारकीय कलाकृतियों का निर्माण किया गया है। नामजोशी के इस स्टूडियो में गुरुवार को नगर निगम गुरुग्राम के अतिरिक्त आयुक्त डा. बलप्रीत सिंह ने दौरा किया।

हवा-हवाई रहे हैं आधी आबादी को राजनीति में आगे बढ़ाने के दावे

72 साल के इतिहास में सिर्फ वर्ष 1999 के चुनाव में कारगिल शहीद की वीरांगना सुधा यादव बनी थीं सांसद

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

आधी आबादी को राजनीति में आगे बढ़ाने के लिए वैसे राजनीतिक दल दावे-वादे तो खूब करते हैं, लेकिन उन पर खरे उतरने का जब समय आता है तो बैकफुट पर नजर आते हैं। अहीरवाल की बात करें तो यहां पर महिलाओं को राजनीति में आगे बढ़ाने में राजनीतिक दलों की दिलचस्पी कम ही है। सिर्फ जिताऊ नेता पर ही दांव खेला जाता है। अहीरवाल से 72 साल में सिर्फ एक महिला की संसद में पहुंच पाई है।

वर्ष 1952 में गुड़गांव लोकसभा सीट बनीं थी। यहां से कांग्रेस प्रत्याशी ठाकुर दास भार्गव ने जीत दर्ज की थी। वर्ष 1957 में कांग्रेस से ही अबुल कलाम आजाद, वर्ष 1958 में प्रकाश वीर शास्त्री निर्दलीय, वर्ष 1962 में गजराज सिंह यादव कांग्रेस, वर्ष 1967 में अब्दुल घानी डार निर्दलीय, वर्ष 1971 में तैय्यब हुसैन कांग्रेस की टिकट पर विजयी हुए। वर्ष 1977 में गुड़गांव लोकसभा सीट को खत्म करके महेंद्रगढ़ लोकसभा कर दिया गया। महेंद्रगढ़ लोकसभा सीट से वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने कारगिल के पहले शहीद डिप्टी कमांडेंट सुखबीर सिंह की वीरांगना सुधा यादव को चुनाव मैदान में उतारा। भाजपा के लिए कारगिल फैक्टर काफी कारगर साबित हुआ और सुधा यादव ने जीत दर्ज की। सुधा यादव ने चुनाव में अपने पति शहीद सुखबीर सिंह के नाम का कहीं जिक्र नहीं किया। इस चुनाव में

अहीरवाल से एक मात्र महिला सांसद रहीं डा. सुधा यादव।

निवर्तमान सांसद एवं भाजपा प्रत्याशी राव इंद्रजीत सिंह।

कांग्रेस प्रत्याशी राव इंद्रजीत सिंह सुधा यादव से हारे थे। वर्ष 2008 में महेंद्रगढ़ सीट परिसीमन के तहत फिर से गुड़गांव लोकसभा हो गई है। वर्ष 2009 में राव इंद्रजीत सिंह कांग्रेस की टिकट पर सांसद बने। इसके बाद वर्ष 2014 में राव इंद्रजीत सिंह भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा ने उन्हें ही चुनाव मैदान में उतारा और वे सांसद बनें। इसी तरह से वर्ष 2019 में भी भाजपा ने उन्हें ही टिकट दी। वे भाजपा की टिकट पर दोबारा से सांसद चुने गए। अब तीसरी बार फिर से इंद्रजीत सिंह पर ही भाजपा ने दांव खेला है। उनके सामने कांग्रेस के प्रत्याशी पांच बार के सांसद राज बब्बर हैं। वर्ष 1952 से 2024 तक के चुनावों पर नजर डालें तो सिर्फ एक बार ही अहीरवाल से महिला को राजनीति में आगे बढने का अवसर दिया गया है। चाहे कांग्रेस हो या भाजपा, अहीरवाल के कद्दावर नेता राव इंद्रजीत सिंह जिस दल में भी रहते हैं वहां से फिर दूसरे नेता को लोकसभा के चुनाव में अवसर मिलने की संभावनाएं खत्म ही हो जाती हैं। हर दल को जिताऊ उम्मीदवार की जरूरत होती है। किसी दूसरे पर दांव खेलकर कोई दल रिस्क नहीं लेना चाहता। इस सीट पर मुस्लिम और यादव हार-जीत तय करते हैं।

भयमुक्त माहौल में मतदान संपन्न कराए पुलिस व प्रशासन: दीपक मिश्रा

- विशेष पुलिस ऑब्जर्वर ने बैठक में गुड़गांव लोकसभा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में लोकसभा चुनाव को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक करते विशेष पुलिस ऑब्जर्वर दीपक मिश्रा।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त किए गए विशेष पुलिस ऑब्जर्वर दीपक मिश्रा ने गुरुवार को लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में चुनाव को लेकर पुलिस द्वारा किए जा रहे सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा की और जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने गुड़गांव लोकसभा क्षेत्र में आने वाली सभी नौ विधानसभा में सुरक्षा व्यवस्था की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में वैश्विक स्तर पर हमारे देश का सम्मानित स्थान है।

ऐसे में पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि सभी नौ विधानसभा सीटों पर प्रत्येक मतदाता बिना किसी संकोच व भयमुक्त माहौल में वोट डाल सके। समीक्षा बैठक में गुरुग्राम संसदीय क्षेत्र की जनरल ऑब्जर्वर डॉ. दिलराज कौर, पुलिस ऑब्जर्वर शकंर चौधरी, एक्सपेंडिचर ऑब्जर्वर दुर्गादत्त व सौरभ कुमार सहित गुरुग्राम के सीपी विकास अरोड़ा, डीसी निशांत कुमार यादव आदि मौजूद रहे। नूंह के डीसी धीरेंद्र खड़टा, रेवाड़ी के डीसी राहुल हुड्डा, एसपी शशांक कुमार सावन व नूंह के एसपी वीसी माध्यम से समीक्षा बैठक से जुड़े।

हरियाणा में थम गया चुनावी शोरगुल

- अंतिम दिन सभी दलों ने किया शक्ति प्रदर्शन पीएम मोदी, राजनाथ सिंह व प्रियंका गांधी ने किया रैलियों को संबोधित

शिखा शर्मा। चंडीगढ़

हरियाणा में पिछले करीब एक माह से चल रहा चुनाव प्रचार गुरुवार की शाम थम गया। प्रचार समाप्त होने से पहले सभी राजनीतिक दलों ने मतदाताओं को लुभाने के लिए पूरा जोर लगाया। हरियाणा के चुनावी रण में इस समय कुल 223 प्रत्याशी हैं। जिनमें 207 पुरूष तथा 16 महिला उम्मीदवार शामिल हैं। इस बार भाजपा सभी दस सीटों पर, कांग्रेस नौ, जननायक जनता पार्टी दस, बसपा नौ, इनेलो छह तथा आम आदमी पार्टी का एक प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। इसके अलावा अन्य सभी निर्दलीय प्रत्याशी हैं।

गुरुवार को प्रचार के अंतिम दिन करनाल से भाजपा प्रत्याशी एवं पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रोड शो के माध्यम से तीन विधानसभा हलकों को कवर किया। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतिम दिन दक्षिण हरियाणा के मतदाताओं को लामबंद किया। कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी ने पंजाब के छोर पर बसे सिरसा में जहां कुमारी सैलजा के समर्थन में रोड शो किया वहीं करनाल लोकसभा के अंतर्गत आते पानीपत में रैली को संबोधित किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी आज हरियाणा में रहे। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने भी कई इलाकों में रोड शो किया। गंठबंधन टूटने के बाद पहली बार चुनाव लड़ रही जजपा ने भले ही दस सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं लेकिन पूर्व उपमुख्यमंत्री व उनके परिजनों का पूरा जोर हिसार में लगा हुआ है। अन्य नौ सीटों पर उनके प्रत्याशी बिखर चुके हैं।

हरियाणा की राजनीति में हाशिए पर चल रही इंडियन नेशनल लोकदल छह सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं लेकिन पार्टी का पूरा जोर कुरूक्षेत्र में लगा रहा। चुनाव प्रचार का अंतिम दिन आने तक इनेलो के कुरूक्षेत्र व हिसार को छोड़कर अन्य सभी स्थानों पर प्रत्याशी प्रचार को बढ़ाने में असफल रहे। चुनाव प्रचार समाप्त होने तक हरियाणा की सभी दस सीटों पर तस्वीर साफ हो गई है। इस बार यहां कांग्रेस तथा भाजपा में सीधा मुकाबला होगा। केवल कुरूक्षेत्र की सीट पर आम आदमी पार्टी और इनेलो के होने से असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद सभी राजनीतिक दलों के प्रत्याशी अब बैठकों में लग गए हैं। शुक्रवार को दिन भर बैठकों का दौर चलेगा। ज्यादातर प्रत्याशियों ने मतदान वाले दिन बूथ पर बैठने वाले एजेंटों की बैठकें बुला ली हैं।

प्रदेश में 35 हजार से अधिक पुलिसकर्मी रहेंगे तैनात

- पुलिस महानिदेशक ने प्रदेशभर के पुलिस अधीक्षकों व आईजी के साथ की बैठक
- अर्द्धसैनिक बलों की 112 कंपनियों ने संभाला मोर्चा, सीमाओं पर लगाए जाएंगे तीन सौ नाके

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में 25 मई को होने वाले लोकसभा आम चुनाव-2024 को स्वतंत्र, निष्पक्ष तथा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करवाने को लेकर पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर की अध्यक्षता में गुरुवार को पंचकूला स्थित पुलिस मुख्यालय में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश भर के पुलिस महानिरीक्षकों, पुलिस आयुक्तों,पुलिस अधीक्षकों तथा पुलिस उपायुक्तों सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने वीडियो कांफ्रैंसिंग के माध्यम से भाग लिया। इस बैठक में पुलिस बल की तैनाती करने सहित मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न करवाने को लेकर विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) संजय कुमार ने 25 मई को प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखने संबंधी रिपोर्ट प्रस्तुत की। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि चुनाव के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है ताकि लोग बिना डरे निष्पक्ष तरीके से मतदान कर सकें। उन्होंने कहा कि वे पुलिसकर्मियों को जरूरी नंबरों की सूची भी उपलब्ध करवाएं। उन्होंने कहा कि पुलिस अधीक्षक, जिला उपायुक्त के साथ तालमेल स्थापित करते हुए कानून व्यवस्था बनाए रखना सुनिश्चित करें। कपूर ने कहा कि बूथों पर तैनात पुलिस कर्मी को वहां पर कानून व्यवस्था सुनिश्चित करनी है। हर पुलिस कर्मी को अपने डूज और डोन्ट्स अच्छे से पता होने चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस मामले में लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस बारे में पुलिस अधिकारी से लेकर ड्यूटी पर तैनात अंतिम पुलिसकर्मी तक को मैसेज साफ और स्पष्ट होना चाहिए।

बैठक में बताया गया कि लोकसभा चुनाव के लिए हरियाणा पुलिस के 35 हज़ार से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। पैरामिलिट्री फोर्स की 112 कंपनियों ने मोर्चा संभाल लिया है। इसके अलावा प्रदेश में 24 हजार से अधिक होमगार्ड के जवान तैनात रहेंगे। इस दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सीमाओं पर कुल 300 नाके लगाए जाएंगे।

चप्पे-चप्पे पर रहेगी पुलिस की पैनी नजर

बूथों पर पुलिस बल की तैनाती संबंधी विषय पर उन्होंने कहा कि सभी जिलों को पर्याप्त संख्या में पुलिस बल उपलब्ध करवा दिए गए है। पुलिस आयुक्त तथा पुलिस अधीक्षक अपने अधिकार क्षेत्र में बूथों पर जरूरत के हिसाब से इनकी तैनाती करें। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव प्रक्रिया शुरू होने से लेकर मतदान समाप्त होने के बाद भी पुलिस बल सतर्क रहे और असामाजिक तत्वों पर नजर बनाए रखें।

प्रदेश के 3033 मतदान केन्द्र संवेदनशील

प्रदेश में मतदान के लिए 10 हजार 343 स्थानों पर कुल 20 हजार 6 मतदान केन्द्र स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा, 1362 स्थानों पर 3033 मतदान केन्द्रों को संवेदनशील (क्रिटिकल) माना गया है तथा 51 मतदान केन्द्रों को वल्नरेबल माना गया है। इन मतदान केन्द्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा। इसके साथ ही प्रदेश में 418 फ्लाइंग स्क्वायड टीम, 415 स्टेटिक सर्विलांस टीम तथा 34 क्विक रिस्पांस टीम बनाई गई है। प्रदेश में कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा आदर्श आचार संहिता की पालना सुनिश्चित करने को लेकर 1039 पेट्रोलिंग पार्टी भी लगाई गई है जो दिन रात गश्त कर रही है।

चुनाव को लेकर जिला पुलिस अलर्ट कुरुक्षेत्र में निकाला फ्लैग मार्च

- पुलिस व अर्धसैनिक बल तैनात, असामाजिक तत्वों पर पुलिस की रहेगी पैनी नजर

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

जिला पुलिस लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस अलर्ट मोड़ पर है। पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह भोरिया के दिशा निर्देशानुसार वीरवार को लोकसभा चुनाव के मध्यनजर जिला के अलग-अलग थाना एरिया में फ्लैग मार्च निकाला गया। पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में पुलिस की टीमों ने आम नागरिकों को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं स्वतन्त्र रुप से चुनाव प्रक्रिया में पुलिस का सहयोग करने की अपील की।

जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 25 मई 2024 को प्रदेश में लोकसभा चुनाव होने हैं। जिला में लोकसभा चुनाव-2024 को शान्तिपूर्ण एवं निष्पक्ष करवाने तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए वीरवार को पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने जिलाभर में फ्लैग मार्च निकाला। जिला के अलग-अलग थाना एरिया मे पुलिस की टीमों का फ्लैग मार्च शहर के विभिन्न गलियों व मार्गो से होकर गुजरा। पुलिस ने लोगों को बिना किसी डर भय के चुनाव प्रकिया में भाग लेने के पुलिस टीम लिए प्रेरित किया। जनता से अपील की गई कि वह चुनाव के समय किसी भी असमाजिक तत्व के बहकावे में न आकर किसी प्रकार के लालच देने वालों की सूचना तुरन्त अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन/चौंकी या पुलिस कन्ट्रोल रूम में दें।

असामाजिक तत्वों पर रहेगी पैनी नजर: पुलिस अधीक्षक

पुलिस अधीक्षक ने सुरेन्द्र सिंह भोरिया ने बताया कि जिला पुलिस लोकसभा चुनाव को अमन चैन से संपन्न करवाने के लिए दिन-रात चुनाव पर नजर रखे हुए हैं। जिला प्रशासन द्वारा चिन्हित क्रिटिकल बूथों पर अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की वर्दी व सिविल पाश्चात में तैनाती कर दी गई है। इसके साथ-साथ अतिरिक्त पुलिस बल को अलर्ट मोड पर रखा गया है। जिला पुलिस द्वारा चुनाव के मध्यनजर जिला में 12 स्थानो पर तथा 3 स्थानो पर अंतर्राज्य नाके लगाये गए हैं। जिला प्रशासन द्वारा जिला में धारा 144 लगाई गई है जिसके मध्यनजर पुलिस द्वारा असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखी जा रही है। धारा 144 की उल्लंघना करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ करवाई की जाएगी।

जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक ने बताया कि लोकसभा चुनाव में जिला पुलिस के अलावा अर्धसैनिक बल की तैनाती की गई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिला पुलिस लोकसभा चुनाव करवाने में पूर्णरूप से सक्षम है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बूथों के अलावा नाकों, गश्त व पेट्रोलिंग पर पर्याप्त मात्रा में पुलिस जवानों की लगाया गया गया। जिलाभर मे नाके लगाकर चैकिंग की जा रही है। पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को चुनाव डयूटी बारे विस्तार से समझाया गया।डयूटी पर तैनात प्रत्येक पुलिस अधिकारी/कर्मचारी अपने विवेक से काम लें।

जिला पुलिस के तीन निरीक्षक पदोन्नत

कुरुक्षेत्र। जिला पुलिस कुरुक्षेत्र के उप निरीक्षक फतेह सिंह, महेंद्र सिंह व रेशम सिंह को निरीक्षक बनाया गया है। जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता नरेश कुमार सागवाल ने बताया कि पुलिस महानिदेशक हरियाणा व पुलिस महानिरीक्षक अम्बाला मंडल अम्बाला से उप निरीक्षक रेशम सिंह, फतेह सिंह, व महेंद्र सिंह को निरीक्षक पद पर पदौन्नत करने के आदेश प्राप्त हुए । पुलिस महानिदेशक हरियाणा के आदेशों की पालना करते हुए पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र सुरेन्द्र सिंह भोरिया ने उप निरीक्षक रेशम सिंह, फतेह सिंह व महेन्द्र सिंह को स्टार लगाकर निरीक्षक पद पर पदोन्नत किया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि उप निरीक्षक फतेह सिंह, महेंद्र सिंह व रेशम सिंह ने हरियाणा पुलिस विभाग में सिपाही के पद पर भर्ती होकर तथा मेहनत, लग्न व ईमानदारी से अपनी डयूटी करते हुए जिला कुरुक्षेत्र में अपनी सेवाएं दी हैं।

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि श्रीमती सरेसो पत्नी श्री ओमवीर और (ii) श्री रामपाल पुत्र श्री मामच, अरोती खुर्द, परगना: लोनी, तहसील और जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित प्लॉट नंबर 14 का हिस्सा, क्षेत्रफल 30 वर्ग गज, खसरा नंबर 658 में से, का मालिक है। जो श्री जुगल किशोर के द्वारा निष्पादित पंजीकृत जीपीए दिनांक 03.11.1999 के माध्यम से है। और इसे श्री दीपक शर्मा और श्रीमती सुधा को बेचा जाना है। और वे एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड के द्वारा वित्तपोषित किया जाएगा। यदि किसी व्यक्ति के पास उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी भी प्रकार का विवाद है, तो कृपया अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर लिखित रुप में वर्तमान से 07 दिनों के भीतर सूचित करें। श्रीमती प्रसून लता, अधिवक्ता
एसजी एसोसिएट्स (लॉ फर्म)
एफएफ18, लोटस पॉन्ड प्लाजा, वैभव खंड, इंदिरापुरम, गाजियाबाद, यूपी
ईमेल:sgassociatespl@gmail.com,फोन:7011172764, 01204440300

पब्लिक नोटिस
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मेरा पक्षकार कुलदीप कौशल,तीसरी मंजिल क्षेत्र 50 वर्ग गज,नंबर आर जेड-एच-4/7-बी,क्षेत्रफल 250 वर्ग गज खसरा नं.79/12,पालम,महाबीर एन्क्लेव,ए-ब्लाक(बंगाली कालोनी),नई दिल्ली, के मालिक है तथा कुलदीप कौशल ने बिक्री विलेख संख्या 4139 दिनांक 03.05.2007 के माध्यम से लाल मुनि प्रसाद से प्लाट खरीदा।तथा कुलदीप कौशल ने विक्रय पत्र क्रमांक 4139 दिनांक 03.05.2007 से खो गया है। तथा,यह सूचित किया जाता है की उक्त विलेख के आधार पर किसी प्रकार की कोई भी इकरार, बिक्री,बंधक आदि सिवाय कुलदीप कौशल के बीच,मान्या नही होगा. तथा अगर किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में किसी प्रकार का अधिकार या दावा करना चाहता है तो वह नीचे लिखे न.पर इस प्रकाशन के 08 दिन के अंदर संपर्क कर अपने अधिकार या आपत्ति का की जानकारी दे दे.तथा उक्त कॉगजो को वापस कर दे
एडरेम लिगल सल्यूशन
चेंबर न.760,द्वारका कोर्ट,सेक्टर-10,द्वारका,नई देल्ही.-75, मोबाइल : 9899913898

दिल्ली चलो अभियान के 100 दिन पूरे होने पर शंभू, खनौरी सीमा पर इकट्ठा हुए किसान

अंबाला। केंद्र पर अपनी मांगों को मनवाने का दबाव डालने के लिए अपने विरोध प्रदर्शन के 100 दिन पूरे होने पर बुधवार को किसान बड़ी संख्या में शंभू और अन्य सीमा स्थलों पर एकत्र हुए।

किसानों की मांगों में फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी भी शामिल है। प्रदर्शनकारी किसान 13 फरवरी से शंभू और खनौरी सीमाओं पर डेरा डाले हुए हैं। उस दिन उनके दिल्ली चलो मार्च को सुरक्षाबलों ने रोक दिया था। किसान मजदूर संघर्ष समिति के नेता सरवण सिंह पंधेर ने कहा कि इस मौके पर किसान शंभू, खनौर और डबावली सीमा स्थलों पर एकत्र हुए।

हरियाणा में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार के लिए भाजपा जिम्मेदार: प्रियंका गांधी

- कांग्रेस नेता ने पार्टी उम्मीदवार कुमारी सैलजा के पक्ष में किया रोड शो

पायनियर समाचार सेवा। सिरसा

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने हरियाणा में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और महंगाई के लिए भाजपा सरकार की बृहस्पतिवार को आलोचना की। कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पूरे देश में सबसे ज्यादा बेरोजगारी हरियाणा में है जिसकी कीमत यहां के युवाओं को चुकानी पड़ रही है। उन्होंने कहा, जनता बेतहाशा महंगाई, भ्रष्टाचार और भाजपा की अस्थिरता से तंग आ चुकी है और एक बड़ा बदलाव लाने जा रही है। प्रियंका ने कहा, प्रदेश में कांग्रेस की जबरदस्त लहर है। कांग्रेस राज्य की सभी सीटें जीतेगी। प्रियंका ने इससे पहले पार्टी उम्मीदवार कुमारी सैलजा के पक्ष में रोड शो का नेतृत्व किया था। शोडशो लगभग एक घंटे तक जारी रहा और इस दौरान प्रियंका, सैलजा और हरियाणा की पूर्व मंत्री किरण चौधरी के साथ एक खुले वाहन में खड़ी रहीं और उन्होंने हाथ हिला कर लोगों का अभिवादन किया। हरियाणा में प्रियंका का यह पहला रोड शो है। रोड शो में कांग्रेस कार्यकर्ता हाथ में पार्टी का ध्वज लिए हुए थे और उन्होंने कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद के नारे लगाए। साथ ही प्रियंका पर फूल बरसाए। कुमारी सैलजा हरियाणा में कांग्रेस का प्रमुख दलित चेहरा हैं और उनका मुकाबला भाजपा के अशोक तंवर से है। तंवर पहले कांग्रेस में थे और हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके हैं। प्रदेश की सभी दस लोकसभा ~~सीटों पर 25 मई को मतदान होगा।~~

अभय चौटाला ने किया शक्ति प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

इनेलो प्रत्याशी अभय चौटाला ने वीरवार को चुनाव प्रचार के अंतिम दिन कैथल जिले में विशाल रोड शो निकाला। रोड शो के दौरान जगह-जगह लोगों ने फूल मालाओं से अभय चौटाला का स्वागत किया। रोड शो में उमड़ी कार्यकर्ताओं की भीड़ व वाहनों के काफिले को देखते हुए तय हो गया कि अभय चौटाला इस चुनाव में जीतने जा रहे हैं। कैथल के लघु सचिवालय के निकट स्थित खाली मैदान से इनेलो प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा की अगुवाई में यह रोड शो शुरू हुआ। अर्जुन चौटाला साथ में मौजूद रहे। जो कैथल के करनाल रोड से होते हुए पिहोवा चौक पर पहुंचा। पिहोवा चौक पर रामपाल माजरा ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जन नायक ताऊ देवीलाल की नीतियों पर चलते हुए अभय चौटाला लोगों की आवाज बुलंद करते हैं।

PUBLIC NOTICE
Beware of unauthorized transactions public are hereby informed that any dealing including but not limted to sells and purchases in respect of the immovable property bearing no.-61, Pragati Apartment, West Enclavc. Pitampura, North West Delhi, Delhi-110034 as my Client Ms. Ananya Sharma representing the estate of the Lt. Smt. Poonam Sharma, holds legal rights, power, and possession of the aforesaid property i.e., 61, Pragati Apartment, West Enclave, Pitampura, North West Delhi, Delhi-110034. Failure to adhere to this notice may result legal consequences. We hereby caution public in all against engaging in any transactions involving the aforementioned property without proper authorization from My client M/s. Ananya Sharma.
Bhaskar Kumar Shukla (Advocate)
Ch.No.413, Saket Court, New Delhi-110017

पॉल मर्चेन्ट्स
फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड
स्वर्ण नीलामी सूचना
सभी सम्बन्धितों की सूचना के लिए एतद् सूचना दी गई है, कि कम्पनी की अधो उल्लेखित शाखा संग रेहन रखे गये स्वर्णाभूषणों को सम्बन्धित ऋण संख्याओं के अन्तर्गत, जो कि ऋणमोचन के लिए विलम्बित थे और जिनको सम्बन्धित ग्राहकों द्वारा कम्पनी के बार बार दोहराई गई सूचनाओं के बावजूद अभी तक निस्तार नहीं किया गया है, को, कम्पनी की सम्बन्धित शाखाओं पर **सोमवार, 10 जून 2024** को अधे विवरणानुसार नीलाम किया जायेगा।
अ. नजफगढ़ शाखा – पॉल मर्चेन्ट्स फाईनेंस प्राईवेट लिमिटेड, ग्राउण्ड फ्लोर RZ3, बी–ब्लॉक, पुराना रोशनपुरा, नजफगढ़, दक्षिण–पश्चिम दिल्ली–110043, दूरभाष 8427733393, ऋण संख्या–203210000000062, 203210000000081, 203210000000013, 203210000000075 (समय 11.00 बजे पूर्वान्ह)।
आ. सोनिया विहार शाखा – पॉल मर्चेन्ट्स फाईनेंस प्राईवेट लिमिटेड, प्रॉपर्टी नं0 डी–296, IIIrd पुस्ता, मुख्य बाज़ार, सोनिया विहार, दिल्ली–110094, दूरभाष 9628114269, ऋण संख्या – 197210000000055 (समय 11.00 बजे पूर्वान्ह)।
कृपया इसे ध्यान में रखा जाये कि यदि ऊपर उल्लेखित नियत दिनांक को किसी कारणवश नीलामी सम्पूरित नहीं होती है, जो इसे **18 जून, 2024** को उसी स्थान और उसी समय पर, बिना और सूचना के आयोजित की जायेगी। **नोट :** सम्बन्धित ग्राहक, नीलामी दिनांक से पूर्व, गहनों को छुड़वा सकते हैं।
नोट: पॉल मर्चेन्ट्स फाईनेंस प्राईवेट लिमिटेड को इस बात का एकल स्वविवेक अधिकार हैं कि बिना पूर्व सूचना के नीलामी सूची से किसी भी ऋण खाता के गहनों (आभूषणों) को हटा सकते हैं।
नोट : बोली लगाने वालों से अनुरोध है वे यदि पंजीकृत डीलर हैं तो अपना पहचान पत्र की PAN Card एवं TIN नम्बर प्रस्तुत करें। सफल बोली लगाने वालों (बिडर्स) से अनुरोध होगा कि कम्पनी को नीलामी सम्पूर्ण राशि आरटीजीएस/अन्य स्वीकृत विधि (Mode) से तत्काल स्थानान्तरित करें।
हस्ताक्षर
प्राधिकृत हस्ताक्षर करने वाला
पॉल मर्चेन्ट्स फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड
उपरोक्त सूचना से सम्बन्धित किसी भी स्पष्टिकरण के लिये कृपया दूरभाष नम्बर 0172-5041717 पर अथवा सम्बन्धित शाखा पर सम्पर्क करें।
दिनांक : 24.05.2024 स्थान : चण्डीगढ़

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given on behalf of **Mr. Ravi Arora & Mr. Prashant Gupta** separately purchasing the Built-up Property bearing No. 10699 (4/23) construction on Plot No. 23, area measuring 264 Sq., Yds., out of Khasra No. 5129/625, situated at Western Extension Area, Karol Bagh, New Delhi; from **Mr. Gopala Krishnan**, who are owner of the aforesaid property vide Relinquishment deed dated 29.01.2021 (vide Doc. No.748, registered on 01.02.2021) & Release deed dated 05.02.2021 (vide Doc. No.1119, registered on 11.02.2021), registered at SRO-III, Delhi; and intend to mortgage against the financial assistance from **Aditya Birla Housing Finance Limited**. That original's **1.** Lease deed dated 24.10.1942, **2.** Sale Deed dated 16.12.1946, **3.** Sale Deed dated 02.08.1947, **4.** Sale Deed dated 27.02.1948 (vide Doc. No.269), **5.** Death Certificate of Late Mr. E. R. C. Panicker &**6.** Surviving Member Certificate of Late Mr. E. R. C. Panickeris/are Lost/Misplaced/Not available. To comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim /right/title/interest/creating mortgage over the said property or found these documents, may inform in writing or contact in person, at the address mentioned below. **Lucem Legal LLP**
Plot No.136, (Basement) Uday Park, New Delhi-110049, Contact # 011-40046316

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती बेबल, जो ग्राम घोंडा गुजरान खादर, गली नंबर 09, 4पुस्ता, करतार नगर, इलाका शाहदरा, दिल्ली–110053 के राजस्व क्षेत्र स्थित में संपत्ति संख्या जे–519, क्षेत्रफल 37.1/2 वर्ग गज, खसरा नंबर 792 में शामिल, श्री अनुज शर्मा से खरीद रही है। जो उपरोक्त संपत्ति के श्री मुन्ना लाल के मालिक/अटॉर्नी धारक है जनरल पॉवर ऑफ अटॉर्नी दिनांक 30.06.2023, नोटरीकृत उपहार विलेख और वसीयत दिनांक 30.06.2023 के माध्यम से है। और इसे उम्मीद हाउसिंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड के पास वित्तीय सहायता के बदले गिरवी रखा है। बैंक/एनबीएफसी की आवश्यकताओं का अनुपालन करने के लिए, हम यह सार्वजनिक सूचना देते हैं कि यदि किसी व्यक्ति के पास उक्त संपत्ति पर किसी भी प्रकार का दावा/अधिकार/स्वामित्व/हित/बंधक बनाने में कोई आपत्ति है तो वह आज से 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्तियों के बारे में नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित कर सकता है। ऐसा न करने पर यह माना जाएगा कि उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार आदि से मुक्त है।
लुसेम लीगल एलएलपी
प्लॉट नंबर 136, (बेसमेंट) उदय पार्क, नई दिल्ली–110049, संपर्क # 011-40046316

मौलिन कमर्शियल लिमिटेड
सीआईएन: L74899DL1982PLC067811
पंजी. कार्यालयः 10, खसरा नं. 239, एम.जी रोड, मंगलापुरी, गढ़ियापुर, दिल्ली–110030
ईमेलः info@vinylgroup.com, वेबसाइटः www.moulin.co.in

31.03.2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष हेतु लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों के विवरण का सारांश
(ईपीएस छोड़कर लाख रुपये में)

क्र. सं.	विवरण	समाप्त तिमाही 31.03.2024 (लेखा–परीक्षित)	समाप्त तिमाही 31.12.2023 (अलेखा–परीक्षित)	समाप्त वर्ष 31.03.2024 (लेखा–परीक्षित)	समाप्त वर्ष 31.03.2023 (लेखा–परीक्षित)
1	संचालन से कुल आय(निवल)	(0.58)	28.09	78.23	74.19
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर पूर्व, आपवादिक और/या आसाधारण मदें)	(16.86)	12.50	10.98	14.17
3	कर पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (आपवादिक और/या आसाधारण मदों पश्चात्)	(16.86)	12.50	10.98	14.17
4	कर पश्चात् अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (आपवादिक और/या आसाधारण मदों पश्चात्)	(13.58)	9.13	6.76	11.88
5	अवधि हेतु कुल व्यापक आय [इस अवधि हेतु लाभ/(हानि) शामिल (कर के बाद) और अन्य व्यापक आय (कर के बाद)]	(14.82)	10.37	6.76	11.67
6	इक्विटी शेयर पूंजी	57.30	57.30	57.30	57.30
7	प्रति शेयर आय (रु–10/– प्रत्येक) (वार्षिकीकृत नहीं)				
	मूलभूतः	(2.59)	1.81	1.18	2.04
	तरलीकृतः	(2.59)	1.81	1.18	2.04

टिप्पणीः–
क) उपरोक्त सेबी (सूचीकरण और अन्य प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंज के साथ दायर 31–03–2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारांश है। 31–03–2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट www.moulin.co.in और सूचीबद्ध इकाई पर उपलब्ध है।
ख) 31 मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए उपरोक्त लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों की समीक्षा लेखापरीक्षा समिति द्वारा की गई और कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा 23 मई, 2024 को आयोजित उनकी संबंधित बैठकों में अनुमोदित किया गया।
निदेशक मंडल और उसकी ओर से
हस्ता/–
आशीष गुप्ता
प्रबंध निदेशक
डीआईएनः 00115090
दिनांकः 23.05.2024
स्थानः नई दिल्ली

कुरुक्षेत्र मेरा परिवार: नवीन जिंदल

- पायनियर के साथ बातचीत में भाजपा प्रत्याशी बोले, प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व में बढ़ाई भारत की शान

कुरुक्षेत्र से अपने वर्षों पुराने रिश्ते के साथ भाजपा प्रत्याशी नवीन जिंदल मैदान में हैं। वह कहते हैं कि कुरुक्षेत्र उनका परिवार है और वह 30 वर्ष से अपने इसी परिवार के बीच में हैं। उनके पिता पूर्व मंत्री स्व. ओमप्रकाश जिंदल उन्हें अपने इसी परिवार की सेवा सौंप कर गए थे। उनका कहना है कि उसी दिन से वे अपना यह फर्ज निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके सामने खड़े प्रत्याशियों के पास सेवा और विकास का कोई विजन नहीं है, वे केवल लोगों को बहकाकर सत्ता हथियाना चाहते हैं। उम्मीद है कुरुक्षेत्र का समझदार मतदाता उनके झांसे में नहीं आएगा और विकसित भारत के संकल्प के साथ कमल का बटन दबाते हुए नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री पद की कमान सौंपेगा। भाजपा प्रत्याशी नवीन जिंदल ने **पायनियर संवाददाता सौरभ चौधरी** के साथ बातचीत में कुरुक्षेत्र के प्रति अपने विजन को स्पष्ट किया। प्रस्तुत हैं बातचीत के अंश:-

प्रश्न: एक सवाल बार-बार विपक्ष उठा रहा है कि चुनाव से ठीक पहले आप भाजपा में आ गए। इसकी कोई वजह?

उत्तर: मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी ने मुझ पर विश्वास किया। प्रधानमंत्री ने विकसित भारत का जो सपना दिखाया है, मैं उससे काफी प्रभावित हूं और इस निर्णय की मुख्य वजह यही है।

प्रश्न: कुरुक्षेत्र से ही क्यों चुनाव लड़ रहे हैं? राज्यसभा भी जा सकते थे?

उत्तर: कुरुक्षेत्र से 30 साल पुराना रिश्ता है और इसकी शुरुआत मेरे पिता ओपी जिन्दल ने की थी। कुरुक्षेत्र हमारा परिवार है। क्षेत्र को देश का नं-1 संसदीय क्षेत्र बनाने के सपना है। हर घर में खुशहाली आए, इसका प्रयास मैंने अपने 10 साल के पिछले संसदीय काल में भी किया था और आगे भी हमारा यही सपना है। बाऊजी ओपी जिन्दल कहते थे कि चुनाव की राजनीति जोड़ती है। पहले हम किसी के घर जाते हैं, फिर लोग हमारे यहां आते हैं। इससे एक नया रिश्ता बनता है। इसी रिश्ते को निभाने के लिए हम चुनावी राजनीति में हैं। कुरुक्षेत्र के लोगों ने मुझे खूब प्यार दिया है इसलिए मैं उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने और उनकी सेवा में समर्पित रहना चाहता हूं। पिछले 10 साल में बहुत काम हुए और उन्हें मैं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के सहयोग और प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में आगे बढ़ाना चाहता हूं।

प्रश्न: आपने लोगों को रोज राष्ट्रीय ध्वज फहराने का अधिकार दिलाया और यही आपकी सबसे बड़ी पहचान है। आप खिलाड़ी भी हैं। अगर आप जीतते हैं तो आपकी क्या प्राथमिकताएं होंगी?

उत्तर: संसद सदस्य के रूप में अपने 10 वर्ष के कार्यकाल में मैंने कुरुक्षेत्र, कैथल और यमुनानगर में विकास के अनेक कार्य कराए। मुझे एक बार फिर अवसर मिला तो मेरी प्राथमिकता सभी वर्गों का विकास करना होगी। हमारी योजना यहां दुनिया का सबसे बेहतरीन कौशल विद्या केंद्र खोलने की है, जहां से प्रतिवर्ष निकलकर हमारे युवा देश-विदेश, कहीं भी नौकरी पा सकते हैं और अपना कारोबार भी कर सकते हैं। विदेशी कंपनियां भी उन्हें नौकरी देने आएंगी।

प्रश्न: आप पुन: राजनीति में क्यों आए जबकि आपकी औद्योगिक व्यस्तताएं बहुत रही होंगी?

उत्तर: लोगों की सेवा का सीधा संबंध समर्पण से है। जनसेवा हमें बाऊजी ओपी जिन्दल से विरासत में मिली हैं। इसका किसी भी व्यावसायिक पृष्ठभूमि से कोई लेना-देना नहीं है। अगर आपकी नीयत जन कल्याण की है तो आपकी कोई भी व्यस्तता बाधा नहीं बन सकती। राजनीति मेरे लिए सदैव सेवा का माध्यम रही है और भविष्य में भी मैं समाज के पिछड़े वर्गों और जरूरतमंदों की सेवा के लिए तत्पर रहूंगा। दो बार सांसद के रूप में जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के कारण मुझे काफी अनुभव और दृष्टि मिली है।

प्रश्न: आपका कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय बनाने में क्या योगदान रहेगा।

उत्तर: कुरुक्षेत्र की यह मांग मेरे संज्ञान में आई है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के शिक्षकों का एक प्रतिनिधिमंडल मुझसे मिला भी है। सरकार बनने पर मेरा यह प्रयास रहेगा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिलवाया जाए।

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि श्री नितिन कुमार, फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट नंबर 400, क्षेत्रफल 40 वर्ग गज, खसरा नंबर 681 का हिस्सा, गांव नवादा, दिल्ली कॉलोनी जिसे ओम विहार-I-A, के नाम से जाना जाता है उत्तम नगर, नई दिल्ली, का मालिक है। जो श्री ब्रिजेश कुमार के द्वारा निष्पादित नोटरी GPA, ATS, वसीयत दिनांक 14.09.2011 के माध्यम से है। और इसे श्री राजन कुमार सिंह को बेचा जाना है। और वे एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड के द्वारा वित्तपोषित किया जाएगा। यदि किसी व्यक्ति के पास उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी भी प्रकार का विवाद है, तो कृपया अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर लिखित रुप में वर्तमान से 07 दिनों के भीतर सूचित करें। श्रीमती प्रसून लता, अधिवक्ता
एसजी एसोसिएट्स (लॉ फर्म)
एफएफ18, लोटस पॉन्ड प्लाजा, वैभव खंड, इंदिरापुरम, गाजियाबाद, यूपी
ईमेल:sgassociatespl@gmail.com,फोन:7011172764, 01204440300

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि श्री नवनीत सिंह, आनंद इंडस्ट्रीज स्टेट गांव अर्थला जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित फ्रीहोल्ड आवासीय मकान क्षेत्रफल 100 वर्ग गज यानी 83.61 वर्ग मीटर, प्लॉट नंबर 23/1, खसरा नंबर 403 में से, का मालिक है। जो श्रीमती शकुंतला देवी के द्वारा निष्पादित उपहार विलेख दिनांक 21.07.2023, दस्तावेज सं. 7530 खंड सं. 17904, पुस्तक सं. 1 पृष्ठ सं. 27–52 SRO-III, गाजियाबाद में पंजीकृत के माध्यम से है। और वे एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड के द्वारा वित्तपोषित किया जाएगा। यदि किसी व्यक्ति के पास उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी भी प्रकार का विवाद है, तो कृपया अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर लिखित रुप में वर्तमान से 07 दिनों के भीतर सूचित करें। श्रीमती प्रसून लता, अधिवक्ता
एसजी एसोसिएट्स (लॉ फर्म)
एफएफ18, लोटस पॉन्ड प्लाजा, वैभव खंड, इंदिरापुरम, गाजियाबाद, यूपी
ईमेल:sgassociatespl@gmail.com,फोन:7011172764, 01204440300

PUBLIC NOTICE
It is informed public in general that earlier on dated 08/10/2014, the company (AURALINK ESTATE PVT. LTD.) has passed the resolution to authorize Sh. Raj Kumar S/o Prem Singh to sign Sale deeds (Khata No.00252/Khasra No. 582, Area 0.3610 Hectare, Khata No. 00160/Khasra No. 581/Area 0.3670 Hectare), documents on behalf of company. That Sh. Raj Kumar has allegedly committed fraud against the company. Therefore it is informed to public in general that with immediate effect vide resolution dated 25/04/2024, the company has resolved that, Sh. Raj Kumar is now desist from any authority on and behalf of the company and he shall now with immediate effect restrained from signing any document on behalf of the company. Any dealing with him by any third person shall be upon their personal cost and consequences, Company (AURALINK ESTATE PVT. LTD.) shall not be responsible in any manner whatsoever.
ATUL KUMAR SINGH, ADVOCATE
Office: F-150, Sector-22, Noida-201301 (UP)

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME
I, Gaurav S/o Kaptan Singh R/o Mayur Vihar, Gali-No.13, Near Bye Pass, Gohana-Road, Sonipat, Haryana-131001, have changed my name to Gaurav Kumar Dhochak.
PD(472)A

This may be published in Newspaper and TV from the day following the last date for withdrawal of candidature and two days before the date of poll
Format C-1
Declaration about criminal cases
(As per the judgement dated 25th September, 2018 of Hon'ble Supreme Court in WP (Civil) No 536 of 2011 (Public Interest Foundation & Ors. Vs Union of India & Anr.)
Name and address of candidate: Singh Ram S/o Mam Chand, Vill- Bharampur, Bharangi, Tehsil- Bawal, Distt. Rewari
Name of Political Party: Independent
Name of Election: House of The People
Name of Constituency: Gurgaon-09
I Singhram (name of candidate), a andidate for the above mentioned election, declare for public information the following details about my criminal antecedents:
(A) Pending criminal cases
Sl. No.-1
Name of Court: SDJM
Case No. and Dated: CHI/923/19
Status of Case(s): Evidence
Section(s) of Acts concerned and brief description of offence(s): 323, 294, 506, IPC
(B) Details about cases of conviction for criminal offences: NA
*In case of the election to Council of States or election to Legislative Council by MLAs, mention the election concerned in place of name of constituency.

सांकेतिक कब्जे की सूचना
ICICI Bank
शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, शॉल टॉवर, प्लॉट नंबर– 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली– 110005
जबकि
अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए नीचे वर्णित कर्जदारों को माँग सूचनाएँ निर्गमित की थीं, जिसमें उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि का प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।
कर्जदार/सह–कर्जदार/जमानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे हैं, अतएव एतद् द्वारा कर्जदार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है। एतद् द्वारा विशेष रूप से कर्जदार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्जदार/ सह–कर्जदार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्जे की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	मेसर्स एच.ए. एक्सपोर्ट्स/ मोहम्मद हिला/ मोहम्मद जाहिद/ मोहम्मद जावेद/ मोहम्मद हिलाल पिता मोहम्मद अखलाक/ मोहम्मद जावेद पुत्र मोहम्मद अखलाक/ 411505000518	पता– 1 : संपत्ति बेयरिंग निर्मित दूसरी मंजिल का भाग (छत के अधिकार के बिना) जो झब्बूमल कॉलोनी (अब नई कॉलोनी के रूप में जाना जाता है) में स्थित संपत्ति बेयरिंग प्लॉट नंबर 18 का हिस्सा है, फिल्मिस्तान सिनेमा के पीछे, मॉडल बस्ती, दिल्ली/ पता– 2 : पहली मंजिल के दक्षिणी हिस्से की संपत्ति बेयरिंग (छत के अधिकार के बिना) नगरपालिका संख्या 1/2 या 5803 और 5805 की संपत्ति का हिस्सा, प्लॉट संख्या 56 (दक्षिण) वार्ड संख्या XIV पर निर्मित, नीचे भूमि अधिकार के साथ बस्ती हरफूल सिंह, सदर बाज़ार, दिल्ली–110006/ मई 21, 2024	फ़रवरी 03, 2024 रु. 2,10,33,805.00/-	दिल्ली/ एनसीआर

उपरोक्त दर्शाए गए कर्जदार/सह–कर्जदार एवं ज़मानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जाएगी जो पूर्णतः नियम 8 और 9 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अंतर्गत है।
दिनांक : मई 24, 2024 प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : दिल्ली/ एनसीआर आईसीआईसीआई बैंक लि.

उद्भव परियोजना
सैन्य रणनीति शिक्षण

उद्भव परियोजना भारत की सैनिक रणनीति संबंधी समृद्ध विरासत का सम्मान कर इसे नागरिकों से जोड़ना चाहती है। कहावत है कि 'यदि आप शांति चाहते हैं तो युद्ध के लिए तैयार रहें।' यह भारत में लंबे समय से व्याप्त दर्शन की अभिव्यक्ति है। ऐतिहासिक रूप से भारत ने मजबूत रहने के साथ शांति बनाए रखी है तथा बिना उकसावे के कभी युद्धोन्माद नहीं पैदा किया है। यह दृष्टिकोण प्राचीन भारतीय विवेक से आया है जिसमें किसी संभावित खतरे से निपटने के लिए युद्धकला में प्रगति के महत्व पर जोर दिया गया था। महत्वपूर्ण समझी जाने वाली सैन्य रणनीति में भारत की समृद्ध व प्राचीन विरासत की जड़ें वेदों, पुराणों तथा महाभारत में निहित हैं, लेकिन अक्सर सांस्कृतिक विरासत के इस आयाम की अनदेखी हुई है। सेना की 'उद्भव परियोजना' का उद्देश्य यह ऐतिहासिक संपदा जनता के सामने लाना तथा नागरिकों को रक्षा के क्षेत्र में शामिल कर भारत की रणनीतिक व सैनिक परंपराओं की गहरी समझदारी प्रोत्साहित करना है। सर्वाधिक प्राचीन पवित्र रचनाओं में शामिल वेदों में युद्धकला, रणनीति तथा युद्ध के नैतिक आयामों के प्रारंभिक संदर्भ मिलते हैं। प्राचीन भारतीय साहित्य के ज्ञान भंडार पुराणों में राजनय और युद्धनीति सिद्धान्तों को विस्तार दिया गया है। 'विष्णु पुराण' तथा 'अग्नि पुराण' में सैनिक संगठन की गहन जानकारी देते हुए सैनिकों की भूमिका व दायित्वों तथा संसाधनों के रणनीतिक प्रयोग पर जोर दिया गया है। विश्व साहित्य के एक महानतम महाकाव्य 'महाभारत' में सैनिक विवेक का भंडार है। यह न केवल कुरुक्षेत्र में हुए युद्ध का, बल्कि रणनीति, युद्धकला तथा सैनिकों के नैतिक द्वंद्व का वर्णन भी करता है।

अन्य प्राचीन भारतीय रचनाओं में असीम विवेक समाहित है जिसे आधुनिक

रक्षा रणनीतियों, जैसे खुफिया व्यवस्था, मनोवैज्ञानिक युद्ध व नैतिक व्यवहार में प्रयोग किया जा सकता है। पिछले साल शुरू की गई उद्भव परियोजना इन प्राचीन रचनाओं पर गहराई से गौर करती है। इसका उद्देश्य सेना में स्वदेशी विमर्श को प्रोत्साहित कर भारत की प्राचीन रणनीतिक विरासत को समकालीन युद्धकला क्षेत्र में समाहित करना है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि सैन्यबल भविष्य के लिए तैयार रहेंगे। इस पहल का उद्देश्य हमारे नागरिकों को शिक्षित कर किसी संभावित भावी युद्ध के लिए तैयार करना है। इसका उद्देश्य नागरिकों में युद्धकला की समझदारी विकसित करने के साथ ही उनको अनेक अवसरों में शामिल करना है। भारत की बौद्धिक व रणनीतिक उपलब्धियों का वर्णन नागरिकों में राष्ट्रीय गौरव व पहचान की भावना मजबूत करेगा। इससे इतिहास के एकपक्षीय वर्णन से भी मुक्ति मिलेगी। उद्भव परियोजना के अंतर्गत कार्यशालाओं, सेमिनारों तथा आनलाइन पाठ्यक्रमों को शामिल कर नागरिकों को प्राचीन भारतीय सैन्य रचनाओं तथा उनकी आधुनिक प्रासांगिकता की शिक्षा दी जाएगी। विश्वविद्यालयों व शोध संस्थानों के सहयोग से अकादमिक खोज व पहुंच सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही अनेक पुस्तकों, वृत्तचित्रों तथा लेखों के माध्यम से भारतीय सैन्य रणनीति के विभिन्न आयामों को उजागर किया जाएगा। इसे व्यापक बनाने के लिए प्रमुख रचनाओं के अनुवाद व उन पर टिप्पणियों को भी महत्व दिया जाएगा। भारत की दार्शनिक व सांस्कृतिक विरासत में शामिल अवधारणात्मक ढांचों तथा रणनीतिक शब्दावली को प्रस्तुत करने वाली 'उद्भव परियोजना' प्रशंसनीय है। यह पहल समृद्ध सैनिक विरासत समझने की पहल है जिसने भारत की रणनीतिक संस्कृति विकसित की है तथा वर्तमान व भावी रक्षा रणनीतियों के लिए अमूल्य सबक देती है।

लोकसभा चुनाव का निर्णायक चरण

उत्तर प्रदेश लोकसभा चुनाव में महत्वपूर्ण है। यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट व प्रभावी नेतृत्व भाजपा को अपना गढ़ बचाने में उल्लेखनीय भूमिका अदा करेगा।

सिद्धार्थ मिश्रा
(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

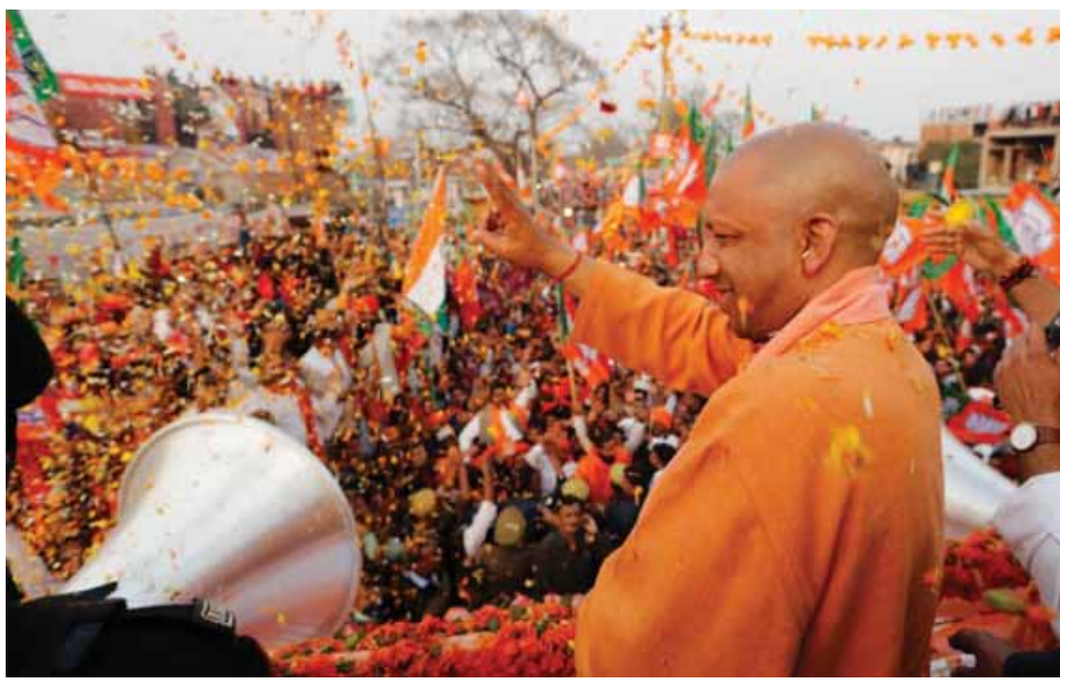

सात चरणों में मतदान वाले लोकसभा के अंतिम चरण महत्वपूर्ण हैं। उत्तर प्रदेश का लोकसभा चुनाव में महत्वपूर्ण स्थान है। यहां योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट व प्रभावी नेतृत्व भाजपा को अपना गढ़ बचाने में उल्लेखनीय भूमिका अदा करेगा। अभी दस दिन और बाकी हैं जिसके बाद दो महीने लंबी चुनाव प्रक्रिया समाप्त हो जाएगी। लोकसभा चुनाव को इसलिए याद रखा जाएगा कि जहां सत्तारूढ़ पार्टी का नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं, वहीं कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी भयानक गरमी और धूल का सामना करते हुए अपने कार्यकर्ताओं को ऊर्जान्वित कर रहे हैं। भारत में इस समय गरमी का प्रकोप अपने चरम पर है ऐसे में चुनाव प्रचार आसान नहीं है। राष्ट्रीय मीडिया में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह तथा भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा का प्रचार अभियान सुर्खियों में है जो लगभग समान ऊर्जा के साथ मैदान में डटे हैं। विपक्ष की ओर से कांग्रेस अध्यक्ष वयोवृद्ध मल्लिार्जुन खड़गे ने यह सुनिश्चित किया है कि चुनाव अभियान का बोझ अकेले 'गांधी परिवार' के कंधों पर न पड़े। लोकसभा चुनाव भी एक युद्ध की तरह है जिसमें कठोर संघर्ष के बाद यह तय होता है कि कौन जीता और कौन पराजित हुआ। अतीत पर गौर करें तो द्वितीय विश्वयुद्ध में बर्लिन की लड़ाई सर्वाधिक महत्वपूर्ण सिद्ध हुई थी। उस समय सोवियत सैनिकों का वह चित्र सुर्खियों में छाया था जिसमें वे बर्लिन के राइखस्टाग पर सोवियत संघ का झंडा फहरा रहे थे। मई, 1945 में बर्लिन में हुई इस घटना ने निर्णायक रूप से एडोल्फ हिटलर के नेतृत्व वाली जर्मनी की पराजय की घोषणा कर दी थी।

इसी प्रकार 2024 के लोकसभा चुनाव को हमेशा इसलिए याद किया जाएगा कि 80 सीटों वाले उत्तर प्रदेश में किस पक्ष की विजय हुई। वर्तमान समय में लोकसभा में 80 सांसद भेजने वाला उत्तर प्रदेश भाजपा का गढ़ है। उत्तर प्रदेश का हिंदी हृदय प्रदेश में महत्वपूर्ण स्थान है जिसमें बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और हरियाणा शामिल हैं। लेकन मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और हरियाणा के उलट उत्तर प्रदेश में भाजपा का कांग्रेस से सीधा मुकाबला नहीं है। उत्तर प्रदेश में मजबूत क्षेत्रीय पार्टी-समाजवादी पार्टी-सपा से भाजपा का मुख्य मुकाबला है जहां कांग्रेस ने उसके साथ चुनाव समझौता किया है। सपा विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन में शामिल है। उत्तर प्रदेश की तुलना बिहार से भी नहीं की जा सकती है जहां भाजपा मजबूत क्षेत्रीय दल राष्ट्रीय जनता दल-राजद से मुकाबला कर रही है। हालांकि, यहां भाजपा के साथ एक और मजबूत क्षेत्रीय दल-जनता दल युनाईटेड-जदयू का गठबंधन है।

इस प्रकार उत्तर प्रदेश में भाजपा पूरी तरह अपने दम पर चुनाव लड़ रही है, भले ही उसके एक-दो छोटे सहयोगी दल हैं। उत्तर प्रदेश में भाजपा अपने कार्यकर्ताओं और नेताओं के बल पर चुनाव लड़ रही है। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। भाजपा ने 2017 में प्रदेश में पूर्ण बहुमत की सरकार बना कर योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री बनाया था। योगी के नेतृत्व में भाजपा 2022 में पुन: प्रबल बहुमत से विधानसभा चुनाव में विजय पाने में सफल हुई थी। योगी आदित्यनाथ 2022 से ही भाजपा का संगठन मजबूत कर उसे चुनाव के लिए तैयार करने में लगे हुए हैं।

योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनवा कर भाजपा का एक वादा पूरा किया। इस वर्ष जनवरी में अयोध्या मंदिर में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन देश में भाजपा की एक सबसे बड़ी उपलब्धि रहा है। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने न केवल अयोध्या में मंदिर परिसर, बल्कि पूरे अयोध्या शहर तथा उसके आसपास के क्षेत्रों में विकास का व्यापक रोडमैप तैयार कर उसे लागू किया। मुख्यमंत्री और उनकी सरकार ने पूरी प्रतिबद्धता के साथ सुनिश्चित किया कि निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा हो।

योगी आदित्यनाथ ने पूरे दो महीने तक भाजपा कार्यकर्ताओं को ऊर्जान्वित रखते हुए यह सुनिश्चित किया कि वे लगातार काम करते हुए विरोधियों पर वरीयता प्राप्त करने तथा उनके प्रति निर्णायक आक्रमण करने में सफल हों। उन्होंने 27 मार्च को 'प्रबुद्ध जन सम्मेलन' के आयोजन के साथ ही चुनाव अभियान शुरू कर दिया था और वे इसे मई के अंत में चुनाव प्रचार अभियान जारी रखने तक बनाए रखेंगे। इस प्रकार उत्तर प्रदेश में चुनाव प्रचार अभियान के मामले में भाजपा अपने विरोधियों से बहुत आगे है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार प्रधानमंत्री के प्रचार अभियान में कभी-कभी थोड़ी ढिलाई दिखी। उनके अनुसार मोदी सरकार ने पिछले दस साल की उपलब्धियों को एक अत्यधिक ध्रुवीकरण वाले एजेंडे की तुलना में शायद पृष्ठभूमि में डाल दिया था जिससे कुछ समर्थकों को भी थोड़ी चिन्ता हुई। उनको लगता था कि प्रधानमंत्री के लक्ष्य वाक्य-'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' को शायद समुचित महत्व नहीं मिल रहा है। इस लक्ष्य वाक्य या नारे का अर्थ देश की आर्थिक प्रगति तथा सामाजिक एकजुटता के प्रति समावेशी दृष्टिकोण अपनाना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पिछले दस साल के शासनकाल में 'मेक इन इंडिया', 'डिजिटल इंडिया' और 'स्वच्छ भारत अभियान' जैसी अनोखी पहलें कीं। इनके माध्यम से उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था को आधुनिक बनाने तथा ढांचागत संरचना को विश्वस्तरीय बनाने की प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। लेकिन संभवत: इन पहलों को उनके चुनावी भाषणों में तुलनात्मक रूप से वरीयता नहीं मिली। इससे विपक्ष को सरकार पर हमले का थोड़ा बहुत मौका मिल गया। दूसरी ओर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले सात सालों में अपने दृष्टिकोण में मजबूत कानून व्यवस्था के साथ ही सांस्कृतिक राष्ट्रवाद या 'हिंदुत्व' पर बहुत जोर दिया है। वे अपना चुनाव प्रचार अभियान लगातार इसी रास्ते पर चला रहे हैं। उत्तर प्रदेश में उनके नेतृत्व की पहचान सांस्कृतिक विरासतों की पहचान बहाल करने तथा अल्पसंख्यक तुष्टीकरण समाप्त करने से बनी है। योगी आदित्यनाथ के इस दृष्टिकोण का प्रमाण अयोध्या में अत्यन्त व्यापक स्तर पर दीपावली के भव्य आयोजन तथा ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण हिंदू स्थलों का पुराने नाम छोड़ कर पुन: नामकरण रहा है। हालांकि, उत्तर प्रदेश का आर्थिक व ढांचागत विकास किसी से छिपा नहीं है। उनके शासनकाल से पहले जहां प्रदेश को विभिन्न विकास मानकों के आधार पर देश के सबसे गरीब 'बीमारू' राज्यों में रखा जाता था, वहीं पिछले सात साल में यह देश में अनेक मानकों में पहले स्थान पर पहुंच गया है। इससे योगी आदित्यनाथ की छवि हिंदुत्व के प्रबल नेता के साथ ही विकास पुरुष वाली भी बनी है। इसका कारण प्रदेश की मजबूत कानून व्यवस्था है जिसके कारण वह पिछले वर्षों में भारी मात्रा में देशी-विदेशी निवेश आकर्षित करने में सफल रहा है।

योगी प्रशासन का प्रमुख आधार कानूनों का कठोर क्रियान्वयन, सुरक्षा की स्थिति में सुधार तथा अपराध घटाने पर रहा है। प्रदेश की सारी जनता योगी सरकार की इन उपलब्धियों को स्वीकार करती है और इनमें अनेकानेक गैर-हिंदू भी शामिल हैं। योगी आदित्यनाथ के प्रतिबद्ध अपराध-विरोधी अभियानों के कारण उनके प्रशंसकों की संख्या पिछले सालों में बहुत बढ़ी है और यह उनके परंपरागत हिंदुत्व प्रशंसकों से आगे जाती है। उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नेतृत्व भाजपा की राष्ट्रीय राजधानी तक सुरक्षित यात्रा संभव बनाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विशिष्ट व्यक्तित्व के धनी राजनेता हैं।

भले ही उनके तरीके अलग-अलग रहे हों, पर मोदी और योगी ने भारतीय राजनीति और प्रशासन पर काफी व्यापक प्रभाव डाला है। 4 जून को जब भारतीय जनता पार्टी-भाजपा अपनी विजय पताका फहराएगी तो इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का योगदान महत्वपूर्ण होगा।

कृत्रिम बुद्धि के प्रभावों को लेकर उठते सवाल

चैतन्य के प्रसाद
(लेखक, पूर्व सिविल सेवक हैं)

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने आधुनिक जगत में विभिन्न प्रकार की जटिल दुविधाओं को जन्म दिया है, डेटा-संचालित अंतर्दृष्टि को मानवीय सरलता के साथ संतुलित किया है और विभिन्न क्षेत्रों को काफी गहराई से प्रभावित किया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते हुए प्रभाव आज हम जिस सीमाहीन दुनिया में रह रहे हैं, उसमें बदलाव, नवाचार और व्यवधान के लिए एक प्रेरक कारक बन गए हैं।

एआई उपकरण, प्रक्रियाएं और इसकी विशाल वास्तुकला को गेम चेंजर के रूप में बिल किया गया है, जो नीति निर्माताओं, सरकारों, बहुपक्षीय निकायों, एजेंसियों और संस्थानों सहित हितधारकों की एक विस्तृत श्रृंखला को प्रभावित करता है, जो आगे की राह बनाने के लिए जिम्मेदार हैं। आज बहस इस बात पर मंडरा रही है कि क्या एआई एक विघटनकारी या एक परिवर्तनकारी उत्प्रेरक बन गया है जो एक नए सामान्य की ओर ले जाता है, जो अप्रत्याशित, तकनीक-संचालित और आवश्यक मानवीय कनेक्शन से रहित है। इसने नए सामान्य को बाधित कर दिया है और संचार जुड़ाव मैट्रिक्स को ऐसे क्षेत्र में ले गया है जो कभी-कभी चुनौतीपूर्ण, अप्रत्याशित, सहज और तत्काल होता है। दिए गए संदर्भ में, यह समझना महत्वपूर्ण है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने वास्तव में दुविधा की परतें बनाई हैं, विचारों, सामग्री, डेटा विश्लेषण और मानव मन और डेटा-संचालित मानसिकता के बीच संघर्ष से संबंधित रस्साकशी।

हम शायद ऐसी स्थिति में हैं जहां हम मशीनों, उनके सीखने के साधनों और पूर्वानुमान पर अत्यधिक निर्भर हैं, जिसके कारण एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बन रहा है जो प्रौद्योगिकी के प्रति जागरूक है, हितधारकों का व्यवहार डेटा मेट्रिक्स और संबंधित मॉडलों द्वारा संचालित होता है और पूर्वानुमान की शक्ति से प्रभावित होता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रभाव कई क्षेत्रों में गहरा रहा है, क्योंकि अज्ञात की खोज बड़ी हो गई है। रीइनवेंटिन 2024 द्वारा प्रकाशित भारत के मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र पर एक रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस 2027 तक भारतीय एमई क्षेत्र को 450 बिलियन रुपये का बढ़ावा दे सकता है। रिपोर्ट में और विशेष रूप से जन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी उल्लेख किया गया है।

यह इसे ऐसे उपकरण देता है जिसका इस क्षेत्र ने हमेशा सपना देखा है और इसके परिणामस्वरूप 10 प्रतिशत राजस्व वृद्धि और 15 प्रतिशत लागत दक्षता हो सकती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग अब अभियानों की प्रभावशीलता को मापने, मुद्दों को संबोधित करने के लिए अनुकूलित समाधानों की वृद्धि, डेटा-संचालित कथाओं और हितधारक जुड़ाव के लिए डेटा का विश्लेषण करने और क्लाइंट-एजेंसी संबंधों के संदर्भ में समीकरणों को बदलने के लिए किया जाता है।

भविष्य में तकनीकी उपकरणों और अज्ञात के डर के साथ मानवीय क्षमता को संतुलित करने की आवश्यकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की सफलता के लिए इसके प्रदर्शन संकेतक खुले, पारदर्शी और समावेशी होने चाहिए। इसके औजारों को एकता और विश्व एक परिवार है, की भावना को प्रतिबिंबित करने के लिए फिर से तैयार किया जाता है और सामाजिक और आर्थिक प्रभाव का अध्ययन और विश्लेषण किया जाता है।

जहां तक आउटरीच का सवाल है, जरूरत है कि एआई की परिचालन दक्षता और मानव की रचनात्मक क्षमता को रेखांकित करने वाली प्रौद्योगिकी के बीच संतुलन बनाया जाए। आउटरीच के लिए एक उपकरण के रूप में एआई डेटा-केंद्रित ऑडियंस अंतर्दृष्टि के साथ आउटरीच को पूरक बनाता है जो चिकित्सकों को ऑडियंस की प्राथमिकताओं और व्यवहारों का एहसास कराता है जिससे केंद्रित और लक्षित संचार रणनीतियों का निर्माण होता है।

माध्यम के डेटा प्रोसेसिंग से हितधारक जनसांख्यिकी, गतिशीलता, रणनीति प्रोटोकॉल और ऑडियंस व्यवहार की बेहतर और अधिक व्यापक समझ भी बनती है।

दोनों वर्टिकल के निर्बाध संचालन को सुनिश्चित करने के लिए संचार मैट्रिक्स को व्यापक विषयों के साथ एकीकृत करने की तत्काल आवश्यकता है। भविष्यवादी होने के कारण एआई एआई आर्किटेक्चर की सकारात्मक धारणा बनाने के साधनों का आदेश देता है। चर्चा किए जाने वाले कुछ विषय हैं संचार नेटवर्क में एआई और मशीन लर्निंग, एआई-संचालित संचार नेटवर्क- हरित डिजिटल भविष्य को आकार देना और स्वास्थ्य, पर्यावरण और शिक्षा जैसे अन्य क्षेत्रों को शामिल करना। ऐसी सभी चर्चाओं में, विषय को संप्रेषित करने की प्रक्रिया नीति निर्माताओं और चिकित्सकों दोनों के लिए महत्वपूर्ण होगी। यह भी महत्वपूर्ण है कि परिवर्तन के युग में, प्रौद्योगिकी की निरंतरता को खुली और लोकतांत्रिक पहुंच के साथ बुना जाए।

ओपन सोर्सिंग के सिद्धांत के माध्यम से सकारात्मक परिवर्तन के लाभ आवश्यक रूप से सभी के लिए फायदेमंद होने चाहिए जिनमें उपकरण, प्रक्रियाएं, अवसर और सामुदायिक भागीदारी शामिल है। ऐसी मानक संचालन प्रक्रियाएं और प्रक्रियाएं होनी चाहिए जो एल्गोरिदम के मानकीकरण को सुनिश्चित करें, मानव व्यवहार की कमजोरियों को दूर करें और मशीन और मानव मन को एकीकृत करें।

तकनीकी उन्नति तभी संभव है जब अमीर और गरीब के बीच की खाई को पाटा जाए। नीति निर्माण और सूचना प्रसार के लिए एक उपकरण के रूप में एआई अनुकूलनशीलता, सामंजस्य, समावेशिता, पहुंच और जटिल और विविध सामाजिक पारिस्थितिकी तंत्र की उचित समझ की मजबूत नींव पर आधारित होना चाहिए, जिसके हम प्रमुख घटक हैं।

जैसे-जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रभाव विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ता है, विकास को मानवीय क्षमताओं और आउटरीच की विशेषता वाले अपूरणीय मानवीय गुण के साथ तालमेल बिठाना पड़ता है। एक स्थायी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए, कृत्रिम बुद्धिमत्ता को आउटरीच संचार के पांच मंत्रों का पालन करने की आवश्यकता है: ग्रहणशील, उत्तरदायी, जिम्मेदार और पारस्परिक होना और एक पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकताओं और आवश्यकताओं के साथ सामंजस्य स्थापित करना जो समानता, समान भागीदारी, पारस्परिक मान्यता और सहयोग में विश्वास करता है।

संचार की सफलता धारणा, उपकरण और विश्वास के बीच संतुलन पर निर्भर करती है, यानी विभिन्न प्लेटफार्मों और क्षेत्रों में स्थित है। इस प्रकृति का एक मॉडल निश्चित रूप से एआई और संचार परिदृश्य के बीच एक परिपूर्ण सिम्फनी सुनिश्चित करेगा जो एक प्रभावी और स्थायी संचार प्रक्रिया को सामने लाएगा।

आप की बात

मोबाइल का अति प्रयोग

जयपुर में माँ के मना करने पर भी मोबाईल पर 22 वर्षीय बेटी द्वारा अधिक समय तक बात करने पर गुस्से में माँ ने लोहे की रॉड सिर पर मार दी जिससे उसकी मौत हो गई। बेटी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करती थी, लेकिन वो कुछ ज्यादा ही मोबाईल पर बात करने में तल्लीन रहती थी। इस वजह से उसे छुपा दिया गया था जो दो महीने बाद फिर दे दिया किन्तु उसने अति बात करना नहीं छोड़ा जिससे हादसा हो गया। हालांकि मोबाईल आज की जरुरत हो गया है, किन्तु उसका दुरुपयोग भी तेजी बढ़ता जा रहा है। बड़ों की बात तो छोड़िये, छोटे-छोटे बच्चे तक आजकल मोबाईल के दीवाने बन गए हैं। नए-नए गेम्स की लत ने बच्चों को और ज्यादा व्यस्त कर दिया है। बच्चों पर तो नियंत्रण माता-पिता रख सकते हैं, किन्तु समझदार को कैसे समझाया जाए जो वाहन चलाते समय बात करने में इतने मशगूल रहते हैं कि हमेशा दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। इसके कारण वे खुद तो परेशानी मोल लेते ही हैं दूसरों को बेवजह भारी दिक्कत में भी उलझा देते हैं। सेल्फी लेने वाले तो जैसे अपने आपको खतरों के खिलाड़ी से कम नहीं समझते। इनमें से अनेक अपनी जान से हाथ धो बैठते हैं। वर्तमान समय में मोबाइल जरूरी हो गया है, पर इसके दुरुपयोग व अति प्रयोग से बचना भी बहुत जरूरी है।

-शकुंतला महेश नेनावा, इंदौर

प्रशांत की भविष्यवाणी

इन दिनों विपक्षी दल पूरे देश भर में यह भ्रम फैला रहा है कि भाजपा इस बार 250 से भी कम सीटों पर रहेगी एवं मोदी सरकार का यह आखिरी कार्यकाल है तब ऐसे में पॉलीटिकल थिंकर प्रशांत किशोर का कहना है कि भाजपा को इस बार लोकसभा चुनाव में 300 सीट मिलने की पूरी पूरी संभावनाएं हैं। उनका कहना है कि देशभर में प्रधानमंत्री मोदी के प्रति कोई व्यापक गुस्सा नहीं है पर इन्होंने 400 पार नारे की कोई भी वकालत नहीं की है। उनका अनुमान है कि वर्तमान में पूर्व एवं दक्षिण में भाजपा के पास लोकसभा में 50 सीट हैं इसलिए पूर्व एवं दक्षिण में भाजपा की हिस्सेदारी 15-20 सीटों पर बढ़ने की उम्मीद है, जबकि उत्तर दक्षिण में इसे कोई खासा नुकसान भी नहीं हो रहा है। अत: अबकी बार 400 पार का नारा चाहे सक्सेस ना हो पर फिर एक बार मोदी सरकार नारा तो अवश्य ही सफल होने जा रहा है। प्रशांत किशोर की यह भविष्यवाणी उन विपक्षी नेताओं के लिए कड़ा सबक है जो अतार्किक रूप से मोदी की विदाई की घोषणायें पूरी बेशर्मी के साथ कर रहे हैं। प्रशांत किशोर की भविष्यवाणियां अतीत में सटीक सिद्ध हुई हैं और एक्ज़िट पोल आने के पहले उस पर विश्वास किया जा सकता है।

- एमएम राजावत, शाजापुर

वंशवाद का प्रकोप

गांधी-नेहरू परिवार ने देश की राजनीति में वंशवाद की नींव रखी जिसे देश के अन्य राष्ट्रीय व क्षेत्रीय दलों ने भी आत्मसात किया। जब भी भाजपा राजनीति में वंशवाद पर आघात करती है तो वंशवादी दलों के कुतर्क सामने आते हैं। वे कहते हैं कि एनडीए के दलों में भी अनेक सांसदों के पुत्र, पुत्री या पत्नी सांसद, विधायक या अन्य राजनीतिक पदों पर हैं तो फिर कांग्रेस पर ही निशाना क्यों? भाजपा से पूर्व जनसंघ और भाजपा के जन्म से लेकर आज तक के जितने भी राष्ट्रीय अध्यक्ष हुए हैं वे सभी एक परिवार तो दूर की बात है, एक जाति या एक क्षेत्र के भी नहीं हुए। भाजपा सरकार के दो शासन कालों में दो प्रधानमंत्री हुए उनके परिवार से एक भी व्यक्ति राजनीति के उच्च पद पर तो क्या उनके परिवार के किसी सदस्य का नाम तक भी देश नहीं जानता। कुछ महीने पहले उत्तराखण्ड में दो महिलाओं का एक चित्र सोशल मीडिया में प्रचारित हुआ जिसमें देश के प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की बहनें मिलती दिख रही हैं। इसे किसी भी संचार माध्यम में स्थान नहीं मिला, जबकि यही घटना यदि गांधी परिवार के किसी भी सदस्य के साथ घटी होती तो इसे व्यापक प्रचार मिलता। यह भाजपा और बाकी के बीच का अंतर है।

-नरेन्द्र टोंक, मेरठ

दुनिया की राजनीति

रूस-चीन संबंधों की 75वीं वर्षगांठ पर पेइचिंग पहुंचकर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन ने वर्तमान को इतिहास की ओर मोड़ने की एक कोशिश की। चीन, रुस और अमेरिका कितनी ही विश्व के प्रति चिंता जाहिर करें, यह महाशक्तियां शुद्ध रूप से सिर्फअपना हित साधने में लगी रहती हैं । उनके आपसी सहयोग भी विशुद्ध रूप से व्यावसायिक होकर अपना भला देखते हैं। ऐसी मानसिकता के चलते यदि चीन को हथियार बेचने से भरपूर फायदा मिल रहा है और उसके अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के हित भी सध रहे हैं तो वह रूस को हथियार क्यों नहीं बचेगा? अमेरिका कौन सा दूध का धुला हुआ है क्योंकि वह भी तो यूक्रेन और इज़राइल को हथियारों की भरपूर सप्लाई कर रहा है। इन बड़े देशों की अधिनायकवादी मंशा के चलते पूरा विश्व कई तरह के संकटों से जूझ रहा है। तीसरे विश्वयुद्ध और विश्वव्यापी भुखमरी की समस्याएं पैदा होने जा रही है। मगर यह लोग युद्धरत देशों को अपने प्रभाव से युद्ध बंद करनें के प्रयासों के बजाय युद्ध करने के लिए उकसा रहे हैं। ऐसे में इन देशों से शांति की अपेक्षा व्यर्थ है।

-सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

छठवें चरण के 14 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों लिए आज रवाना होंगी पोलिंग पार्टियां

सभी मतदान केन्द्रों व मतदेय स्थलों पर मतदाताओं और मतदान कर्मियों के लिए उपलब्ध रहेंगी जरूरी सुविधाएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के छठवें चरण की 14 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों तथा 292-गैंसड़ी विधानसभा उप निर्वाचन हेतु 25 मई, 2024 को होने वाले मतदान को सकुशल, निष्पक्ष व शान्तिपूर्ण ढ़ंग से सम्पन्न कराने के लिए 24 मई, 2024 (शुक्रवार) को मतदेय स्थलों (पोलिंग बूथों) के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना होंगी। इसके लिए छठवें चरण के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को समय से पोलिंग पार्टियों को रवाना करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि छठवें चरण में प्रदेश के 14 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, फूलपुर, इलाहाबाद, अम्बेडकरनगर, श्रावस्ती, डुमरियागंज, बस्ती, सन्त कबीर नगर, लालगंज(अ.जा.), आजमगढ़, जौनपुर, मछलीशहर(अ.जा.), भदोही तथा विधानसभा उप निर्वाचन क्षेत्र गैंसड़ी की सीट प्रदेश के 15 जनपद सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, प्रयागराज, अम्बेडकरनगर, अयोध्या, बलरामपुर, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर, बस्ती, सन्तकबीरनगर, गोरखपुर, आजमगढ़, जौनपुर, वाराणसी तथा भदोही में आते है। उन्होंने बताया कि छठवें चरण के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों से सम्बन्धित सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतदान केन्द्रों एवं मतदेय स्थलों (पोलिंग बूथ) पर मतदाताओं एवं मतदान कर्मियों के लिए जरूरी सुविधाएं मुहैय्या कराने के निर्देश दिये गये है। पोलिंग पार्टियों के रवाना होने से पहले सभी मतदान कर्मियों को हीट स्ट्रोक से बचने और स्वास्थ्य के दृष्टिगत मेडिकल किट उपलब्ध करायी जायेगी, जिससे आवश्यकता पड़ने पर उपयोग की जा सके।

बूथ पर एल्फाबेटिक लोकेटर मतदाता सूची के साथ बीएलओ की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि प्रत्येक पोलिंग स्टेशन पर बने वोटर असिस्टेंस बूथ पर एल्फाबेटिक लोकेटर मतदाता सूची के साथ बीएलओ की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। बीएलओ स्वयं ही ड्यूटी पर तैनात रहें, उसके स्थान पर उनके पुत्र,पति, रिश्तेदार ड्यूटी पर न रहें। मतदान केन्द्र में वोटर असिस्टेंस बूथ दृष्टव्य स्थान पर बनाया जाए और इसके साथ ही प्रवेश द्वार पर प्रत्येक पोलिंग बूथ की जानकारी, पानी की सुविधा, शौचालय आदि के संबंध में उचित साइनेज लगाया जाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूचना पर्ची का शत-प्रतिशत वितरण कराते हुए मतदाताओं के नाम व मोबाइल नंबर आदि का विवरण भी लिया जाये। मतदाता सूचना पर्ची किन्हीं कारणों से प्राप्त न होने की दशा में मतदाता मतदेय स्थल पर उपलब्ध मतदाता सूची में अपना नाम चेक कर सकते हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि पोलिंग पार्टियों तथा सेक्टर मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया जाए कि मतदान के दिन मतदाता सूचना पर्ची के स्थान पर राजनैतिक दलों द्वारा जारी की पर्ची लाने पर भी मतदाता को मतदान करने दिया जाये। इसके साथ ही मतदान के दिन मतदाता द्वारा उपलब्ध कराये गये पहचान संबंधी दस्तावेज़ और मतदाता सूची में उपलब्ध विवरण से मामूली भिन्नता की स्थिति में उसे मतदान से वंचित न किया जाए। मतदान के दिन निर्वाचन ड्यूटी में लगे सभी कार्मिक एवं सुरक्षा बल मतदाताओं का सहयोग तथा विनम्र व्यवहार करें। यदि कोई व्यक्ति मतदान हेतु अपने वाहन से परिवार के साथ पोलिंग बूथ पर जा रहा हो, तो उसे निर्धारित स्थान तक जाने दिया जाये, पुलिस द्वारा उसे रोका न जाए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मतदान के दिन मतदान कार्मिकों को सचेत किया कि वे निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान आयोग के निर्देशां का कड़ाई से पालन करें, किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधियों से बचें। शिकायत पर बीएलओ या पोलिंग एजेन्ट को मतदान स्थल से हटाने या न हटाने का निर्णय केवल सेक्टर मजिस्ट्रेट, जोनल मजिस्ट्रेट, आरओ, एआरओ द्वारा ही लिया जाए।

राशन मोदी भेजते और पटनायक सरकार चस्पा कर लेती है अपना नामः आदित्यनाथ

योगी ने केंद्रपाड़ा लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी बैजयंत जय पांडा को जिताने की अपील की

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ केंद्रपाड़ा (ओडिशा)

सीएम योगी आदित्यनाथ गुरुवार को ओडिशा की नवीन पटनायक सरकार पर बरसे। उन्होंने बीजद सरकार पर आरोप लगाया। बोले कि भारत 80 करोड़ लोगों को राशन दे रहा है। मोदी जी राशन भेजते हैं और नवीन पटनायक के नौकरशाह उस पर अपना नाम चस्पा करते हैं। पैसा दिल्ली से आता है, लेकिन यहां की सरकार गुमराह करती है। आयुष्मान भारत की सुविधा नवीन पटनायक सरकार ने शुरू नहीं होने दी, क्योंकि मोदी ने डीबीटी के माध्यम से गरीबों के खाते में सीधे पैसा देना शुरू किया है और इन्हें लगता है कि इसे लागू करने से कमीशनराशि बंद हो जाएगी। इस आयु में भी नवीन पटनायक ओडिशा की अस्मिता से खिलवाड़ कर रहे हैं। लैंड-सैंड, कोल, माइनिंग माफिया को प्रश्रय देकर ओडिशा के युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है और संसाधनों को लुटाया जा रहा है।

सीएम योगी ने ओडिशा में दूसरी रैली केंद्रपाड़ा लोकसभा सीट पर की और यहां से भाजपा प्रत्याशी बैजयंत जय पांडा को संसद में भेजने का आह्वान किया। योगी आदित्यनथ ने केंद्रपाड़ा विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी गीतांजलि सेठी, महांगा से सुमंत कुमार घड़ेई, सलीपुर से अरिंदम रॉय, राजनगर से ललित बेहरा, ओल से कृष्ण चंद्र पांडा, महाकालपद से दुर्गा प्रसन्न नायक, पटकुरा से तेजेश्वर परीदा को कमल के फूल पर जिताने की अपील की।

योगी ने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में यदि प्रशासनिक तंत्र शासन को चलाने लगता है कि अव्यवस्था, भ्रष्टाचार, तानाशाही बढ़ती है। गरीबों का शोषण होता है और माफियाराज पनपता है। 20-25 वर्षों में प्रशासनिक तंत्र ने सरकार को घेरे में लेकर ओड़िसा के लोगों को विकास की पटरी से 50 साल पीछे भेज दिया है। जनता के पास अवसर है, जैसे डबल इंजन सरकार उत्तर प्रदेश में कार्य कर रही है, वैसे ही वैसे ही ओडिशा में लाने के लिए भाजपा के सुयोग्य लोगों को जिताकर विधानसभा व लोकसभा में भेजें। सीएम ने कहा कि दस वर्ष में हमने बदलते भारत को देखा है। मोदी जी के नेतृत्व में इंफ्रास्ट्रक्चर के अनेक कार्य हुए। रेलवे का अत्याधुनिकरण हो रहा है। देश की आजादी से 2014 तक जितने एयरपोर्ट भारत में बने थे, दस वर्ष में उससे अधिक एयरपोर्ट मोदी जी के नेतृत्व बने हैं। अब पटाखा फूटने पर पाकिस्तान सफाई देता है कि मेरा हाथ नहीं है। नया भारत छेड़ने वाले को छोड़ता नहीं है।

सीएम ने कहा कि यहां जो पावर जनरेट होती है, वह ओडिशा को महंगे, लेकिन दूसरे राज्यों को सस्ते दाम पर दी जाती है, क्योंकि नौकरशाही के चक्कर में पड़े नवीन बाबू को यह लोग उन्हें गुमराह करते हैं। यहां के लोगों ने इतना लंबा समय नवीन पटनायक को दिया है, फिर भी ओडिशा विकास नहीं कर पाया। 2017 से पहले यूपी भी माफिया के शिकंजे में था, कहीं लैंड-सैंड, माइलिंग माफिया थे। आज यूपी में सभी माफिया को उल्टा लटका दिया है। उसकी संपत्ति को सरकार के कब्जे में लेकर गरीबों के आवास बना दिया। योगी ने कहा कि यूपी रेवेन्यू सरप्लस स्टेट है। वहां की आबादी 25 करोड़ है, फिर भी खुशहाल जीवन जी रही है। देश में सर्वाधिक निवेश भी यूपी में आ रहा है। ओडिशा सौभाग्यशाली है कि उनके पास बैजयंत पांडा जैसे नेता हैं। वे उत्तर प्रदेश के लोकसभा चुनाव प्रभारी के रूप में काम कर रहे थे, चुनाव प्रक्रिया शुरू ही हुई थी कि भाजपा के नेतृत्व ने कहा कि आपकी आवश्यकता ओडिशा में है। केंद्रपाड़ा की जनता इंतजार कर रही है, आप वहां जाकर विकास का बेहतरीन मॉडल वहां उपलब्ध कराएं। बैजयंत पांडा ओडिशा के स्वाभिमान और सम्मान के प्रतीक हैं और सरकार की अराजकता के खिलाफ लड़ते हैं। वहीं दूसरी तरफ नवीन बाबू ओडिशा की अस्मिता से खिलवाड़ करते हैं। वे ओडिशा का विकास नहीं चाहते, इनकी वजह से राज्य पिछड़ रहा है। यह लोग यहां घुसपैठ कराएंगे। इनकी वजह से बांग्लादेशी घुसपैठिए आएंगे, मतांतरण कराएंगे। इनकी सरकार अराजकता और भाजपा सुरक्षा-विकास को बढ़ाने वाली है। सीएम योगी उड़िया बोल स्थानीय नागरिकों से जुड़े। यहां की रैली में योगी-योगी की खूब गूंज रही। जनसभा स्थल पर बुलडोजर देख उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री काफी गदगद दिखे। केंद्रपाड़ा में उन्होंने कहा कि बुलडोजर यूपी के सुशासन, इंफ्रास्ट्रक्चर व सुरक्षा का प्रतीक है। बहन-बेटियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले माफिया पर बुलडोजर का इस्तेमाल कर हमने उन्हें जहन्नुम में भी पहुंचा दिया है।

काशी की आधी आबादी सांसद के साथ चुनेगी प्रधानमंत्री

महिलाओं की सुरक्षा के साथ आत्मनिर्भर और शक्तिशाली भी बनाया जा रहा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ वाराणसी

काशी के लोकसभा चुनाव-2024 में आधी आबादी अपने सांसद नरेंद्र मोदी के जीत की पूरी कहानी लिखेगी। केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार आधी आबादी को आत्मनिर्भर बना रही है। इसके लिए वे अनेक योजनाएं भी चला रही हैं। सिर्फ उज्ज्वला योजना की ही बात करें तो वाराणसी में लाखों गृहिणियों को जानलेवा धुएं से छुटकारा मिला है। 5.90 लाख से अधिक राशन कार्ड बनाए गए हैं। इसके अलावा लखपति दीदी, ड्रोन दीदी, बिजली सखी, घरौंनी, सीएम- पीएम आवास योजना, इज्ज़त घर, आयुष्मान, मुफ्त राशन, स्वयं सहायता समूह जैसी तमाम योजनाओं से लाखों मातृशक्ति मजबूत हो रही है। लोक सभा चुनाव में आधी आबादी सांसद नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में भी चुनेगी।

डबल इंजन की सरकार ने मातृशक्ति को इतना शक्तिशाली बना दिया है कि वे अपने अच्छे भविष्य के निर्णय के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं है। चुनाव में महिलाओं के हित में काम करने वाली सरकार को चुनने की बात हो या सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ लेना हो, मातृशक्ति कहीं भी चूकने वाली नहीं। जहरीले धुएं से छुटकारा दिलाने वाली उज्ज्वला योजना से काशी में 2,50,953 घरों में चूल्हा जल रहा है। इससे महिलाओं को अच्छा स्वास्थ्य मिल रहा है। उनके समय की भी बचत हो रही है। वाराणसी में राशन कार्ड की संख्या 6,04,424 है। इसमें घर की मुखिया के रूप में सिर्फ़ महिलाओं के नाम से 5,90,666 राशन कार्ड बने हैं। इसका लाभ पूरे परिवार को मिल रहा है। इसके अलावा अन्य कई योजनाओं में महिला लाभार्थियों की संख्या लाखों में है। काशी जनपद में लगभग 14 लाख से अधिक मातृशक्ति मतदाताएं इस चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाएंगी। योगी सरकार की मिशन शक्ति ने महिलाओं को सुरक्षा के साथ आत्मनिर्भर और शक्तिशाली बना दिया है। अब इन महिलाओं को वोट से काशी का सांसद चुनना है, जिससे यह सांसद प्रधानमंत्री के रूप में देश का नेतृत्व करेंगे।

प्रचार की व्यस्तता के बीच योगी ने देवीपाटन शक्तिपीठ में की मां आदिशक्ति की आराधना

शक्तिपीठ में आए श्रद्धालुओं का सीएम ने जाना कुशलक्षेम, बच्चों को दुलारकर गिफ्ट की चॉकलेट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ बलरामपुर

युद्ध स्तरीय चुनाव प्रचार की व्यस्तता के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार सुबह तुलसीपुर स्थित देवीपाटन शक्तिपीठ में मां आदिशक्ति, जगत जननी की विधिवत आराधना कर प्रदेश वासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। देवीपाटन माता का यह मंदिर मां दुर्गा के 51 शक्तिपीठों में शामिल है और इसकी अपार धार्मिक-आध्यात्मिक ख्याति है। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संग एक रैली में मंच साझा करने के साथ कुल छह जनसभाओं को संबोधित किया। कल की आखिरी जनसभा श्रावस्ती संसदीय क्षेत्र में करने के बाद उन्होंने बलरामपुर के तुलसीपुर देवीपाटन धाम में रात्रि प्रवास किया। गुरुवार सुबह उन्होंने देवीपाटन शक्तिपीठ में मां दुर्गा का दर्शन पूजन किया। इस दौरान उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मां की गहन आराधना की और माताराती से लोकमंगल की कामना की। सीएम योगी जब भी बलरामपुर आते हैं, मां के इस दरबार में हाजिरी जरूर लगाते हैं। देवीपाटन शक्तिपीठ में पूजा अर्चना करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर परिसर का भ्रमण किया। इस दौरान शक्तिपीठ में आए श्रद्धालु उन्हें देखकर उत्साहित हो गए और जय श्रीराम का जयकारा लगाने लगे।

पटनायक सरकार के संरक्षण में गुम हो गई भगवान जगन्नाथ पुरी के खजाने की चाबीः योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ न ओडिशा में की चुनावी रैली, संबित पात्रा के लिए की वोट की अपील

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ पुरी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को ओडिशा के चुनावी दौरे पर रहे। उनकी पहली रैली पुरी लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता व लोकसभा प्रत्याशी उम्मीदवार डॉ. संबित पात्रा और चिल्का विधानसभा से उम्मीदवार पृथ्वीराज हरिचंदन के लिए हुई। सीएम ने पुरी के लोगों को अयोध्या दर्शन के लिए आमंत्रित भी किया।

योगी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में सम्मान, सुरक्षा, विकास, गरीब कल्याण और विरासत का संरक्षण है। एक तरफ अयोध्या में 500 वर्ष का इंतजार समाप्त होकर राम मंदिर बन गया है। अयोध्या पुरी में प्रभु राम के समय की चमकती हुई अयोध्या दिखाई देगी। वहां गुलामी के सारे ढांचे हट गए हैं। कोई गुलामी की बात नहीं कर सकता, वहां जयश्रीराम के नारे लगते हैं तो दूसरी तरफ नवीन पटनायक सरकार के संरक्षण में भगवान जगन्नाथ पुरी के मुख्य खजाने की चाबी ही गुम हो गई। यह लोग भगवान के खजाने में डकैती डाल रहे हैं। मां भगवती के श्रीचरणों में प्रार्थना करता हूं कि हमें इतनी ताकत मिले कि डबल इंजन सरकार लाकर ओडिशा के अंदर लैंड माफिया, सैंड माफिया, कैटल माफिया और फॉरेस्ट माफिया पर यूपी जैसा बुलडोजर चला सकें। सीएम योगी ने कहा कि जब सरकार भाजपा की बनती है और नरेंद्र मोदी जैसा नेतृत्व मिलता है तो देश में परिवर्तन आता है। आतंकवाद-नक्सलवाद नियंत्रित हुआ है। यह मोदी का नया भारत है, किसी को छेड़ता नहीं, लेकिन छेड़ने वाले छेड़ता नहीं है। यहां विकास तेजी से हो रहा है। आज टू-लेन, फोरलेन बन रहे हैं। मीटर गेज की नहीं, वंदे भारत, नमो भारत, अमृत भारत के रूप में बुलेट स्पीड से चलने वाली विश्वस्तरीय ट्रेन की सुविधा दी जा रही है। सीएम ने कहा कि देश में 80 करोड़ लोगों को चार वर्ष से फ्री राशन मिल रहा है और अगले पांच वर्ष तक मिलेगा, लेकिन ओडिशा की नवीन पटनायक सरकार फ्री राशन की सुविधा को भी अपने नाम से भुनाने का कार्य करती है। नवीन पटनायक सरकार आयुष्मान भारत की सुविधा लागू नहीं होने देना चाहती है। मोदी सरकार सबका साथ-सबका विकास की भावनाओं के साथ विकास योजनाएं लागू हो रही हैं, लेकिन आज भी देश में ऐसे कुछ लोग हैं, जो रहते-खाते भारत का हैं और गाते पाकिस्तान का हैं। वे पाकिस्तान का राग अलापते हुए भारत के दुश्मनों का महिमा मंडन करते हैं। ऐसे लोगों पर बिफरे योगी ने कहा कि वे भारत पर बोझ न बनें, वे पाकिस्तान ही चले जाएं, जहां 23 करोड़ की आबादी एक किलो आटा, गेहूं के लिए तड़प रही है। योगी ने कहा कि अब तक 12 राज्यों में दौरा किया हूं, हर जगह से यही आवाज आ रही है कि फिर एक बार मोदी सरकार, अबकी बार-400 पार। वे यहां की 21 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं, इसलिए यह नारा सुनते ही बीजू जनता दल के नेताओं को चक्कर आने लगता है। यह लोग केंद्र में सरकार नहीं बना पाएंगे। इन्हें जिताकर कोई फायदा नहीं, इसलिए जनता ही बीजद को जवाब देती है कि जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे। पूरे देश में जश्न है, क्योंकि पांच सदी के बाद प्रभु राम ने अपना जन्मदिन अयोध्या में मनाया और होली भी खेली। नया भारत विरासत और विकास की यात्रा लेकर चल रहा है।

पूर्वांचल में भाजपा का एक भी सांसद नहीं जीतेगाः अखिलेश यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ प्रतापगढ़

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को हर तरफ से समर्थन मिल रहा है। जनता साथ में खड़ी हो गयी है। जनता में भाजपा के खिलाफ भारी आक्रोश है। जनता बदलाव के लिए वोट कर रही है। भाजपा पीडीए परिवार से घबराई हुई है। पूर्वांचल में भाजपा का एक भी सांसद नहीं जीतेगा। इस बार भाजपा का कोई मैनेजमेंट नहीं चलेगा। पूर्वांचल से भाजपा की विदाई होना तय है। चुनाव बाद दिल्ली की सरकार तो बदलेगी ही मंत्रिमंडल भी बदलेगा। इंडिया गठबंधन की सरकार महंगाई कम करेगी। नौजवानों को नौकरी देगी। गरीबों, किसानों के हित में फैसले लिए जाएंगे।

अखिलेश यादव गुरुवार को प्रतापगढ़ में समाजवादी पार्टी-इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी एस.पी. सिंह पटेल, जौनपुर से प्रत्याशी बाबू सिंह कुशवाहा, मछलीशहर से प्रत्याशी प्रिया सरोज के पक्ष म चुनावी जनसभाओं को सम्बोधित कर रहे थे। यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के दस साल में हर बात झूठी निकली। वादा झूठा निकला। जब से समाजवादी और कांग्रेस एक साथ आये हैं, इंडिया गठबंधन बना है भाजपा के दिल्ली और लखनऊ के इंजन टकरा रहे है। माहौल ऐसा बन गया भाजपा प्रदेश की 80 की 80 सीटें हारेगी। प्रधानमंत्री भी वाराणसी से हारेंगे। वह शहजादे की बात करते हैं, इस बार शहजादे जनता के साथ मिलकर भाजपा को मात दे रहे है। देश में बदलाव की हवा चल रही है। जनता भाजपा से हिसाब ले रही है। भाजपा सरकार ने किसानों, नौजवानों, गरीबों सभी के साथ विश्वासघात किया है, धोखा दिया। किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई। इस सरकार ने महंगाई बढ़ा दी। खेती का लागत मूल्य बढ़ गया है। खाद-बीज कीट नाशक सब चीजों के दाम बढ़ गये हैं लेकिन किसानों को उनकी फसलों का सही दाम नहीं मिला। भाजपा सरकार ने नौजवानों को नौकरी, रोजगार नहीं दिया। भाजपा की गलत नीतियों से नौकरियां छिन गयी। भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हो गये। भाजपा सरकार में 10 पेपर लीक हो गये। भाजपा सरकार ने जानबूझ कर पेपर लीक कराये। यह सरकार नौकरी और आरक्षण नहीं देना चाहती है। भाजपा ने नौजवानों का एक तिहाई जीवन बर्बाद कर दिया। इस सरकार ने सेना की नौकरी अग्निवीर योजना बनाकर चार साल की करके आधी-अधूरी कर दी। इंडिया गठबंधन की सरकार में खाली पड़े तीस लाख पदों पर भर्ती तो होगी ही, साथ में अग्निवीर योजना खत्मकर नौजवानों को सेना की पक्की नौकरी दी जाएगी। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने सरकारी संस्थाओं को निजी हाथों में बेच दिया है। हवाई-अड्डे बेच दिए, रेलवे स्टेशन बेच दिये। बंदरगाह बेच दिया। सरकारी विभागों की नौकरियां खत्म कर आउटसोर्स कर दिया। सेना की पक्की नौकरी खत्म कर 4 साल की कर अग्निवीर योजना बना दिया। आधी रात को अचानक नोटबंदी कर दी। भाजपा सरकार पर कोई भरोसा नहीं किया जा सकता है। इससे सावधान रहना है। भाजपा बाबा साहब का संविधान बदलना चाहती है।

एक दर्जन राज्यों में कमल खिलाने पहुंच चुके हैं भाजपा के स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

27 मार्च से शुरू किया था चुनावी कार्यक्रम, 54 दिन में की 170 रैली

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भारतीय जनता पार्टी के स्टार प्रचारक के रूप मे निरंतर रैली और जनसभा कर रहे हैं। 54 दिन से वे स्वयं निरंतर आमजन के बीच पहुंच रहे हैं। इतने दिनों में उन्होंने कुल 170 चुनावी कार्यक्रम किए। छठवें चरण के चुनाव प्रचार तक सिर्फ उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के 12 राज्यों में उनकी चुनावी जनसभा हो चुकी है। सीएम योगी ने 137 जनसभा, 15 प्रबुद्ध सम्मेलन और 12 रोड शो किए। इसके अलावा काशी में नारी वंदन-कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नामांकन में भी हिस्सा लिया। उन्होंने लोकसभा संचालन समिति की दो बैठक भी की।

लोकसभा चुनाव-2024 के लिए भारतीय जनता पार्टी ने योगी आदित्यनाथ को स्टार प्रचारक बनाया है। उन्होंने कमल खिलाने के लिए खूब पसीना भी बहाया। छठवें चरण के चुनाव प्रचार के आखिरी दिन भी सीएम दो राज्यों में पहुंचे। अब तक उन्होंने 12 राज्यों में चुनाव प्रचार कर लिया। इनमें महाराष्ट्र, उत्तराखंड, बिहार, जम्मू, छत्तीसगढ़, हरियाणा, दिल्ली, ओडिशा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल व चंडीगढ़ शामिल हैं। छठवें चरण की वोटिंग 25 मई को होगी। इस दिन सिरसा, कुरुक्षेत्र, पूर्वी दिल्ली, बिहार की पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, ओडिशा की पुरी लोकसभा सीट पर वोट पड़ेंगे, जबकि ओडिशा की केंद्रपाड़ा सीट पर पहली जून को चुनाव है। इन सीटों पर योगी आदित्यनाथ ने प्रचार किया। उत्तर प्रदेश की चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव भी हो रहे हैं। इसमें से दो सीटों (ददरौल और लखनऊ पूर्व) पर वोट पड़ चुके हैं। छठवें चरण में गैसड़ी विधानसभा सीट पर चुनाव होंगे। यहां से भाजपा प्रत्याशी शैलेष कुमार सिंह %शैलू% के लिए सीएम योगी दो जनसभा कर चुके हैं। दुद्धि विधानसीट पर पहली जून को उपचुनाव होगा। इसके अलावा योगी आदित्यनाथ ने ओडिशा विधानसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवारों के लिए वोट मांगा। यहां की चिल्का, केंद्रपाड़ा, महांगा, सलीपुर, राजनगर, ओल, महाकालपद व पटकुरा में कमल का फूल खिलाने की अपील की। सीएम योगी ने छठवें चरण की सभी 14 सीटों पर प्रचार किया। इसमें सात सीटों पर भाजपा ने अपने सांसदों पर ही विश्वास किया। एक सीट पर बसपा से आए प्रत्याशी को टिकट दिया है। पांच सीटों पर नए प्रत्याशी उतारे गए हैं। सुल्तानपुर में सांसद मेनका गांधी, प्रतापगढ़ में सांसद संगमलाल गुप्ता, डुमरियागंज से सांसद जगदंबिका पाल, बस्ती से सांसद हरीश द्विवेदी, संतकबीर नगर से सांसद प्रवीण निषाद, आजमगढ़ से सांसद दिनेश लाल यादव %निरहुआ% व मछलीशहर से सांसद बीपी सरोज को टिकट दिया है। वहीं अंबेडकरनगर में बसपा से आए रितेश पांडेय को भाजपा ने मैदान में उतारा है। नए उम्मीदवारों में श्रावस्ती से साकेत मिश्र (एमएलसी), भदोही से विनोद बिंद (विधायक), इलाहाबाद से नीरज त्रिपाठी, फूलपुर से प्रवीण पटेल, जौनपुर से कृपाशंकर सिंह को टिकट दिया गया है। वहीं लालगंज से पार्टी ने 2019 की प्रत्याशी नीलम सोनकर पर फिर से दांव लगाया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 27 मार्च को मथुरा में प्रबुद्ध सम्मेलन कर चुनावी कार्यक्रम का आगाज किया था। इसके बाद से वे निरंतर चुनावी कार्यक्रम कर रहे हैं। सातवें चरण में 13 लोकसभा सीटों पर पहली जून को वोट पड़ेगा।

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 24 मई, 2024

भगवान बुद्ध के जन्मोत्सव पर निकली झांकियां

● विभिन्न मार्गों पर भ्रमण जगह-जगह हुआ स्वागत
●प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके बताए रास्ते पर चलने का दोहराया संकल्प

फतेहपुर। भगवान गौतम बुद्ध का जन्मोत्सव डा. बाबा साहब अंबेडकर मिशन भारत की जनपद शाखा के तत्वाधान में मनाया गया। तथागत गौतम बुद्ध के बताए गए रास्तों पर चलने का लोगों ने संकल्प दोहराया। सर्वप्रथम उनकी प्रतिमा व चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया गया इसके बाद विभिन्न स्थानों से आई झांकियां निकाली गई। शहर के विभिन्न मार्गों पर भ्रमण करके झांकिया आयोजन स्थल पहुंची। कई जगह स्वागत हुआ।

डा. बाबा साहब अंबेडकर मिशन भारत के तत्वाधान में ज्ञान के सागर विश्वदीप तथागत भगवान गौतम बुद्ध का जन्मोत्सव महापर्व कलेक्ट्रेट स्थित बुद्धा पार्क में मनाया गया। भगवान की प्रतिमा के समक्ष पूज्य भिक्ख संघ से पूज्य भंते विजयानंद ने भगवान बुद्ध की मूर्ति के समक्ष मोमबत्ती, धूपबत्ती जलाकर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन करने के साथ उनके बताए गए रास्तों पर चलने का संकल्प दोहराया। मिशन के जिला सचेतक रमेश बौद्ध ने कहा कि एक दीपक से हजारों दीपक जलाए जा सकते हैं। वह दीप नहीं बुझेगा, ठीक इसी तरह खुशी बांटने से कभी कम नहीं होती। बुद्ध के जन्म के समय देश में तमाम तरह की बुराईयां व्याप्त थीं। जो समाज सहित आम जनमानस की जड़ों को खोखला कर रही थीं। भगवान बुद्ध ने उन बुराईयों को दूर करने के वैदिक परम्परा की स्थापना की थी।

पशुओं की बलि प्रथा को समाप्त कराया और समाज के लोगों ने उनके बताये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया ग्रामीणांचलों से आई झांकियां कलेक्ट्रेट के पूर्वी गेट से निकाली गई जो पत्थरकटा, बिंदकी बस स्टाप, सदर अस्पताल, बाकरगंज, ज्वालागंज से होकर पीरनपुर, वर्मा चौराहा, आईटीआई रोड, पटेलनगर चौराहा होकर पुन: कचेहरी गेट से बुद्धा पार्क पहुंची। चेयरमैन राजकुमार मौर्या एडवोकेट, सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष वीरेंद्र यादव, आरपी मौर्य, टीएन तिवारी, लल्लन बाबू मौर्य, राजाराम, रामखेलावन, अतुल कुमार बौद्ध, ब्रज किशोर, प्रशांत प्रिय गौतम, बाबूराम गौतम, कैलाश गौतम भी मौजूद रहे। डॉ. भीमराव अंबेडकर शिक्षा सदन आबूनगर विद्यालय में बुद्ध जयंती समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरु प्रसाद एड़ ने की। विद्यालय प्रबंधक रामप्यारे मौर्य एड़., नगर पालिका अध्यक्ष राजकुमार मौर्य एड., राजेश कुमार मौर्य एड., धीरेंद्र प्रताप सिंह एड., डॉ. काशी प्रसाद मौर्य, राजेंद्र प्रसाद मौर्य, बाबूराम मौर्य, महेंद्र मौर्य, मुकेश मौर्य, लालचंद मौर्य, शिव विलास मौर्य, श्रीमती सुमन सिंह, केदार विद्यालय के छात्र एवं अभिभावकों ने बुद्ध की प्रतिमा में पुष्पांजलि और दीप प्रचलन किया।

ससुर की हत्या करवाने वाले दामाद को पुलिस ने दबोचा

फतेहपुर। कल्यानपुर थाना क्षेत्र के ग्राम महरहा में जामुन के पेड़ के नीचे मिले बुजुर्ग के हत्यायुक्त शव का पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए बुधवार को षड़यंत्रकारी दामाद के भाई को जहां गिरफ्तार किया था वहीं पुलिस ने अगले ही दिन मुख्य आरोपी दामाद को भी गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से मृतक का मोबाइल फोन भी बरामद किया है। 18 मई को अज्ञात व्यक्ति के हत्या युक्त मिले शव के मामले में पुलिस ने मृतक की शिनाख्त करते हुए खुलासा किया था। मृतक के दामाद और उसके छोटे भाई के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दामाद के छोटे भाई को गिरफ्तार कर लिया था। षड़यंत्रकारी दामाद वांछित चल रहा था। थाना कल्यानपुर प्रभारी निरीक्षक अपने हमराही के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। मुअसं 71/24 धारा 302/120 बी भादवि से संबंधित वांछित अभियुक्त राजेश पटेल उर्फ पप्पू पुत्र स्व. पंचम पटेल निवासी सुजानपुर थाना लललौली को बडौरी पुल अंडर पास से गिरफ्तार कर लिया।

मतगणना के बारह दिन शेष, प्रत्याशियों व समर्थकों की धड़कने तेज़

● जीत-हार के अपने दावे अटकलों का बाजार गर्म
●किसी को मनचाहा वोट मिलने की खुशी तो कही भीतरघात का भय

फतेहपुर। लोकसभा चुनाव में मतदान के बाद जैसे-जैसे मतगणना का समय नज़दीक आ रहा है वैसे बैसे जीत हार को लेकर प्रत्याशियों व उनके समर्थकों के दिलो की धड़कने तेज़ होती जा रही है। 49 लोकसभा क्षेत्र फ़तेहपुर में 20 मई को पांचवें चरण में मतदान हुआ था। जिसमे जनपद के 1106690 वोटरों ने अपने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। जनपद में हुए कुल 57.09 प्रतिशत मतदान में 528716 महिला मतदाता व 577964 पुरुष व 10 अन्य वोटरों ने वोट डाले थे। चुनावी मौसम आगे बढ़ने के बाद छठवें चरण की बेला में है। कुल सात चरणों मे होने वाले लोकसभा चुनाव की चार जून को मतगणना होनी है। चुनाव के बाद परिणाम को लेकर पार्टी के प्रत्याशियों व उनके समर्थकों की परीक्षा देने वाले किसी विद्यार्थियों जैसी परिस्थिति है। जीत हार को लेकर लगतार गणित लगने के बाद भी परिणाम को लेकर धड़कने तेज़ है। जनपद की लोकसभा सीट से भाजपा ने अपनी दो बार की मौजूदा सांसद व केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति को उम्मीदवार बनाया है जबकि इंडिया गठबंधन की ओर से सपा ने अपने निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष व एमएलसी नरेश उत्तम पटेल को टिकट देकर चुनावी समर में उतारा था। बसपा से डॉ मनीष सचान मैदान में थे। चुनाव में मुख्य मुकाबला इंडिया एलाइंस व बीजेपी के बीच ही दिखाई देता रहा।

भीतरघातियों को लेकर ऊहापोह की स्थिति: लोकसभा चुनाव के बाद जहां प्रत्याशी किसी क्षेत्र को लेकर आश्वस्त नज़र आ रहे है तो किसी क्षेत्र में सही मैनेजमेंट न होने भीतरघात को लेकर चुनाव परिणाम गड़बड़ाने जैसी स्थिति को लेकर दहशत में भी है। पार्टी प्रत्याशी के अलावा प्रत्याशी के चुनावी कमान संभालने से लेकर चुनाव कार्यों में लगे नेताओं की स्थिति तो परिणाम को लेकर और भी असमंजस्य वाली है। मिलने आने वाले कार्यकर्ताओ से उनके क्षेत्र की स्थिति का आंकलन करने व लगातार अपनी गणना कर खुद को तसल्ली कर रहे है। चाय पान की दुकानों पर चर्चाओं का दौर: मतदान के बाद से ही चाय-पान की दुकानों में इंडिया गठबंधन, भाजपा व बसपा प्रत्याशियों को मिलने वाले वोटों और जीत हार को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। सभी पार्टी के समर्थक अपने अपने प्रत्याशी के जीत के दावे कर रहे हैं।

जिला महिला व्यापार मंडल में प्रीति अध्यक्ष, अर्चना महामंत्री

फर्रुखाबाद। महिला व्यापार मंडल की एक बैठक राज कांप्लेक्स रेलवे रोड पर आहुत की गई जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष संजीव मिश्रा बॉबी ने की तथा संचालन महामंत्री प्रमोद गुप्ता ने किया जिसमें महिला जिला उद्योग व्यापार मंडल की कार्यकारिणी घोषित की गई जो निम्न वत है। बैठक में डॉक्टर रजनी सरीन को संरक्षक बनाया गया है, प्रीति तिवारी को जिला अध्यक्ष व अर्चना द्विवेदी को महामंत्री। का पद दिया गया और उपाध्यक्ष का पद निधि मिश्रा, ज्योति शर्मा को उपाध्यक्ष, छाया गुप्ता को भी उपाध्यक्ष पद दिया गया है। कोषाध्यक्ष के पद पर रजनी गुप्ता को बनाया गया है मंत्री पद पर मीनू तिवारी व वंदना मिश्रा तथा संगठन मंत्री का पद हेमलता मिश्रा को दिया गया है, सहकोषाध्यक्ष का पद सुनीता वर्मा को दिया गया है तथा प्रचार मंत्री का पद गुंजा जैन को दिया गया है। सदस्य कार्यकारिणी एवं विशेष आमंत्रित सदस्य में तनुजा तिवारी, रेखा शुक्ला व पुष्पा अवस्थी, निशा गुप्ता, गायत्री मिश्रा, मीना मिश्रा, ममता अग्रवाल, संगीता चौरसिया रजनी अग्रवाल, वंदना मिश्रा, अर्चना वर्मा, स्नेह लता अग्निहोत्री, ममता अग्निहोत्री को दायित्व सौपा गया है।

आजमगढ़ में नेताओं ने डाला डेरा, डोर टू डोर मांगें वोट

● आजमगढ़ में चल रही इंडिया गठबंधन की लहरः हाजी फैजान खान
●4 जून को आएंगे खुशियों भरे दिनः फैजान
●रोड शो व नुक्कड़ सभाओं व जन संवाद के माध्यम से जनता से की अपील

धर्मेंद्र यादव के लिए जन संवाद करते हाजी फैजान खान

रसूलाबाद कानपुर देहात। लोकसभा चुनाव के छठवें चरण का प्रचार.प्रसार बुधवार को थम गया। छठवें चरण में पूर्वांचल की कई लोकसभा सीटों में मतदान होना है। 25 मई को मतदान की प्रक्रिया संपन्न होगी। जिसको लेकर चुनाव प्रचार के अंतिम दिन समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद व आजमगढ़ के प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव ने बड़ी तादाद लोगों के भीड़ के साथ मुबारकपुर विधानसभा में रोडशो निकाला।

आजमगढ़ लोस सीट पर अखिलेश यादव सांसद रह चुके हैं। उस सीट पर इस बार धर्मेंद्र यादव किस्मत आजमा रहे हैं। आजमगढ़ में कई जिलों के नेता भी प्रचार.प्रसार कर सपा प्रत्याशी को जिताने के लिए लोगों से अपील कर रहे हैं। रसूलाबाद नगर निवासी सपा नेता व कानपुर देहात के सपा जिला उपाध्यक्ष हाजी फैजान खान ने बदायूं के सपा प्रत्याशी आदित्य यादव, फहीम इरफान हैट्रिक विधायक मुरादाबाद, मोहम्मद अब्बास, दानिश, शोएब राणा, सना परवीन, मो. अब्दुल्ला हित तमाम नेताओं के साथ लोगों के बीच जा जाकर सपा प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव को जिताने की अपील की। खान ने बताया कि आजमगढ़ में एकतरफा माहौल है। जनता इंडिया गठबंधन के पक्ष में है। पश्चिम से चली जीत की लहर अब पूर्वांचल में पहुंच गई है। 4 जून को आने वाले परिणाम ऐतिहासिक होंगे और इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी।

महिला की कुएं में गिरकर मौत, हत्या का आरोप

राठ (हमीरपुर)। मझगवां थाने के गिरवर गांव में बुधवार की रात झोलाछाप डॉक्टर की पत्नी की संदिग्ध हालात में गांव के बाहर बने कुएं में गिरकर मौत हो गई। मृतका के पिता ने दहेज की मांग पूरी न होने पर पुत्री की हत्या कर उसे कुएं में फेंक देने का आरोप लगाया है। जरिया थाने के तुरना गांव निवासी महेश्वरी पुत्र चिन्ना राजपूत ने बताया कि उसने मंजू (25) की शादी 26 मई 2018 को रामेंद्र राजपूत निवासी गिरवर थाना मझगवां के साथ की थी। शादी में उसने अपनी हैसियत अनुसार दान दहेज दिया था। पुत्री के ससुरालीजन अतिरिक्त दहेज की मांग करते रहे। मांग पूरी न होने पर कई बार पुत्री के साथ मारपीट की। कई बार पंचायत हुई। लेकिन ससुरालीजन अपनी मांग पर अड़े रहे। बुधवार की शाम बजे ससुरालियों ने उसकी पुत्री के साथ मारपीट की और मारपीट करके उसे कुएं में फेंक दिया। मृतका के ससुर विपिन राजपूत ने बताया कि उसकी बहू रामदेवी मंगलवार को बिहूंनी गांव में रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में गई थी।

क्विक न्यूज

बुद्ध पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

गुरसहायगंज (कन्नौज)। पुलिस अधीक्षक कन्नौज अमित कुमार आनंद के निर्देशन में सदर क्षेत्राधिकारी कमलेश कुमार द्वारा बुद्ध पूर्णिमा के त्योहार के दृष्टिगत सिटी सर्किल के मेंहदी घाट और जलेसर घाट, घियासर घाट पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा ड्यूटी में लगे पुलिस बल को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। गुरूवार को बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर क्षेत्र के गंगाघाट जलेसर व घियासर में श्रद्धालुओं की भीड उमड पडी। श्रद्धालुओं नें पूजा अर्चना कर हर हर गंगे के उदघोष लगाते हुये गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। वहीं जिला प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था में लगे पुलिस कर्मियों ने श्रद्धालुओं को गहरे पानी में न नहानें के लिये सतर्क भी किया। वहीं सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण करनें पहुंचे सीओ सदर कमलेश कुमार नें निरीक्षण के उपरान्त प्रभारी निरीक्षक जेपी शर्मा एवं नौरंगपुर चौकी प्रभारी नीरज शर्मा को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

जलेसर घाट पर निरीक्षण करते सीओ सदर

दो पक्षों में मारपीट, मुकदमा दर्ज

फतेहपुर। धाता थाना क्षेत्र के लिहई चौराहे पर अंडे का ठेला लगाए दुकानदार को तीन युवकों ने मारापीटा। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। सेमरहटा गांव निवासी सोनू कुमार, लिहई चौराहे पर अंडे का ठेला लगाते हैं। बीते शनिवार को वह दुकान पर था, तभी सिहारी पट्टी गांव निवासी वीरेंद्र सिंह, चर्की गांव निवासी लकी और उदयभान वहां आए। तीनों युवकों का दुकानदार से किसी बात पर झगड़ा हो गया। जिसके बाद तीनों ने मिलकर उसकी पिटाई कर दी। पीड़ित ने बताया कि आरोपितों ने जाति सूचक शब्दों से गाली-गलौज करते हुए मारापीटा। स्थानीय दुकानदारों ने बीच-बचाव करते हुए मामला शांत कराया। थानाध्यक्ष का कहना कि घायल की तहरीर पर आरोपितों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

संदिग्ध हालत में युवती ने लगाई फांसी

फतेहपुर। किशनपुर थाना क्षेत्र के सरौली गांव निवासी राकेश दुबे ने अपने पुत्री राधा की शादी खखरेरू थाने के दरियामऊ गांव निवासी धूम शुक्ला के पुत्र जीतू शुक्ला के साथ 2022 में की थी। संदिग्ध अवस्था में राधा ने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया। परिजनों ने बताया कि दहेज की खातिर मारपीट कर हत्या कर दी है।

किशोरी की हालत बिगड़ी, मौत

फतेहपुर। जाफरगंज थाना क्षेत्र के महादेन गांव निवासी बलदेव की पुत्री दुलारी की आज सुबह अचानक तबियत बिगड़ गई। जिस पर घर वाले उसे तत्काल सरकारी एंबुलेंस से उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाए जहां इमरजेंसी में तैनात चिकित्सक ने किशोरी को मृत घोषित कर दिया। उधर परिजन पोस्टमार्टम कराने हेतु शव को मार्च्युरी हाउस में रखवा पुलिस को सूचना दे दिया।

रंजिश के चलते युवक को मारपीट कर दी धमकी

गुरसहायगंज (कन्नौज)। रंजिश के चलते युवक के साथ गांव के ही एक अन्य युवक ने अभद्रता व मारपीट कर घायल कर दिया और धमकी भी दी। क्षेत्रके ग्राम गदनापुर निवासी सलमान पुत्र नौशाद द्वारा कोतवाली में दर्ज कराये गये मुकदमें में कहा गया है कि विगत 21 मई को वह अपनें दरबाजे पर खडा था तभी गांव के ही साजिद पुत्र अली दराज आये और उसके साथ गाली गलौज करते हुए लाठी डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया तथा जान से मारने की धमकी दी।

पुलिस ने दो पर की गैंगस्टर की कार्रवाई

गुरसहायगंज (कन्नौज)। गैंग बनाकर नाबालिग बच्चियों के साथ दुष्कर्म जैसी संगीन वारदातों को अंजाम देने वाले दो लोगों के विरुद्ध कोतवाली पुलिस द्वारा गैंगस्टर की कार्रवाई की गई है। जिला कारागार में निरुद्ध मोहल्ला अफसरी निवासीगण गैंगलीडर बृजेश पुत्र रामविलास एवं सदस्य राजवीर पुत्र सुनील के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की गई है।

युवक हुआ साइबर क्राइम का शिकार

राठ। कस्बे के छोटी जुल्हैटी मोहल्ला निवासी मनोज कुमार ने बताया कि 20 मई को मोबाइल पर फोन आया। फोन रिसीव किया तो रिश्तेदार के नाम और आवाज में बोलकर कहने लगा कि हमारा खाता होल्ड हो गया है। हम अस्पताल में है। रुपयो की जरूरत है। हम तुम्हारे खाते में रुपए डाल रहे हैं। तुम एक नंबर पर रुपए डाल देना। कुछ देर में 49999 रूपए और 10 हजार रुपए के मैसेज आए। उसकी बातों में विश्वास कर उसके बताए गए नंबर पर 49999 और 10 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए।

डम्पर की जोरदार टक्कर से आटो सवार 2 की मौत 7 गम्भीर रूप से घायल

करतल। विगत दि. 23.05.2024 को बांदा जनपद के ब्लॉक नरैनी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत पुंगरी निवासी मिश्रा परिवार सपरिवार अपने स्वयं के आटो से चित्रकूट कामतानाथ के दर्शन हेतु गया हुआ था वहाँ से लौटते समय रात्रि लगभग 11.30 बजे ग्राम जमवारा के पास जैसे ही उनका आटो पहुंचा ठीक उसी समय तेज गति से आ रहे बालू से लदे ओवरलोड डम्पर ने आटो में जोरदार टक्कर मार दी टक्कर इतनी जबरदस्त थी आटो चालक पिंटू सहित लगभग 8 लोग गम्भीर रूप से घायल हो गये उनमें आटो चालक के पिता एवं गृह स्वामी राजकुमार पुत्र रामगुलाम उम्र लगभग 73 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गयी तथा परिवार के अन्य सदस्यों में पिंटू पुत्र राजकुमार उम्र 45 वर्ष, सीमा पत्नी राजा उम्र 40, गोल्हो पत्नी रज्जन उम्र 43, राखी पुत्री बाबू उम्र 20, देव पुत्र जयप्रकाश उम्र 10, राजकुमारी पत्नी राजकुमार उम्र 70, चित्ररेखा पत्नी राजू उम्र 50 वर्ष तथा पिंटू की पत्नी सहित 9 लोग गम्भीर रुप से घायल हो गये।

बुद्ध पूर्णिमा के गंगा स्नान में 20 हजार श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी, एक छात्र की मौत

संवाददाता। फर्रुखाबाद

बुद्ध पूर्णिमा के गंगा स्नान में आज गुरुवार को विभिन्न गंगा घाटों पर करीब 20 हजार श्रद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगाकर पूजा अर्चना की इस दौरान एक छात्र की गंगा में डूब कर मौत हो गई। सूत्रों ने बताया कि जिले के प्रमुख पांचाल घाट, ढाई घाट, श्रृंगी रामपुर घाट,बरगदिया घाट, रानी घाट, विश्रांत घाट आदि पर गुरुवार को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर करीब 20000 गंगा श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाकर समीपवर्ती एवं शहर के मंदिरों में पूजा अर्चना की गई। इस गंगा स्नान के दौरान शहर के कादरी गेट थाना क्षेत्र के पांचाल घाट पुरानी घटिया पैन्टून पुल के समीप गंगा स्नान करते समय गुरुवार को शहर के भारतीय पाठशाला इंटर कॉलेज से कक्षा 10 उत्तीर्ण करने वाले 16 वर्षीय छात्र कैफ की डूब कर मौत हो गई।

पुलिस सूत्रों के अनुसार शहर कोतवाली के मोहल्ला घेरशामू का निवासी छात्र कैफ उम्र करीब 16 वर्ष आज को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर अपने दोस्त अनुरुद्ध प्रताप सिंह, अंकुर, जुनैद अंसारी, हर्ष तथा अपने भाई आसिफ खा के साथ गंगा स्नान करने गए थे। इधर छात्र कैफ के गंगा में डूबते ही चीख पुकार मच गई।

घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से डूबे हुए छात्र के शब को गंगा से बाहर निकलवाया। पांचाल घाट पुलिस चौकी इंचार्ज अमित शर्मा ने बताया कि छात्र कैफ का शव उसके परिवारी जन बिना पोस्टमार्टम कराए हुए अपने घर ले गए। जिले के विभिन्न गंगा घाटों पर बुद्ध पूर्णिमा के स्नान के लिए शांन्ति सुरक्षा व्यवस्था के लिए पर्याप्त पुलिस वाले तैनात रहा और गंगा स्नान प्रात: से देर सांय काल तक चला रहा।

जिला जज, डीएमएसपी ने जेल का निरीक्षण कर बंदियों की समस्याओं के निस्तारण के दिए निर्देश

फर्रुखाबाद। अधिकारियों नें जिला जेल व सेन्ट्रल जेल का आकस्मिक निरीक्षण किया। बंदियों की समस्याओं को सुनकर उनके निस्तारण के आदेश दिए।जिल जज विनय कुमार, जिलाधिकारी डा. वीके सिंह, एसपी विकास कुमार नें संयुक्त रूप से दोनों जेलों का औचक निरीक्षण किया। जिला जेल में बाल बैरक, अस्पताल, अन्य बैरकों एवम महिला बैरक का निरीक्षण किया। कारागार में बंदियों को मिलने वाली सुविधाओं, चिकित्सा, भोजन, साफ सफाई की व्यवस्था, शौचालय की सफाई और संख्या, दिन और रात्रि, बंदियों के नहाने धोने की व्यवस्था, लीगल एड के बारे में जानकारी की। महिला बैरक में भी महिला बंदियों के भोजन, साफ सफाई, हाईजेनिक कंडीशन, महिला बंदियों को मिलने वाली व्यक्तिगत जरूरत की चीजों के बारे में जेल अधीक्षक भीमसैन मुकुंद से जानकारी ली ।

महिलाएं का खाना महिला बैरक में ही अलग से स्वयं महिला कैदियों द्वारा ही बनाया जाता है। महिलाएं और उनके साथ रह रहे बच्चों को जरूरतकीसभीआवश्यक चीजे तय समय पर महिला उपकारापाल की देख रेख में उपलब्ध करा दी जाती है। कारागार में दो हजार लीटर प्रतिघंटा की क्षमता का आरओ वाटर सिस्टम लगा है पीने के पानी की आपूर्ति उसी से होती है। जिला जेल में कारापाल अखिलेश कुमार, उपकारापाल अवनीश कुमार, वैभव कुशवाह, मुकेश गौड़,सरोज देवी, कृष्ण कुमारी आदि रहे।

सेन्ट्रल जेल में जिलाजज, डीएम-एसपी ने भोजन व्यवस्था देखी। जिला जज नें बंदियों के लिए बनायीं गयी मिक्स दल, रोटी सब्जी की गुणबत्ता खुद खाकर चेक की। खानें की गुणबत्ता बेहतर मिली। स्वास्थ्य की जानकारी के साथ ही दवाओं आदि की जानकारी ली। पानी की व्यवस्था को देखा। आरओ लगा मिला। अधिकारियों ने हाई सिक्योरिटी बैरक में बंद सपा के पूर्व सांसद रमा शंकर यादव, आईएसआई एजेंट मुन्ना पाकिस्तानी आदि की बैरक की व्यवस्था देखी।

सीएचसी पीएचसी में बिना प्राथमिक उपचार व इंजेक्शन दिये रिफर कर दी जाती है प्रसव पीड़ित महिलाएं

हमीरपुर। जिला महिला अस्पताल की सीएमएस ने स्पष्ट किया है कि ग्रामीण क्षेत्र के सीएचसी व पीएचसी से बिना प्राथमिक उपचार किये ही प्रसव पीड़िता महिला को महिला अस्पताल के लिये रिफर कर दिया जाता है जिससे यहां पर आते आते पीडिता की हालत और खराब हो जाती है। यहां तक कि सीएचसी में रिफर करते वक्त महिला को मैग्नीनेशीयम सल्फेट (झटके) का इंजेक्शन भी नही दिया जाता है। जिससे जच्चा बच्चा को बेहद खतरा रहता है। सीएमएस ने इस मामले की जानकारी सीएमओ के अलावा शासन को भी दे दी है।

जिला महिला अस्पताल की सीएमएस डा. फौजिया अंजुम नोमानी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र से आने वाली प्रसव पीड़िता महिलाएं ज्यादातर एनीमिया से पीड़ित होती है। हेमोग्लोबिन की कमी होने के कारण उनका उपचार करने में बहुत की कठिनाई आती है। जबकि शासन के निर्देश है कि एनीमिया पीडित महिला को जिला अस्पताल से तुरंत ब्लड की व्यवस्था की जानी चाहिये मगर जिला पुरुष अस्पताल से जब ब्लड की व्यवस्था नही होती तो मजबूरीबश उन्हे कानपुर के लिये रिफर करना पड़ता है। सीएमएस ने स्पष्ट किया कि ज्यादातर सीएचसी पीएचसी में महिलाओं के प्रसव कराने की व्यवस्था है। दवाएं व समस्त प्रबंध शासन ने कर रखे है मगर इसके लिये काम न करना पड़े इसलिये प्रसव पीड़ित महिला को महिला अस्पताल रिफर कर दिया जाता है। उन्होने दावा किया है कि एक साल में इस प्रकार के केश पांच सौ से अधिक आ चुके है जिनका उनके पास रिकार्ड भी है। कहना है कि रिफर करने के पहले डाक्टर को हर हाल में प्रसव पीड़ित महिला को मैग्नीशीयम सल्फेट का इंजेक्शन देना आवश्यक होता है। ताकि रास्ते में उसे झटके न आये,इंजेक्शन ने देने से दूर दराज से आने वाली महिलाओं की हालत खराब हो जाती है और अस्पताल में संभालने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। महिला अस्पताल में उचित इलाज करने के बाद गंभीर हालत में जब महिला को कानपुर रिफर किया जाता है तो लोग हंगामा शुरु कर देते है। जिससे अस्पताल की व्यवस्था खराब हो जाती है। इस मामले में सीएमओ डा.गीतम सिंह का कहना है कि किस सीएचसी पीएचसी से प्राथमिक उपचार व इंजेक्शन नही लगाये जाते है इसकी जानकारी सीएमएस महिला को लिखित रुपसे उन्हे देना चाहिये। सीएमएस डा. फौजिया का कहना है कि इस मामले की जानकारी व सीएमओ व शासन को लिखित रुपसे दे चुकी है अभी दो दिन पहले उन्होने इस समस्या की पूरी जानकारी प्रमुख सचिव स्वास्थ्य को अवगत करा दिया है। सीएमएस का मानना है कि जो महिला डाक्टर है उनका पूरा सहयोग यदि मिलता रहे तो कोई दिक्कत नही आती है।

अवैध तमंचे से खुद को युवक ने मारी गोली हालत गम्भीर

खीरी टाउन.खीरी। थाना खीरी क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बैबहा में एक व्यक्ति ने अज्ञात कारणों के चलते खुद को अपने अवैध तमंचे से गोली मार कर आत्महत्या करने का प्रयास किया। गोली लगने से युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया। मौके पर थाना खीरी कार्यवाहक प्रभारी लल्ला गोस्वामी ने आना फानन घायल व्यक्ति को उपचार हेतु जिला चिकित्सालय भेजा। अस्पताल के डाक्टरों हालत गम्भीर होने पर डाक्टरों युवक को लखनऊ रेफर कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना खीरी क्षेत्र के ग्राम बैबहा के रहने वाले एक व्यक्ति अशोक वर्मा आयु 40 वर्ष पुत्र माता प्रसाद ग्राम बैबहा का ग्राम अमरतगंज में गिट्टी वा मौरंग का कारोबार है बताया बताया जा रहा है कि अज्ञात कारणों के चलते गुरुवार प्रात: लगभग सात से आठ बजे के बीच अशोक वर्मा ने अवैध तमंचे से अपनी पत्नी वा बच्चो की मौजूदगी में खुद को गोली मारकर आत्महत्या का प्रयास किया गोली लगने से वो गम्भीर रूप से घायल हो गया।घायल अशोक वर्मा की हालत इतनी गम्भीर थी कि जिला जिला चिकित्सालय से उसे डाक्टरो ने तुरंत लखनऊ रिफर कर दिया।जहां पर उसका उपचार जारी है तथा उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।मालूम हो कि गोली लगने से घायल व्यक्ति अशोक वर्मा के परिवार में ताऊ रामगोपाल वर्माए के नाम क्रमश: दो लाइसेंसी बंदूकें भी है लेकिन वो बंदूकें कानपुर गन हाउस में जमा है। जानकारी देते हुऐ थाना खीरी के कार्यवाहक प्रभारी लल्ला गोस्वामी ने बताया कि घायल अशोक वर्मा के घर दो लाइसेंसी बंदूकें भी है लेकिन वो दोनों बंदूकें जमा है। जाहिर है कि अशोक वर्मा द्वारा जिस तमंचे से खुद को गोली मारकर घायल किया गया है वो तमंचा नाजयज ही होगा।घायल व्यक्ति अशोक वर्मा की हालत को नाजुक देखते हुए जिला चिकित्सालय के डाक्टरो ने उसे लखनऊ रिफर किया है जहाँ पर उसका उपचार जारी है लेकिन उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

लू के थपेड़ों के साथ कदमताल कर रही बिजली

संवाददाता। लखीमपुर

गर्मी बढ़ते ही चरमराई विद्युत सप्लाई, कटौती शुरु वैसे तो गर्मी के तापमान ने अप्रैल से ही अपना विकराल रुप दिखाना शुरु कर दिया था। मई आते आते लू के थपेड़ों से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। जैसे जैसे गर्मी बढ़ती जाती है वैसे वैसे ही बिजली कटौती भी शुरु हो गई है। उम्मीद से अलग पिछले कुछ दिनों से गर्मी अपने चरम पर है। रात में जहां गर्मी के कारण लोगों की नींद उड़ी हुई है। वहीं दिन में गर्मी का इतना प्रकोप है कि दोपहर के समय तो सड़कें ही सूनी हो जाती हैं। बीते बुधवार से लेकर आज तक भंयकर गर्मी के साथ ही बिजली की भारी कटौती ने लोगों का जीना ही मुहाल कर दिया है।

दिन निकलते ही गर्मी अपना ऐसा रंग दिखाती है कि लोग पसीने पसीने हो जाते हैं। साथ ही गर्मी के कारण बीमारियों ने भी लोगों को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। शहर के अस्पतालों में जहां मरीजों की लंबी लाइन लगनी शुरू हो गयी है। वहीं देहात क्षेत्र में झोलाछाप डाक्टर चांदी काट रहे हैं। दोपहर आते आते तो हालात ऐसे हो जाते हैं कि लोगों का घर से निकलना तक मुश्किल हो जाता है। गर्मी को देखते हुए लग रहा है कि जैसे आसमान से आग बसर रही है। जिसके चलते तापमान भी 40 तक पहुंच गया।

दोपहर के समय सड़कें लगभग सूनी दिखायी दी। जिन स्थानों पर अक्सर जाम रहता था। वहां इक्का दुक्का वाहन ही दिखायी दिए। गर्मी व धूप से बचने के लिए लोग घरों में ही दुबके रहे। गर्मी बढ़ते ही बीमारिया भी लोगों पर हावी हो गयी हैं। शहर के अस्पतालों में मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। डीहाईड्रेशनए उल्टीए दस्त व बुखार आदि से पीड़ित मरीज अस्पतालों में पहुंच रहे हैं। यही हाल रहा तो आने वाले कुछ दिनों में हालात और गंभीर होंगे। गर्मी के साथ ही बिजली की भारी कटौती ने तो लोगों का हाल बुरा किया हुआ है। दिन हो या रात हर आधे एक घंटे में बिजली गायब हो जाती है। बिजली की भारी कटौती के होने से लोग गर्मी से बुरी तरह से परेशान हैं। पर्याप्त बिजली सप्लाई के न होने से पंखेए कूलरए एसी व फ्रिज आदि भी शोपीस बने हैं। ऐसे में आमजन की क्या हालत होगी।

ग्रामीण क्षेत्रों में तो और भी बुरा हाल है। भयंकर गर्मी में बिजली कटौती से न दिन में चैन है और न ही रात में सुकून है। कहीं तार गरम होकर टूट जाता है तो कहीं ट्रांसफार्मर गरम होकर तेल फेंकने लगता है। जेई राजेश कुमार ने बताया कि बिजली कटौती जानबूझकर नही की जाती है। लोकल फाल्ट व लाइन ब्रेकडाउन होने पर ही सप्लाई बाधित होती है। गर्मी में ट्रांसफार्मर जल्दी गर्म हो जाते हैं। फिलहाल बिना दिक्कत के कोई भी कटौती नही की जाती है।

ठाणे में रसायन कारखाने में विस्फोट के बाद लगी आग, सात लोगों की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में रसायन बनाने वाले एक कारखाने में बृहस्पतिवार अपराह्न विस्फोट होने के बाद आग लग गई, जिसके कारण कम से कम सात लोगों की मौत हो गई जबकि 48 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक डोंबिवली में महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) क्षेत्र के फेज-दो में स्थित अमुदान केमिकल कंपनी के एक बॉयलर में अपराह्न करीब 1.40 बजे विस्फोट होने से भीषण आग लग गई और आस-पास के कारखानों में भी फैल गई। कल्याण के तहसीलदार सचिन शेजल ने कहा कि घटनास्थल से अब तक बरामद किए गए, चार शव इतने जले हुए हैं कि उनकी पहचान करना मुश्किल है। महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री उदय सामंत ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस हादसे में जान गंवाने वाले लोग आस-पास के संयंत्रों में काम कर रहे थे।

उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, दुर्भाग्य से, डोंबिवली घटना में छह लोगों की जान चली गई, और 48 घायल हो गए। उन परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। घायलों का इलाज एम्स, नेप्च्यून और ग्लोबल अस्पतालों में किया जा रहा है और हर तरह की सहायता प्रदान की जा रही है। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। बचाव कार्य के लिए विभिन्न टीम और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर हैं।

अधिकारियों ने बताया कि अग्निशमन दल, पुलिस और स्थानीय अधिकारियों के अलावा एनडीआरएफ की टीम भी बचाव अभियान में हिस्सा ले रही है। सामंत ने पीटीआई-भाषा को बताया कि जिस संयंत्र में विस्फोट हुआ वह पिछले कुछ महीनों से परिचालन में नहीं था और कुछ दिन पहले ही दोबारा शुरू हुआ था। राज्य के उद्योग मंत्री उदय सामंत, स्थानीय सांसद श्रीकांत शिंदे और विधायक राजू पाटिल ने मुंबई से करीब 40 किलोमीटर दूर महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) क्षेत्र का दौरा किया। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि कारखाने में हुआ धमाका इतना जोरदार था कि इसकी आवाज एक किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। विस्फोट के कारण आसपास की इमारत की खिड़कियों के शीशों में दरारें आ गईं जबकि कुछ मकान भी क्षतिग्रस्त हो गए। कारखाने के ऊपर धुएं के घने बादल मंडराते देखे जा सकते हैं। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने छत्रपति संभाजीनगर में संवाददाताओं से कहा कि घटनास्थल पर बड़े पैमाने पर बचाव और राहत अभियान चल रहा है तथा उन्होंने जिलाधिकारी को घटना की विस्तृत जांच करने का निर्देश दिया है।

देवेगौड़ा ने पोते प्रज्वल को दी सख्त चेतावनी, स्वदेश लौटने को कहा

बेंगलुरु। जनता दल (सेकुलर) के संरक्षक एवं पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने अपने पोते और पार्टी के निलंबित सांसद प्रज्वल रेवन्ना को बृहस्पतिवार को कड़ी चेतावनी दी और उनसे देश लौट कर यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच का सामना करने को कहा। देवेगौड़ा ने यह भी कहा कि जांच में उनके या परिवार के अन्य सदस्यों की तरफ से कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। प्रज्वल पर कई महिलाओं का यौन शोषण करने का आरोप है। वह अप्रैल के आखिरी हफ्ते में कथित रूप से जर्मनी चला गया था। देवेगौड़ा ने उससे कहा कि वह भारत लौटे और पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करे।

जद (एस) प्रमुख ने दोहराया कि उनके पोते को दोषी पाए जाने पर कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए। देवेगौड़ा (92) ने एक बयान में कहा, इस समय, मैं केवल एक ही काम कर सकता हूं कि मैं प्रज्वल को कड़ी चेतावनी दे सकता हूं और उससे कह सकता हूं कि वह जहां भी है वहां से भारत लौट आए और पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दे, तथा कानूनी प्रक्रिया का सामना करे। उन्होंने स्पष्ट किया, जो मैं कर रहा हूं उसे अपील नहीं हैं, बल्कि यह एक चेतावनी है जो मैं जारी कर रहा हूं। उन्होंने कहा, अगर उसने इस चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया तो उसे मेरे और अपने परिवार के सभी सदस्यों के क्रोध का सामना करना पड़ेगा। कानून उसपर लगे आरोपों को देखेगा, लेकिन परिवार की बात न सुनने से उसका पूरी तरह से अलग-थलग होना तय हो जाएगा। अगर उसके मन में मेरे लिए कोई सम्मान बचा है तो उसे तुरंत लौटना होगा।

पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, मैं यह भी स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि उसके खिलाफ जांच में मेरे या मेरे परिवार के सदस्यों की ओर से कोई हस्तक्षेप नहीं किया जाए। मेरे मन में इस संबंध में कोई भी भावना नहीं है, केवल उन लोगों के लिए न्याय का मुद्दा है जो उसके कथित कृत्यों और करतूतों से पीड़ित हुए हैं। देवेगौड़ा ने बताया कि उन्होंने 18 मई को प्रज्वल रेवन्ना के बारे में मीडिया से बात की थी।

बुजुर्ग नेता ने कहा, उसने (प्रज्वल) मुझे, मेरे पूरे परिवार, मेरे सहयोगियों, दोस्तों और पार्टी कार्यकर्ताओं को जो सदमा और दर्द दिया है, उससे उबरने में मुझे कुछ समय लगा। मैं पहले ही कह चुका हूं कि अगर वह दोषी पाया गया तो उसे कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह लोगों को यह विश्वास भी नहीं दिला सकते हैं कि वह प्रज्वल की गतिविधियों से अनजान थे, या उसे बचाने की उनकी कोई इच्छा नहीं है, वह उसकी हरकतों और उसकी विदेश जाने के बारे में भी अवगत नहीं थे।

जद (एस) के संरक्षक ने कहा, मैं अपनी अंतरात्मा की आवाज पर जवाब देने में विश्वास करता हूं। मैं भगवान में विश्वास करता हूं और मैं जानता हूं कि ईश्वर सच जानता है। देवेगौड़ा ने कहा कि उन्होंने हाल के हफ्तों में दुर्भावनापूर्ण रूप से फैलाए गए, राजनीतिक षड्यंत्रों, उकसावे और झूठ पर टिप्पणी नहीं करने का फैसला किया था।

पूर्व प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि लोगों का विश्वास दोबारा हासिल करना उनके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रज्वल (33) हासन लोकसभा क्षेत्र से राजग का उम्मीदवार है। उसपर कई महिलाओं का यौन शोषण करने का आरोप है। बड़ी संख्या में अश्लील वीडियो सार्वजनिक होने के बाद से वह फरार है और विदेश में छुपा हुआ है। इन वीडियो में वह कथित तौर पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न करता हुआ दिख रहा है। प्रज्वल के खिलाफ बलात्कार के दो मामले दर्ज हैं। उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया गया है तथा इंटरपोल ने ब्लू कॉर्नर नोटिस किया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने उसका राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने के लिए केंद्र को पत्र लिखा है।

सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में सात नक्सलियों को मार गिराया

भाषा। नारायणपुर

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर और बीजापुर जिले की सीमा में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में सात नक्सलियों को मार गिराया है। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नारायणपुर-बीजापुर जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में नक्सलियों के प्लाटून नंबर-16 और इंद्रावती एरिया कमेटी के नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर नारायणपुर, दंतेवाड़ा तथा बस्तर जिले के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), बस्तर फाइटर्स और विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के संयुक्त दल को गश्त के लिए रवाना किया गया था। उन्होंने बताया कि दल आज सुबह 11 बजे जब क्षेत्र में था तो नक्सलियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी जिसके बाद सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्वाई की।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच देर तक मुठभेड़ जारी रही। उन्होंने बताया कि सुरक्षाबलों ने घटनास्थल से सात नक्सलियों के शव और हथियार बरामद किए हैं। मुठभेड़ में कई नक्सलियों के घायल होने का अंदेशा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी है। इस घटना के साथ ही इस साल राज्य में सुरक्षाबलों के साथ अलग-अलग मुठभेड़ों में अब तक 112 नक्सली मारे जा चुके हैं। इससे पहले 10 मई को बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 12 नक्सली मारे गए थे। वहीं, 30 अप्रैल को नारायणपुर और कांकेर जिले की सीमा पर सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में तीन महिलाओं सहित 10 नक्सली मारे गए थे। इसके अलावा, सुरक्षाबलों ने 16 अप्रैल को कांकेर जिले में मुठभेड़ में 29 नक्सलियों को मार गिराया था।

चक्रवात रेमल रविवार शाम तक पश्चिम बंगाल एवं बांग्लादेश के तटों से टकराएगा: आईएमडी

भाषा। नई दिल्ली

बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र और तेज हो जाएगा तथा रविवार शाम तक यह भीषण चक्रवाती तूफान के रूप में बांग्लादेश और इससे सटे पश्चिम बंगाल के तटों से टकराएगा। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इस मॉनसून पूर्व मौसम में बंगाल की खाड़ी में यह पहला चक्रवात है। हिंद महासागर क्षेत्र में चक्रवात के नामकरण प्रणाली के अनुसार, इस तूफान का नाम रेमल रखा जाएगा।

भारत मौसम विभाग की वैज्ञानिक मोनिका शर्मा ने बताया, यह प्रणाली शुक्रवार की सुबह तक मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक दबाव क्षेत्र में केंद्रित हो जाएगा। यह शनिवार की सुबह एक चक्रवाती तूफान में बदल जाएगा और इसमें तेजी आएगी। इसके बाद रविवार शाम तक यह एक गंभीर चक्रवाती तूफान के रूप में बांग्लादेश और निकटवर्ती पश्चिम बंगाल तट पर पहुंचेगा। आईएमडी के मुताबिक, रविवार को चक्रवात के कारण 102 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है।

मौसम कार्यालय ने 26-27 मई को पश्चिम बंगाल, उत्तरी ओडिशा, मिजोरम, त्रिपुरा और दक्षिण मणिपुर के तटीय जिलों में बहुत भारी वर्षा की चेतावनी दी है। समुद्र में मछली पकड़ने गए मछुआरों को तट पर लौटने तथा 27 मई तक बंगाल की खाड़ी में न जाने की सलाह दी गई है। वैज्ञानिकों का कहना है कि समुद्र की सतह के गर्म तापमान के कारण चक्रवाती तूफान तेजी से अपनी गति बढ़ा रहे हैं और लंबे समय तक अपनी शक्ति बरकरार रख रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप महासागर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन से अधिकांश अतिरिक्त गर्मी को अवशोषित कर रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 30 वर्षों में समुद्र की सतह का तापमान सबसे अधिक दर्ज किया गया है। आईएमडी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डीएस पई के अनुसार, समुद्र की सतह के गर्म तापमान का मतलब अधिक नमी है, जो चक्रवातों की तीव्रता के लिए अनुकूल है।

केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पूर्व सचिव माधवन राजीवन ने कहा कि कम दबाव प्रणाली को चक्रवात में बदलने के लिए समुद्र की सतह का तापमान 27 डिग्री सेल्सियस और उससे अधिक होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बंगाल की खाड़ी में सतह का तापमान फिलहाल 30 डिग्री सेल्सियस है। राजीवन ने कहा, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर इस समय बहुत गर्म हैं, इसलिए उष्णकटिबंधीय चक्रवात आसानी से बन सकता है। उन्होंने कहा, लेकिन उष्णकटिबंधीय चक्रवात न केवल समुद्र द्वारा नियंत्रित होते हैं, बल्कि इसमें वायुमंडल भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

राजीवन ने कहा, अगर ऊर्ध्वाधर हवा का झोंका बहुत बड़ा है तो चक्रवात तेज नहीं होगा। यह कमजोर हो जाएगा। वरिष्ठ मौसम विज्ञानी ने कहा कि मॉडल सुझाव देते हैं कि चक्रवात मानसून की प्रगति को प्रभावित नहीं करेगा। हालांकि, पई ने कहा कि यह कुछ हिस्सों में मॉनसून की प्रगति को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा कि शुरुआत में यह प्रणाली मॉनसून को बंगाल की खाड़ी के ऊपर आगे बढ़ने में मदद करेगा। इसके बाद, यह मॉनसून परिसंचरण से अलग हो जाएगा और बहुत सारी नमी खींच लेगा, जिसके परिणामस्वरूप उस क्षेत्र में इसकी प्रगति में थोड़ी देरी हो सकती है।

केंद्र प्रज्वल रेवन्ना को वापस लाने में सहयोग के लिए तैयार: जोशी

कलबुर्गी (कर्नाटक)। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बृहस्पतिवार को कहा कि जनता दल (एस) के सांसद प्रज्वल रेवन्ना का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने की एक प्रक्रिया है और केंद्र उसे देश वापस लाने में सहयोग करने के लिए तैयार है। प्रज्वल कई महिलाओं के यौन उत्पीड़न के आरोपी हैं। राज्य सरकार पर प्रहार करते हुए जोशी ने सवाल किया कि प्रज्वल के विदेश भागने से पहले उनके खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें हिरासत में क्यों नहीं लिया गया? केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस सरकार पर केंद्र पर दोष मढ़ने और इस मुद्दे पर राजनीति करने का भी आरोप लगाया। जोशी मुख्यमंत्री सिद्धरमैया द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दूसरा पत्र लिखकर प्रज्वल का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने के लिए "त्वरित और आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह करने के सवाल पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। जोशी ने कहा, राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने की एक प्रक्रिया है...अभी तक सिद्धरमैया,(उपमुख्यमंत्री) डीके शिवकुमार और (गृह मंत्री) परमेश्वर ने मेरे सवाल का जवाब नहीं दिया है। उन्होंने कहा, (प्रज्वल की संलिप्तता वाली अश्लील वीडियो वाली) पहली पेन ड्राइव 21 अप्रैल को सामने आई और प्रज्वल रेवन्ना 27 अप्रैल को विदेश रवाना हो गए। क्या वे सात दिन तक गधों की रखवाली कर रहे थे? आपने प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें हिरासत में क्यों नहीं लिया? यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, उन्हें (प्रज्वल को) विदेश से वापस लाने की एक प्रक्रिया है और भारत सरकार कानून के अनुसार आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन करके राज्य सरकार को सहयोग देने के लिए तैयार है। जोशी ने कहा, लेकिन यह बात कि जैसे ही हम (मुख्यमंत्री या राज्य सरकार) पत्र लिखें, चीजें होनी चाहिए, या फिर भाजपा पर दोष मढ़ दें (सही नहीं है)। उन्होंने (राज्य सरकार ने) वोक्कालिगा वोट पर नजर होने के कारण पहले चरण का मतदान (26 अप्रैल को) खत्म होने तक पेन ड्राइव मामले में कार्वाई नहीं की। अब वे केंद्र पर दोष मढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर मामला है और प्रज्वल को जांच का सामना करना होगा और दोषी पाए जाने पर सजा भी भुगतनी होगी। इस पर तो कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने कहा, लेकिन कर्नाटक सरकार जांच से ज्यादा इस मामले में राजनीति करने की कोशिश कर रही है। सिद्धरमैया ने प्रधानमंत्री मोदी को 22 मई को लिखे अपने पत्र में कहा कि यह "निराशाजनकै है कि गंभीर स्थिति के बावजूद, प्रज्वल के राजनयिक पासपोर्ट को रद्द करने के संबंध में उनके पिछले पत्र पर कार्वाई नहीं की गई है। मुख्यमंत्री ने इससे पहले एक मई को मोदी को पत्र लिखकर प्रज्वल का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने के लिए विदेश और गृह मंत्रालयों से त्वरित कार्वाई करने का आग्रह किया था। इस बीच विदेश मंत्रालय प्रज्वल के राजनयिक पासपोर्ट को रद्द करने की मांग करने वाले कर्नाटक सरकार के अनुरोध पर कार्वाई कर रहा है। तेंतीस वर्षीय प्रज्वल जद (एस) के संरक्षक और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते और हासन लोकसभा क्षेत्र से राजग के उम्मीदवार हैं। उन पर कई महिलाओं का यौन शोषण करने का आरोप है। वह हासन में मतदान होने के एक दिन बाद 27 अप्रैल को कथित रूप से जर्मनी चले गए थे।

केरल में विश्वविद्यालयों का भगवाकरण करने की कोशिश कर रहे हैं राज्यपाल: आर बिंदु

तिरुवनंतपुरम। केरल की उच्च शिक्षा मंत्री आर बिंदु ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान राज्य में विश्वविद्यालयों का भगवाकरण करने की कोशिश कर रहे हैं। उच्च शिक्षा मंत्री ने केरल उच्च न्यायालय के एक हालिया आदेश के संदर्भ में यह आरोप लगाया। राज्यपाल खान राज्य में विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति भी हैं। हाल ही में केरल उच्च न्यायालय ने एक आदेश में राज्यपाल खान द्वारा केरल विश्वविद्यालय के सीनेट में किए गए नामांकन को रद्द कर दिया और उन्हें छह सप्ताह की अवधि के भीतर नए नामांकित व्यक्तियों का चयन करने का निर्देश दिया था। बिंदू ने उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए दावा किया कि कुलाधिपति द्वारा नामित छात्रों का कोई उत्कृष्ट शैक्षणिक रिकॉर्ड नहीं था और न ही उन छात्रों ने कला, विज्ञान, खेल या मानविकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था।

अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी का भाई धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर (उप्र)। मुजफ्फरनगर के जिले के बुढ़ाना में अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के बड़े भाई अयाजुद्दीन को धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यह कार्रवाई एक माह पहले दर्ज किए गए मामले में की गई है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि अयाजुद्दीन ने दिसंबर 2023 में चकबंदी न्यायालय में अपनी कृषि भूमि के लिए जावेद इकबाल के साथ चल रहे विवाद को लेकर एक प्रार्थना पत्र दिया था। पुलिस ने बताया कि अयाजुद्दीन ने इस पत्र के साथ जिलाधिकारी के न्यायालय से इस वाद के संबंध में एक फर्जी आदेश की प्रति भी जमा कराई थी। पिछले माह जिलाधिकारी अदालत के पेशकार राजकुमार की शिकायत पर अयाजुद्दीन समेत दो लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 467 (जालसाजी) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

अग्निपथ का राजनीतिकरण नहीं करने संबंधी निर्देश देने में निर्वाचन आयोग गलत: चिदंबरम

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने बृहस्पतिवार को कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा उनकी पार्टी को अग्निपथ योजना का राजनीतिकरण नहीं करने निर्देश देना पूरी तरह गलत है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की नीति की आलोचना करना विपक्ष का अधिकार है। निर्वाचन आयोग ने बुधवार को सत्तारूढ़ भाजपा और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए उन्हें लोकसभा चुनाव में जाति, समुदाय, भाषा और धर्म के आधार पर प्रचार करने से बचने की नसीहत दी और कहा कि चुनावों में देश के सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश को नुकसान पहुंचाने की अनुमति नहीं दी सकती।

आयोग ने कांग्रेस से सुरक्षा बलों का राजनीतिकरण नहीं करने और सशस्त्र बलों की सामाजिक आर्थिक संरचना के बारे में विभाजनकारी बयान नहीं देने को कहा। चिदंबरम ने एक्स पर पोस्ट किया कि निर्वाचन आयोग ने कांग्रेस पार्टी को अग्निपथ योजना का राजनीतिकरण न करने का निर्देश देकर गलत किया है।

उनका कहना था, राजनीतिकरण का क्या मतलब है? क्या आयोग का तात्पर्य आलोचना करने से है? अग्निवीर एक योजना है, सरकार की नीति का एक परिणाम है। सरकार की नीति की आलोचना करन एक विपक्षी राजनीतिक दल का अधिकार है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो यह योजना खत्म कर दी जाएगी। चिदंबरम ने कहा कि अग्निपथ योजना सैनिकों की दो श्रेणियां बनाती है, जो गलत है। उन्होंने कहा कि अग्निवीर योजना में किसी युवक को चार साल के लिए नौकरी पर रखा जाता है और बिना पेंशन के बाहर निकाल दिया जाता है। चिदंबरम का कहना है कि यह व्यवस्था गलत है।

केरल में भारी बारिश, मौसम विभाग ने दो जिलों में जारी किया रेड अलर्ट

कोच्चि। केरल में मानसून से पूर्व हो रही बारिश के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बृहस्पतिवार को बारिश के अलर्ट को संशोधित किया और राज्य के दो जिलों में रेड अलर्ट जारी किया। इस बीच, राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश जारी है जिससे तिरुवनंतपुरम, कोच्चि और त्रिशूर सहित प्रमुख शहरों में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो गई। आईएमडी ने एर्णाकुलम और त्रिशूर जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया। इससे पहले इन दोनों स्थानों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया था। मौसम विभाग ने राज्य के पथानमथिट्टा, अलप्पुझा, कोट्टायम, इडुक्की, पलक्कड़, मलप्पुरम, कोझिकोड और वायनाड जिलों में भी ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

रेड अलर्ट 24 घंटों में 20 सेंटीमीटर से अधिक की भारी से अत्यधिक भारी बारिश का संकेत देता है, जबकि ऑरेंज अलर्ट के तहत 11 सेंटीमीटर से 20 सेंटीमीटर के बीच भारी बारिश की संभावना होती है। छह सेंटीमीटर से 11 सेंटीमीटर के बीच भारी बारिश की संभावना होने पर एलो अलर्ट जारी किया जाता है।

भारी बारिश के कारण कोच्चि के बस स्टैंड में भी जलभराव की समस्या उत्पन्न हो गई है। टीवी चैनलों से जारी फुटेज के अनुसार, कोच्चि शहर की कई प्रमुख सड़कें जलमग्न होने से यातायात अवरुद्ध हो गया है। पुलिस अधिकारियों को शहर के विभिन्न स्थानों पर वाहनों का मार्ग बदलवाते देखा जा सकता है। केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) के अनुसार 19 से 22 मई तक राज्य में बारिश से संबंधित विभिन्न घटनाओं में चार लोगों की मौत हो चुकी हैं।

केएसडीएमए ने कहा कि उक्त अवधि के दौरान कुल 76 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए जबकि तीन घर पूरी तरह ध्वस्त हो गए। भारी बारिश को देखते हुए तिरुवनंतपुरम और कोट्टायम जिलों में दो राहत शिविर लगाए गए हैं।

राज्य भर से सड़कों और कृषि को व्यापक नुकसान की भी खबरें मिलीं। अलप्पुझा में राष्ट्रीय राजमार्ग पर थुरवूर क्षेत्र आज तीन घंटे से अधिक समय तक अवरुद्ध रहा और चैनलों ने व्यस्त यातायात के प्रभावित होने के दृश्य दिखाए। अलाप्पुझा में कुट्टनाड क्षेत्र के कुछ हिस्सों में भी पानी भर गया। कोझीकोड के मावूर क्षेत्र में कृषि क्षेत्र में व्यापक नुकसान हुआ और मलप्पुरम तथा कासरगोड जिलों से मामूली रूप से भूस्खलन हुआ है। त्रिशूर शहर भी जलभराव की समस्या से पीड़ति है। दुकानों और यहां तक कि कुछ निजी अस्पतालों में भी पानी भर गया। त्रिशूर के जिलाधिकारी ने निगम अधिकारियों को सात दिनों के भीतर अपनी सीमा में नदियों और नालों को साफ करने के निर्देश जारी किए हैं।

पेज 1 का शेष

अंतिम चरणों में...

30 दिनों में चार आतंकवादी हमले हुए हैं। यह निर्वाचन क्षेत्र शक्तिशाली पीर के दोनों ओर फैला हुआ है पंजाल में मूल रूप से 7 मई को मतदान होना था, लेकिन भाजपा, अपनी पार्टी और डीपीएपी सहित कई पार्टियों के अनुरोध पर प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण इसे 25 मई तक के लिए टाल दिया गया था। महबूबा को नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवार और प्रभावशाली गुज्जर नेता मियां अल्ताफ और अपनी पार्टी के जफर इकबाल खान मन्हास से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है, जिन्हें भाजपा का समर्थन प्राप्त है। यूपी में, सुल्तानपुर, जो देखने लायक सीट है, अमेठी के बगल में, एक और गांधी, भाजपा की मेनका गांधी, अपने समाजवादी पार्टी प्रतिद्वंद्वी के साथ एक कड़ी प्रतिस्पर्धा में हैं। मायावती के नेतृत्व वाली बसपा की पार्टी के उम्मीदवार उदराज वर्मा, जो ओबीसी कुर्मी जाति से आते हैं, भाजपा के साथ-साथ सपा उम्मीदवारों के लिए भी परेशानी का सबब बन रहे हैं, लेकिन अखिलेश यादव की पार्टी के सपा उम्मीदवार राम भुआल निषाद को अधिक नुकसान हो रहा है।

दिल्ली में....

भाजपा के लोग स्वीकार करते है कि अगर वे तीसरी बार फिर सत्ता में आए तो इस संविधान को खत्म कर देंगे, फाड़कर फेंक देंगे। उन्होंने कहा कि करोड़ों लोगों की सुरक्षा और अधिकारों को संरक्षित करने के लिए बनाए गए संविधान को फाड़ने और खत्म करने की किसी में हिम्मत नही है, संविधान खत्म करने का काम कोई कर नहीं सकता, संविधान को बचाने के लिए करोड़ों लोगों के साथ कांग्रेस पार्टी खड़ी है। दिल्ली की सातों लोकसभा सीटों के लिए बृहस्पतिवार को प्रचार का आखिरी दिन था। यह दिल्ली में राहुल की दूसरी रैली है जहां उन्होंने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का नाम लिए बिना आप का जिक्र करते हुए कहा कि दिल्ली में आप के साथ कांग्रेस ने गठबंधन किया है। कांग्रेस ने उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से पूर्व जेएनयू छात्रसंघ अध्यक्ष कन्हैया कुमार को भाजपा सांसद मनोज तिवारी के खिलाफ चुनाव मैदान में उतारा है जहां मुकाबला द्विपक्षीय है। इससे पहले दिन में, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गुरुवार को कहा कि ये चुनाव लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में लोगों से सभी सात सीटों पर इंडिया गुट के उम्मीदवारों को जीतने में मदद करने का अनुरोध किया। कांग्रेस द्वारा एक्स पर साझा किए गए एक वीडियो संदेश में सोनिया ने कहा कि यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण चुनाव है। यह चुनाव देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाने का चुनाव है। यह चुनाव बेरोजगारी, महंगाई और संवैधानिक संस्थाओं पर हमले जैसे मुद्दों पर लड़ा जा रहा है। दिल्ली के मतदाताओं को इस लड़ाई में अपनी भूमिका प्रमुखता से निभानी होगी। चुनावी सभा में भाजपा पर हमला करते हुए राहुल ने आरोप लगाते हुए कहा कि ये लोग हमेशा इसे संविधान को फाड़कर फेंक देना चाहते हैं। भगवा पार्टी के नेता न तो भारतीय संविधान और न ही तिरंगा को कभी स्वीकार किया। इस चुनाव में आखिरकार उन्होंने स्वीकार कर लिया कि वे इसे बदलना चाहते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, इस चुनाव में लड़ाई भारतीय संविधान की रक्षा के लिए है। यह महज एक किताब नहीं है, हमारा संविधान गांधी, अंबेडकर और नेहरू की हजारों साल की वैचारिक विरासत को समेटे हुए है। उन्होंने भाजपा को चुनौती दी है कि आपमें ऐसा करने की हिम्मत नहीं है। अगर आप ऐसा करने की कोशिश करेंगे तो आपको हमारा और देश वासियों के विरोध का सामना करना पड़ेगा। इसके बाद में कांग्रेस के उत्तर पश्चिम दिल्ली लोकसभा सीट के उम्मीदवार उदित राज के समर्थन में मंगोलपुरी में एक महिला चुनावी सभा को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा कि भाजपा ने संसद में महिला आरक्षण विधेयक को बहुत धूमधाम से पारित किया, लेकिन बाद में कहा कि वह इसे 10 साल बाद लागू किया जाएगा। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने हिंदी में एक्स पर कहा, मेट्रो में सहयात्रियों से मुलाकात की और उनका हालचाल पूछा। उन्हें यह देखकर खुशी हुई कि दिल्ली में मेट्रो बनाने की हमारी पहल सार्वजनिक परिवहन के लिए इतनी सुविधाजनक साबित हुई है। उन्होंने मेट्रो में यात्रियों के साथ बातचीत करने और सेल्फी लेने की फोटो साझा कीं। चुनावी सभा में बोलते हुए राहुल ने कहा कि इसके पीछे एक विचारधारा है। उन्होंने सवाल करते हुए पूछा कि क्या आप जानते हैं कि आरएसएस महिलाओं का नामांकन नहीं करता। महिलाएं शाखाओं में प्रवेश नहीं कर सकतीं। उनके मन में यह धारणा गहराई से घर कर गई है कि महिलाओं के साथ दोयम दर्जे का नागरिक माना जाना चाहिए। राहुल ने दावा किया कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो सभी सरकारी नौकरियों में महिलाओं का आरक्षण बढ़ाया जाएगा।

1962 में...

उन्होंने कहा कि इंडिया गुट 'बेहद सांप्रदायिक, जातिवादी और भाई-भतीजावादी' है। 1990 के दशक के मध्य में राज्य में भाजपा के लिए काम करने के अपने दिनों को याद करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हरियाणा ने मुझ पर बहुत प्यार बरसाया है, आपके साथ मेरे गहरे संबंध हैं। उन्होंने भाजपा के भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा सीट के उम्मीदवार धर्मबीर सिंह के लिए प्रचार करते हुए कहा, यह मेरी गारंटी है कि हम हरियाणा के विकास को रुकने नहीं देंगे। मोदी ने यह भी कहा कि पिछले 10 वर्षों में हमने कांग्रेस के पापों को धोने के लिए कड़ी मेहनत की है। प्रधानमंत्री ने इंडिया गुट पर भी निशाना साधते हुए कहा कि इसने पहले ही आधार बनाना शुरू कर दिया है कि अपनी हार के लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाए। राज्य में लोकसभा चुनाव और करनाल विधानसभा उपचुनाव के लिए बृहस्पतिवार को प्रचार समाप्त हो गया, जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, उनके पूर्ववर्ती एमएल खट्टर, दो केंद्रीय मंत्रियों और कुमारी शैलजा सहित दो कांग्रेस दिग्गजों की राजनीतिक प्रतिष्ठा दांव पर है। जोरदार प्रचार अभियान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा प्रमुख जे.पी.नड्डा, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित शीर्ष नेता मौजूद रहे। राज्य की 10 संसदीय सीटों के लिए 16 महिलाओं समेत 223 उम्मीदवार मैदान में बचे हैं। दो केंद्रीय मंत्री - राव इंद्रजीत सिंह और कृष्ण पाल गुर्जर - और कांग्रेस के दिग्गज नेता दीपेंद्र सिंह हुड्डा मुकाबले में शामिल हैं। विधायक पद से खट्टर के इस्तीफे के बाद जरूरी हुए करनाल विधानसभा उपचुनाव में नौ उम्मीदवार मैदान में हैं। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में कुल 2,00,76,768 पंजीकृत मतदाता हैं, जिनमें 94,23,956 महिलाएं और 467 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। इस बीच, प्रधानमंत्री मोदी ने पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि राज्य में नशीली दवाओं का कारोबार फल-फूल रहा है और सरकार कर्ज में डूबी हुई है। एक जून को लोकसभा चुनाव के सातवें चरण के लिए राज्य में अपनी पहली चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि पंजाब ने कृषि से लेकर उद्योग तक विभिन्न क्षेत्रों में देश को नेतृत्व दिया है। इसके बाद उन्होंने आम आदमी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि उद्योग अब पंजाब छोड़ रहे हैं जबकि नशीली दवाओं का व्यापार बढ़ रहा है। पूरी सरकार कर्ज पर चल रही है।

एंबसेडर...

नवीन उत्साही कार संग्राहक हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें कोई भी मालिक नहीं मिला जिसने एंबसेडर के बारे में शिकायत की हो। एक समय था जब कारों की पसंद एंबेसेडर और प्रीमियर पद्मिनी (वालचंद परिवार के स्वामित्व वाली) तक ही सीमित थी। नवीन ने कहा,उदारीकरण ने कार क्षेत्र को विदेशी निवेशकों और प्रौद्योगिकी के लिए धीरे-धीरे खोला और इसके परिणामस्वरूप एंबेसडर ने नए लोगों के लिए रास्ता बनाया। नवीन खुद अपने दादा के स्वामित्व वाली मार्क टू एंबेसडर को बहाल करने में व्यस्त हैं। डॉ. चटर्जी ने कहा कि कार उत्साही लोगों को एम्बीज़ जैसी पुरानी कारों के प्रति अपना जुनून फिर से जगाते हुए देखना अच्छा लगा। उन्होंने कहा, एंबेसेडर अपने गैराज के लिए सबसे वांछित क्लासिक के रूप में सूची में सबसे ऊपर है। उन्होंने कहा, यह देखना खूबसूरत है कि मालिक एक एम्बेस्डर के कार्टो को उसकी गरिमा बहाल करने के लिए उसके बाजार मूल्य से कहीं अधिक खर्च कर रहे हैं। यह ध्यान रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि ऐसे कार प्रेमी भी हैं जो केवल एंबेसडर चलाते हैं। चेन्नई स्थित बेलगामवाला, एक पारसी सज्जन और रत्ना नादर, अपनी संपत्ति के बावजूद, केवल राजदूतों को पसंद करते हैं। आने वाली पीढ़ियां इस मशीन का वर्णन इस प्रकार करेंगी कि यह लंबे समय तक बनी रहेगी। राजदूत कलकत्ता के लिए भी एक शानदार श्रद्धांजलि है।

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 24 मई 2024

गठबंधन मुस्लिम लीग के एजेंडे को आगे बढ़ा रहा है : नड्डा

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर ग़ैर-संवैधानिक तरीक़े से तुष्टीकरण की नीति को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया और दावा किया इसी प्रकार इंडिया गठबंधन मुस्लिम लीग के एजेंडे को आगे बढ़ाने का काम कर रहा है। कलकत्ता उच्च न्यायालय की ओर से पश्चिम बंगाल में 2010 से कई वर्गों को दिए गए ओबीसी दर्जे को अवैध करार दिए जाने के एक दिन बाद नड्डा ने एक बयान में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और इस मामले में उनकी चुप्पी पर सवाल उठाया।उन्होंने कहा, कलकत्ता उच्च न्यायालय का ए निर्णय बताता है कि ममता सरकार ग़ैर-संवैधानिक तरीक़े से तुष्टीकरण की नीति को आगे बढ़ा रही थी। एक तरह से कहा जाए तो तृणमूल कांग्रेस,

मुस्लिम लीग के एजेंडा को आगे बढ़ा रही थी। भाजपा अध्यक्ष ने संविधान का हवाला देते हुए कहा कि इसमें साफ लिखा है कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता लेकिन ए इंडी गठबंधन मुस्लिम लीग के एजेंडे (जिस एजेंडे के तहत भारत का विभाजन हुआ) को फिर से आगे बढ़ाने का काम कर रहा है।कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बुधवार को पश्चिम बंगाल में 2010 से कई वर्गों को दिए गए ओबीसी दर्जे को अवैध करार दिया। अदालत ने कहा कि सूची में मुसलमानों के 77 वर्गों को शामिल करना उन्हें वोट बैंक के रूप में मानने के लिए था।इस पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए बनर्जी ने कहा था कि वह आदेश को स्वीकार नहीं करेंगी और इसे ऊपरी अदालत में चुनौती देंगी।बनर्जी के इस बयान को संविधान का अपमान करार देते हुए नड्डा ने सवाल किया कि क्या मुख्यमंत्री संविधान से ऊपर हैं?उन्होंने पूछा, क्या संविधान के तहत काम करना उनका (बनर्जी) काम नहीं है? क्या संविधान की रक्षा करना उनका काम नहीं है? ममता बनर्जी जी को पता होना चाहिए कि संविधान से ऊपर कोई भी नहीं है। ममता बनर्जी भी संविधान की रक्षा की शपथ लेकर ही मुख्यमंत्री बनी हैं। ममता बनर्जी का यह बयान संविधान का अपमान है। भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया पश्चिम बंगाल में भी जनता बनर्जी की तुष्टिकरण की राजनीति के खिलाफ मतदान कर रही है और लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की करारी हार तय है। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए नड्डा ने कहा कि ऐसे मुद्दों पर जब उच्च न्यायालय का फैसला आता है और इंडी गठबंधन के मुस्लिम तुष्टीकरण का पर्दाफाश होता है तथा इंडी गठबंधन की गतिविधियों में तुष्टीकरण की राजनीति स्पष्ट दिखाई देती है तो संविधान की पुस्तिका लेकर फिरते रहने वाले चुप्पी साध लेते हैं।

बाहरी व्यक्ति चला रहा ओडिशा सरकार

करंजिया-धामनगर। ओडिशा सरकार बाहरी लोगों द्वारा चलाए जाने का आरोप लगाते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने बृहस्पतिवार को दावा किया विधायक और सांसद जैसे जन प्रतिनिधि भी मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से नही मिल पा रहे है। करंजिया और धामरा में चुनावी रैलियो को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि इस चलन से छुटकारा पाने के लिए राज्य मे सरकार बदलने की जरूरत है। करंजिया मे जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होने कहा, ओडिशा सरकार को बाहरी व्यक्ति चला रहा है। ओडिशा का कोई ऐसा बेटा या बेटी नही है जो कि सरकार को चला सके। ओडिशा के विधायक और सांसदो को मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचने से कौन रोक रहा है? हालांकि, नड्डा ने किसी का नाम नही लिया, लेकिन उनका इशारा साफ तौर पर मुख्यमंत्री के करीबी सहयोगी नौकरशाह से बीजू जनता दल (बीजद) नेता बने वी.के. पांडियन की तरफ था।भाजपा पांडियन को ओडिशा की राजनीति मे बाहरी बताती रही है। पांडियन का जन्म तमिलनाडु मे हुआ, उन्होने दिल्ली मे पढ़ाई की और पंजाब कैडर मे भारतीय प्रशासनिक अधिकारी (आईएएस) अधिकारी के रूप मे अपना करियर शुरू किया, लेकिन एक ओडिशा की लड़की से शादी करने के बाद वह ओडिशा कैडर मे आ गए।लोगो से भाजपा को वोट देने का आग्रह करते हुए नड्डा ने कहा कि वह सभा को आश्वासन देते है कि केवल ओडिशा का बेटा या बेटी ही राज्य पर शासन करेगा।

प्राथिमिकी में लालू की बेटी रोहिणी का नाम शामिल, फरार लोगों की संपत्ति कुर्क

भाषा। छपरा-पटना

बिहार के सारण जिले में मतदान के बाद मंगलवार को हुई हिंसा के खिलाफ भाजपा की शिकायत के आधार पर पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य का नाम भी शामिल है। सोमवार को मतदान के अगले दिन हुई इस हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। घटना भिखारी ठाकुर चौक के पास बड़ा तेलपा इलाके में घटी थी। पुलिस के अनुसार पुलिस के सामने पेश नहीं हुए फरार व्यक्तियों की संपत्तियों को कुर्क करने की प्रक्रिया संबंधित अधिकारियों द्वारा शुरू कर दी गई है और राज्य सरकार ने बृहस्पतिवार को जिले में इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध दो दिन और बढ़ाकर 25 मई तक कर दिया।
सारण पुलिस ने मतदान के दिन (20

सारण हिंसाः

मई को) कथित अनियमितताओं और 21 मई को एक व्यक्ति की मौत के मामले में अब तक कुल चार प्राथमिकी दर्ज की हैं।पुलिस ने अब तक अपनी जांच के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है।चुनाव बाद हिंसा मामले में फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है।रोहिणी आचार्य सारण में निवर्तमान सांसद और भाजपा प्रत्याशी राजीव प्रताप रूडी के खिलाफ महागठबंधन की उम्मीदवार हैं। पुलिस ने सारण से भाजपा के लोकसभा उम्मीदवार के प्रतिनिधि मनोज कुमार द्वारा दायर एक ऑनलाइन शिकायत के आधार पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की संबंधित धाराओं के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की है। अपनी शिकायत में कुमार ने आरोप लगाया कि रोहिणी आचार्य, अपने सात समर्थकों और 50 अज्ञात लोगों के साथ 20 मई को छपरा विधानसभा सीट पर मतदान केंद्र संख्या 318 और 319 पर अवैधाअनियमित गतिविधियों में शामिल थीं।कुमार ने अपनी शिकायत में यह भी आरोप लगाया कि मतदान केंद्र संख्या 318 और 319 पर राजद कार्यकर्ताओं द्वारा भाजपा समर्थकों पर हमला भी किया गया।सारण के जिलाधिकारी अमन समीर ने बृहस्पतिवार को पीटीआई-भाषा से कहा, सारण में स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। सुरक्षाकर्मी मंगलवार की घटना के बाद भिखारी ठाकुर चौक के पास बड़ा तेलपा इलाके में कड़ी निगरानी रख रहे हैं। सरकार ने एहतियात के तौर पर जिले में इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध दो दिन और बढ़ाकर 25 मई तक कर दिया है। इससे पहले यह प्रतिबंध 23 मई तक लगाया गया था।

बेंगलुरु रेव पार्टी : तेलुगु अभिनेत्री सहित 86 लोगों ने लिया था मादक पदार्थ

बेंगलुरु। बेंगलुरु के एक फार्महाउस में हाल ही में हुई रेव पार्टी में शामिल लोगों के रक्त के नमूनों से पता चला है कि तेलुगु फिल्म जगत की एक अभिनेत्री सहित 86 लोगों ने मादक पदार्थ का इस्तेमाल किया था। पुलिस सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, जन्मदिन की पार्टी के बहाने आयोजित की गई इस रेव पार्टी मे कुल 103 लोग शामिल हुए थे, जिनमे 73 पुरुष और 30 महिलाएं थी। पुलिस ने 18-19 मई की दरम्यानी रात इलेक्ट्रॉनिक सिटी के पास एक फार्महाउस पर छापा मारा था, जिसमें एमडीएमए की गोलियां, एमडीएमए क्रिस्टल, कोकीन, महंगी गाड़ियां, डीजे उपकरण सहित 1.5 करोड़ रुपए मूल्य का सामान जब्त किया गया था। पुलिस ने छापेमारी के बाद पार्टी मे पकड़े गए लोगों की एक निजी अस्पताल मे रक्त के नमूनो की जांच करवाई थी, जिससे पता चला कि 59 पुरुषो और 27 महिलाओं ने मादक पदार्थों का इस्तेमाल किया था।

उत्कर्ष ने विस्तार किया

गोरखपुर। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने उत्तर प्रदेश राज्य में अपने नई बैंकिंग शाखा के उद्घाटन की घोषणा की। इस लॉन्च के साथ, बैंक उत्तर प्रदेश राज्य में 183 और देश में 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 890 बैंकिंग शाखाओं तक पहुंच गया है। भटहट, गोरखपुर के ग्राहक अब बैंक के उत्पादों और सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं जिनमें बचत बैंक खाता, चालू खाता, सावधि जमा और आवर्ती जमा के साथ-साथ विभिन्न ऋण उत्पाद जैसे आवास ऋण, व्यवसाय ऋण और संपत्ति के विरुद्ध ऋण, ऋण, बीमा और निवेश उत्पाद शामिल हैं। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के एमडी और सीईओ गोविंद सिंह ने कहा, उत्तर प्रदेश हमारे लिए बहुत महत्व रखता है। हमारा नवीनतम बैंकिंग शाखा न केवल स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देता है, बल्कि समुदाय को मजबूत करने के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधन भी प्रदान करता है।

चुनाव के दौरान बसों की बुकिंग बढ़ी

नोएडा । दुनिया के सबसे बड़े ऑनलाइन बस टिकटिंग प्लेटफॉर्म रेडबस ने पांचवें चरण के चुनावों दौरान गैर-चुनावी सप्ताहांत (5-7 अप्रैल) के मुकाबले लखनऊ यात्रा में 35 प्रतिशत की भारी वृद्धि देखी है। रेडबस प्लेटफॉर्म के डेटा के अनुसार, कानपुर में चौथे चरण चुनाव में अंतर-शहरी बस बुकिंग में 28त्न की वृद्धि देखी गई, जो गैर-चुनावी अवधि के मुकाबले अधिक थी। इसी तरह बरेली में तीसरे चरण के चुनावों के दौरान बस बुकिंग में 17त्न की वृद्धि देखी गई और मेरठ में दूसरे चरण के चुनावों के दौरान 16त्न की वृद्धि दर्ज की गई। इस बारे में प्रकाश संगम, सीईओ, रेडबस ने कहा, उत्तर प्रदेश में बढ़ी हुई बस टिकट बुकिंग के बीच, हम चुनावों के दौरान सुलभ यात्रा को सुगम बनाने में बस परिवहन की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करना चाहते हैं। एक टिकटिंग प्लेटफ़ॉर्म के रूप में, हम यात्रियों को अंतिम समय की समस्याओं से बचने के लिए अग्रिम में अपने टिकट बुक करने के लिए दृढ़ता से प्रोत्साहित करते हैं। डेटा से पता चलता है कि इस महत्वपूर्ण अवधि के दौरान बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए बस यात्रा की महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने वंदे भारत रेलगाड़ी रोकी

जम्मू। गर्मी के कारण उत्पन्न जल संकट के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए महिलाओं ने बृहस्पतिवार को यहां एक रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत रेलगाड़ी को रोक दिया। महिलाओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी कालोनी में जल संकट का समाधान जल्द से जल्द नही किया गया तो वे सभी आने और जाने वाली रेलगाड़ियों को बाधित कर देंगी। नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित करने में प्रशासन की कथित विफलता के विरोध में जम्मू ईस्ट कॉलोनी की सैकड़ों महिलाओं और कुछ बच्चों ने जम्मू रेलवे स्टेशन तक जुलूस निकाला।

पीएम कई युवा नेताओं की तुलना में तीन गुना अधिक ऊर्जावान : अन्नामलाई

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनाव प्रचार के दौरान दिखाया है कि वह राहुल गांधी जैसे युवा प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में तीन गुना अधिक ऊर्जावान हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति मोदी के बाद क्या? पर तभी चर्चा कर सकता है जब कड़ी मेहनत और लोकप्रियता के मामले में उनसे (मोदी) बेहतर कोई मनुष्य सामने आता है। भाजपा के तेज तर्रार नेता अन्नामलाई ने यहां पीटीआई संपादकों के साथ बातचीत में कहा, वह (मोदी) तंदुरुस्ती, मनोस्थिति के मामले में किसी से भी कहीं बेहतर हैं। इसलिए वह लंबे समय तक के लिए वहां हैं। अन्नामलाई ने कोयंबटूर से लोकसभा चुनाव लड़ा है। उन्होंने मौजूदा प्रचार अभियान के दौरान मोदी की बड़ी संख्या में रैलियों, यात्राओं और साक्षात्कारों के बारे में बात की। पूर्व आईपीएस अधिकारी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के हाल के उस दावे का जिक्र करते हुए यह टिप्पणी की कि मोदी अगले साल 75 वर्ष के होने के बाद पद छोड़ देंगे। केजरीवाल ने अपने इस दावे से राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया था कि गृह मंत्री अमित शाह मोदी का स्थान लेंगे। केजरीवाल के इस दावे का राजनाथ सिंह तथा जे.पी.नड्डा जैसे भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने तुरंत खंडन किया था। उन्होंने कहा, मैं वास्तव में यह नहीं समझ पा रहा हूं कि केजरीवाल जी या राहुल गांधी जी अचानक 75वर्ष की उम्र के बारे में बात क्यों कर रहे हैं... भाजपा के

संविधान में ऐसा कुछ नहीं कहा गया है कि किसी को 75 वर्ष की उम्र में रिटायर होना चाहिए। यदि आप मोदी जी की उम्र और काम को देखें तो राहुल गांधी जी ने इस बार जो किया है उससे तीन गुना अधिक उन्होंने (मोदी) किया है। अन्नामलाई ने कहा, यदि आप हर चीज को देखें, तो वह (मोदी) हमेशा किसी भी व्यक्ति से तीन गुना अधिक मेहनत करते हैं। और आप मोदी जी से मुकाबला नहीं कर सकते। वह (मोदी) तंदुरुस्ती, मनोस्थिति के मामले में किसी से भी कहीं बेहतर हैं। आप पर्याप्त संख्या में नेता तैयार करेंगे और हमारे देश को 2029 में भी कभी कोई समस्या नहीं होगी। इस संदर्भ में अन्नामलाई ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और चेन्नई सुपर किंग्स के प्रतिष्ठित सुपरस्टार एम एस धोनी के साथ तुलना की, जो 42 साल की उम्र में भी प्रशंसकों को रोमांचित करना जारी रखे हुए हैं। उन्होंने कहा, यह उदाहरण मैं हमेशा अपने ध्यान में रखता हूं जो मेरे बहुत करीब है। मैं धोनी को वापसी करते और आईपीएल 2025 खेलते हुए देखना पसंद करूंगा। उन्होंने कहा, अब मैं फिर से यहां प्रेस के अपने मित्रों से कह रहा हूं, आप मुझे मोदी जी से बेहतर व्यक्ति बता दीजिए, फिर हम बात करेंगे कि मोदी जी के बाद क्या होगा। एक ऐसा व्यक्ति जो मोदी जी से ज्यादा काम कर सकता है, एक ऐसा व्यक्ति जो मोदी जी से ज्यादा यात्रा कर सकता है, एक ऐसा व्यक्ति जो मोदी जी से कम सो सकता है, एक व्यक्ति जो मोदी जी से ज्यादा लोकप्रिय है। अन्नामलाई ने कहा कि मोदी जी हर पार्टी सहयोगी को कार्यकर्ता मानते हैं और नेतृत्व के लिए एक नए समूह को सामने ला रहे हैं और हाल में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान जैसे राज्यों में ऐसा होते देखा गया है। उन्होंने दावा किया कि तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक जैसी पार्टी कुछ परिवारों और विभिन्न क्षेत्रों के प्रभारी ठेकेदार द्वारा चलाई जाती है।

क्विक न्यूज

बंगाल के नंदीग्राम में भाजपा की महिला कार्यकर्ता की हत्या पर पार्टी ने किया प्रदर्शन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में पूर्व मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की एक महिला कार्यकर्ता की हत्या किए जाने के बाद बृहस्पतिवार को पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। नंदीग्राम में भाजपा कार्यकर्ताओं ने वाहनों के टायर जला दिए, सड़कें अवरुद्ध कीं और दुकानों के शटर गिरा दिए। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि सोनाचूरा गांव में भाजपा की 38 वर्षीय कार्यकर्ता रथिरानी अरी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) समर्थित अपराधियों ने हत्या की है। भाजपा के एक स्थानीय नेता ने बताया कि पार्टी ने पहले नंदीग्राम में बंद का आह्वान किया था, लेकिन बाद में इस फैसले को वापस ले लिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बुधवार देर रात मोटरसाइकिल पर आए अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने अरी की हत्या कर दी थी और कुछ लोगों को घायल कर दिया था। भाजपा के जिला महासचिव मेघनाद पॉल ने पीटीआई-भाषा को बताया, अरी और कई अन्य पार्टी कार्यकर्ताओं को कल रात एक स्थानीय मतदान केंद्र की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी, लेकिन टीएमसी समर्थित अपराधियों ने उन पर हमला कर दिया। अरी की हत्या कर दी गई और अन्य लोगों को घायल कर दिया गया। उन्होंने बताया कि कथित तौर पर घायल हुए सात लोगों में से एक की हालत गंभीर है और उसे कोलकाता के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नंदीग्राम के तृणमूल कांग्रेस नेता स्वदेश दास ने इन आरोपों को खारिज कर दिया और दावा किया, मृतक महिला का कुछ पारिवारिक विवाद था और हो सकता है इसी कारण से उसकी हत्या की गई हो।

दूरसंचार कंपनियों को छह लाख मोबाइल कनेक्शन का सत्यापन करने का निर्देश

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग ने दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को छह लाख से अधिक मोबाइल कनेक्शन का सत्यापन करने का निर्देश दिया है। ए ऐसे कनेक्शन है, जिनके बारे में संदेह है कि ए गलत दस्तावेजों का उपयोग करके प्राप्त किए गए है। विभाग ने दूरसंचार कंपनियो को 60 दिन के भीतर चिन्हित मोबाइल नंबरों का फिर से सत्यापन करने का निर्देश दिया है। बयान में कहा गया है, दूरसंचार विभाग ने लगभग 6.80 लाख मोबाइल कनेक्शन की पहचान की है। इनके बारे में संदेह है कि ए अवैध, गलत और जाली पहचान प्रमाण और पते के प्रमाणपत्र जैसे केवाईसी दस्तावेजों का उपयोग करके प्राप्त किए गए है। विभाग ने कृत्रिम मेधा (एआई) के जरिए विश्लेषण के बाद लगभग 6.80 लाख मोबाइल कनेक्शन को संभावित रूप से धोखाधड़ी वाले नंबर के रूप में चिह्नित किया है। बयान मे कहा गया है, गलत या फर्जी केवाईसी दस्तावेज का उपयोग बताता है कि इन मोबाइल कनेक्शन को गलत तरीके से प्राप्त किया गया। दूरसंचार विभाग ने दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को इन चिन्हित मोबाइल नंबरों का फिर से सत्यापन करने के निर्देश जारी किए है। सभी दूरसंचार कंपनियों को 60 दिन के भीतर चिह्नित कनेक्शनों को फिर से सत्यापित करना अनिवार्य है। अगर सत्यापन में कनेक्शन विफल पाया जाता है, उसे बंद कर दिया जाएगा।

सादियात सांस्कृतिक जिला विरासत को बढ़ाएगा

मुंबई। सादियात सांस्कृतिक जिला एक ग्लोबल प्लेटफार्म है, जो समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं का जश्न मनाता है और समतापूर्ण संस्कृति को आगे बढ़ाता है। यह सशक्तिकरण का प्रतीक है, संग्रहालयों, संग्रहों और कहानियों को प्रदर्शित करता है जो विविध वैश्विक सांस्कृतिक परिदृश्य को बढ़ावा देते हुए क्षेत्र की विरासत का जश्न मनाते हैं। मोहम्मद अल मुबारकए चेयरमैन, डीसीटी अबू धाबी ने कहा कि संस्कृति मह संबंधों से परे है, यह हमारे विकास को आकार देती है और हमारे दृष्टिकोण को व्यापक बनाती है। यहाँ अबू धाबी में हम इस प्रभाव को अपनाते है, एक गहरी प्रशंसा को बढ़ावा देते हैं जो हमारे पूरे समुदाय में गूंजती है। सादियात सांस्कृतिक जिला श्सांस्कृतिक आशाश् का प्रतीक है। यह जिला सांस्कृतिक विविधता का संदेश देगा जो समय के साथ और मजबूत होगा, वैश्विक संबंध बनाएगाए सांस्कृतिक आदान.प्रदान को प्रेरित करेगा और क्षेत्र, ग्लोबल साउथ और दुनिया का समर्थन करने के लिए नई सोच को बढ़ावा देगा। सादियात सांस्कृतिक जिला एक ऐसी जगह है जहाँ लोग अतीत से सीख सकते हैंए अपने वर्तमान को समझ सकते हैं और अपने भविष्य पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। सादियात सांस्कृतिक जिला अबू धाबी की विरासत को संरक्षित करने और एक दूरदर्शी दृष्टि को अपनाने की प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है। यह जिला दुनिया को विविध संस्कृतियों से जुड़ने, संवाद और आदान.प्रदान को बढ़ावा देने के लिए आमंत्रित करता हैए और एक वैश्विक सांस्कृतिक स्थान प्रदान करता है जो क्षेत्र और ग्लोबल साउथ को सशक्त बनाता है।

टीवीएस इनोवेशन को बढ़ावा देगा

मुंबई । मोबिलिटी से जुड़े सस्टेनेबल सॉल्यूशंस प्रदान करने और ग्राहकों को अपनी पावर ऑफ चॉइस के साथ मजबूत बनाने की अपनी जिम्मेदारी के अनुरूप ग्लोबल स्तर पर अग्रणी वाहन निर्माता टीवीएस मोटर कंपनी ने 2.2 किलोवाट बैटरी के साथ टीवीएस आईक्यूब के अपने नए वेरिएंट को लॉन्च किया। इसके साथ ही, कंपनी पूरे यूपी में ग्राहकों तक टीवीएस आईक्यूब एसटी को पहुंचाने के लिए तैयार है। ये बाते लखनऊ में टीवीएस मोटर कंपनी के ईवी बिजनेस के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट मनु सक्सेना ने कही। टीवीएस आईक्यूब एसटी अब दो वेरिएंट्स, 3.4 किलोवाट और 5.1 किलोवाट में आएगा, जो कि सेगमेंट में सबसे बड़ा बैटरी पैक है। इसके साथ, टीवीएस आईक्यूब सीरीज के तहत अब 11 शानदार रंगों में पांच वेरिएंट उपलब्ध हैं। इस तरह यह सीरीज बाजार में सबसे बड़े और सबसे आकर्षक ईवी पोर्टफोलियो में से एक बन जाती है। नए वेरिएंट के लॉन्च के अवसर पर टिप्पणी करते हुए, टीवीएस मोटर कंपनी के ईवी बिजनेस के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट मनु सक्सेना ने कहा, "टीवीएस मोटर कंपनी में हमारी निरंतर यही कोशिश है कि इंडस्ट्री में लगातार इनोवेशन और सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा दिया जाए।

इनोवेटिव डिवाईस की मांग बढ़ी

नई दिल्ली। भारत के सबसे भरोसेमंद स्मार्टफोन सेवा प्रदाता रियलमी ने दो क्रांतिकारी उत्पाद लॉन्च किए हैं जिनमें से एक इसकी फ्लैगशिप जीटी सीरीज़ में लॉन्च किया गया उत्पाद रियलमी जीटी 6टी है और दूसरा एआईओटी सेगमेंट में पेश किया गया रियलमी बड्स एयर 6 है। ये दोनों इनोवेटिव डिवाईस आधुनिक फीचर्स के साथ स्मार्ट डिज़ाईन पेश करती हैंए जो आपके अनुभव को एक नए स्तर में ले जाएंगी। रियलमी जीटी 6टी दो साल के लंबे इंतजार के बाद आईकोनिक जीटी सीरीज़ की भारतीय बाजार में वापसी कर रहा है। रियलमी जीटी सीरीज़ अपनी शुरुआत से ही लगातार अत्याधुनिक टेक्नोलॉजिकल इनोवेशंस का प्रतीक रही है। इस लॉन्च के बारे में रंजीत बाबूए डायरेक्टर कि वायरलेस एवं हो एंटरटेनमेंट कि अमेज़न इंडिया ने कहा ष्हमें अमेज़नण्इन पर रियलमी जीटी 6टी और रियलमी बड्स एयर6 का लॉन्च करने की खुशी है।

घाटकोपर होर्डिंग हादसे से पहले भिंडे पर 100 से अधिक बार जुर्माना लगा था : पुलिस

मुंबई। मुंबई के घाटकोपर इलाके मे होर्डिंग गिरने की घटना के सिलसिले मे गिरफ्तार भावेश भिंडे पर नियमो के उल्लंघन के लिए बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) ने अतीत मे कम-से-कम 100 बार जुर्माना लगाया था। पुलिस जांच में यह जानकारी सामने आई है। भावेश भिंडे घाटकोपर के छेड़ा नगर इलाके मे एक पेट्रोल पंप पर विशाल आकार का होर्डिंग लगाने वाली विज्ञापन कंपनी इगो मीडिया का निदेशक था। तेज आंधी मे यह विशाल होर्डिंग 13 मई को गिर गया था जिसमे 17 लोगो की मौत हो गई थी। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को कहा कि मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने अपनी जांच मे पाया कि बीएमसी ने अवैध होर्डिंग लगाने या उनके आकार और अन्य मापदंडो से संबंधित नियमो का उल्लंघन करने के लिए भिंडे पर 100 से अधिक बार जुर्माना लगाया या उसे नोटिस जारी किया था।

बांग्लादेश के सांसद के दोस्त ने उनकी हत्या के लिए पांच करोड़ रुपए की सुपारी दी थीः सीआईडी

भाषा। कोलकाता

बांग्लादेश के सांसद अनवारुल अजीम अनार क हत्या की प्रारंभिक जांच से पता चला है कि उनके दोस्तों में से एक ने उनकी (सांसद) हत्या के लिए लगभग पांच करोड़ रुपए की सुपारी दी थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बृहस्पतिवार को दावा किया था। अधिकारी ने कहा कि अवामी लीग के सांसद के दोस्त के पास कोलकाता में एक फ्लैट है और वह संभवतः इस समय अमेरिका में है। पुलिस ने यह भी कहा कि कोलकाता के न्यू टाउन इलाके के जिस फ्लैट में बांग्लादेश के सांसद को आखिरी बार प्रवेश करते देखा गया था, उसे उसके मालिक ने अपने दोस्त को किराए पर दिया था। इस फ्लैट का मालिक उत्पाद शुल्क विभाग का कर्मचारी है। अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, यह एक सुनियोजित हत्या थी। सांसद के एक पुराने मित्र ने उन्हें मारने के लिए भारी रकम (लगभग पांच करोड़ रुपए) का भुगतान किया था। आगे की जांच जारी है। बांग्लादेश के गृहमंत्री असदुजमन खान ने बुधवार को कहा था कि 13 मई से कोलकाता से लापता सांसद की हत्या हुई है और तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस बीच, पश्चिम बंगाल पुलिस ने कहा था कि मामले की जांच राज्य सीआईडी कर रही है। अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, यह एक सुनियोजित हत्या थी। सांसद के एक पुराने मित्र ने उन्हें मारने के लिए भारी रकम (लगभग पांच करोड़ रुपए) का भुगतान किया था।

अनुचित तरीके से निशाना बनाया गया, भाजपा का कारण बताओ नोटिस हतोत्साहित करने वालाः जयंत

भाषा। रांची

चुनाव प्रचार में हिस्सा नहीं लेने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नोटिस पर पार्टी सांसद जयंत सिन्हा ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्हें अनुचित तरीके से निशाना बनाया गया और नोटिस उनके जैसे समर्पित कार्यकर्ताओं को हतोत्साहित करने जैसा है। सिन्हा ने कारण बताओ नोटिस का जवाब देते हुए कहा कि उन्होंने दो मार्च को ही भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा को सूचित कर दिया था कि वह चुनावी जिम्मेदारियां नहीं निभा पाएंगे क्योंकि वह वैश्विक जलवायु परिवर्तन से संबंधित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। हजारीबाग के सांसद ने यह भी कहा कि पार्टी का यह आरोप लगाना गलत है कि उन्होंने 20 मई को अपना वोट नहीं डाला। सिन्हा ने कहा कि उन्होंने डाक मतपत्र

के माध्यम से अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया था और मतदान के दिन देश में नहीं थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से कारण बताओ नोटिस का जवाब दिया है। उन्होंने पोस्ट में कहा, पार्टी में मेरे योगदान को देखते हुए आपके पत्र को सार्वजनिक रूप से जारी करना अनुचित है। आपका दृष्टिकोण समर्पित पार्टी कार्यकर्ताओं को हतोत्साहित करता है और पार्टी के सामूहिक प्रयासों को कमजोर करता है। पार्टी के प्रति मेरी निष्ठा और कड़ी मेहनत के बावजूद, ऐसा प्रतीत होता है कि मुझे अनुचित तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। मनीष जायसवाल को हजारीबाग लोकसभा सीट से उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद चुनाव प्रचार में भाग नहीं लेने के लिए भाजपा ने सोमवार को सिन्हा को नोटिस भेजकर कहा कि इससे पार्टी की छवि खराब हुई। सिन्हा ने पोस्ट में कहा, हम निश्चित रूप से आपकी किसी भी शंका को दूर करने के लिए किसी भी समय व्यक्तिगत रूप से या फोन पर बात कर सकते थे। हजारीबाग लोकसभा चुनाव के लिए जिम्मेदार पार्टी पदाधिकारी के रूप में आप किसी भी समय मुझसे संपर्क कर सकते थे। चुनाव खत्म होने के बाद, मुझे पत्र क्यों भेजा गया यह समझ से परे है। जयंत पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा के बेटे हैं।

आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा ने राहुल, ममता को घेरा

● इंडिया गठबंधन पर तुष्टीकरण का लगाया आरोप

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरक्षण के मुद्दे पर बृहस्पतिवार को इंडिया गठबंधन पर ताजा हमला करते हुए विपक्षी समूह पर तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप लगाया और कहा कि देश के लोग लोकसभा चुनाव में उसे करारा जवाब देंगे। भाजपा का यह आरोप पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ममता बनर्जी के उस बयान के एक दिन बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि वह राज्य में कई वर्गों के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के दर्जे को रद्द कर देने वाले कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले को स्वीकार नहीं करेंगी। उनकी टिप्पणियों पर भाजपा के वरिष्ठ नेता शिवराज सिंह चौहान ने कहा, तुष्टीकरण कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस जैसी पार्टियों की खुराक और आहार है। इसके बिना, वे एक दिन भी जीवित नहीं रह सकते। मध्य प्रदेश

की पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में सत्ता संभालने के बाद बनर्जी ने वोट बैंक की राजनीति की और कई जातियों को ओबीसी प्रमाणपत्र दिए और इसके लाभार्थियों में मुस्लिम, बांग्लादेशी और रोहिंग्या शामिल हैं।उन्होंने यहां पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, मामले में कलकत्ता उच्च न्यायालय का बुधवार को आया फैसला बनर्जी के वोट बैंक की राजनीति पर करारा तमाचा है। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बुधवार को पश्चिम बंगाल में 2010 से कई वर्गों को दिए गए ओबीसी दर्जे को अवैध करार दिया। अदालत ने कहा कि सूची में मुसलमानों के 77 वर्गों को शामिल करना उन्हें वोट बैंक के रूप में मानने के लिए था। इस पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए बनर्जी ने कहा कि वह आदेश को स्वीकार नहीं करेंगी और इसे ऊपरी अदालत में चुनौती देंगी।चौहान ने उच्च न्यायालय के आदेश को स्वीकार करने से इनकार करने पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री की आलोचना की और उनकी टिप्पणी को संविधान का अपमान बताया। उन्होंने कहा, ममता बनर्जी अपने बारे में क्या सोचती हैं? क्या वह संविधान से ऊपर हैं? यह अहंकार और अराजकता की पराकाष्ठा है। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख को मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है जिन्होंने संविधान का उल्लंघन करते हुए धर्म के आधार पर आरक्षण दिया।

काम्या एवरेस्ट फतह करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय

भाषा। नई दिल्ली-जमशेदपुर

काम्या कार्तिकेयन नेपाल की ओर से दुनिया की सबसे उंची पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय बन गई हैं। उन्होंने यह उपलब्धि 16 साल की उम्र में हासिल की। जमशेदपुर स्थित टाटा स्टील एड्वेंचर फाउंडेशन (टीएसएएफ) ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इस पर्वतारोहण में सहयोग करने वाले टीएसएएफ के एक अधिकारी ने बताया कि काम्या ने अपने पिता एवं भारतीय नौसेना के कमांडर एस. कार्तिकेयन के साथ एवरेस्ट की चोटी को फतह किया। उन्होंने बताया कि पिता और पुत्री 20 मई को एवरेस्ट की 8,849 मीटर उंची

चोटी पर पहुंचे। नौसेना अधिकारी की बेटी काम्या मुंबई के नौसेना बाल विद्यालय में बारहवीं कक्षा की छात्रा हैं। नौसेना की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, इस सफलता के साथ ही काम्या दुनिया की सबसे उंची चोटी पर चढ़ाई करने वाली दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की लड़की और नेपाल की ओर से एवरेस्ट फतह करने वाली सबसे कम उम्र की पहली भारतीय पर्वतारोही बन गई है। भारतीय नौसेना ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर काम्या की तस्वीरें साझा की। नौसेना ने कहा, काम्या ने सात महाद्वीपों में से छह में सबसे उंची चोटियों पर चढ़ाई करने में अपार साहस और धैर्य का प्रदर्शन किया है और इस साल दिसंबर में अंटार्कटिका में माउंट विंसन मैसिफ पर चढ़ने का लक्ष्य है, ताकि सात चोटियों को फतह करने वाली सबसे कम उम्र की लड़की बन सके। टीएसएएफ के अध्यक्ष चाणक्य चौधरी ने एक बयान में कहा, इतनी कम उम्र में माउंट एवरेस्ट को फतह करने की काम्या कार्तिकेयन की असाधारण उपलब्धि पर हमें बेहद गर्व है। उनकी यात्रा दृढ़ता, सावधानीपूर्वक तैयारी और अटूट दृढ़ संकल्प की भावना का प्रमाण है। चौधरी ने कहा कि वह हर जगह युवा साहसी लोगों के लिए एक प्रेरणा हैं, जिसने साबित किया है कि समर्पण और सही सहयोग के साथ, सबसे महत्वाकांक्षी सपनों को भी साकार किया जा सकता है। वह मुंबई स्थित नेवी चिल्ड्रेन स्कूल में 12वीं का छात्रा हैं। काम्या प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल शक्ति पुरस्कार से सम्मानित की जा चुकी हैं। यह पुरस्कार देश में बच्चों को उनकी असाधारण उपलब्धि के लिए दिया जाता है।

जागरूकता की कमी को दूर करना जरूरी

मुंबई। साल 2070 तक नेट जीरो के लंबे समय के लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारत में सड़कों से माल ढुलाई को पूरी तरह से बिजली से संचालित बनाना तात्कालिक जरूरत है पूरे उत्तर प्रदेश के लगभग 300 ट्रक ड्राइवरों और एलीट मालिकों में अजय सिंह भी शामिल थे, जिन्हें हाल ही में नयी सोच की सवारी कार्यक्रम में अपने कुछ सवालों के जवाब मिले, जो ट्रकिंग कम्युनिटी से जुड़े लोगों के बीच इलेक्ट्रिक ट्रकों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए वर्तमान में जारी पहल का हिस्सा है। इसके बावजूद उनके मन में अभी भी कुछ संदेह थे और उन्होंने कहा, मैं नहीं जानता था कि इलेक्ट्रिक ट्रकों की पावर और पिकअप डीजल ट्रकों से बेहतर होती है, लेकिन इसकी लागत को लेकर मेरे मन में अभी भी थोड़ी शंका है, और अभी भी संभावित सब्सिडी, पेलोड क्षमता और सुरक्षा सुविधाओं के बारे में बहुत सारे सवाल हैं।

चेक संवैधानिक अदालत ने पन्नू मामले में प्रत्यर्पण के खिलाफ निखिल गुप्ता की याचिका खारिज की

भाषा। लंदन

चेक की संवैधानिक अदालत ने अमेरिकी सरजमीं पर एक खालिस्तानी चरमपंथी की कथित हत्या की साजिश रचने के मामले में अपने प्रत्यर्पण के खिलाफ भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता की याचिका खारिज कर दी। गुप्ता चेक की राजधानी प्राग की एक जेल में कैद है।

अमेरिकी संघीय अभियोजकों ने गुप्ता (52) के खिलाफ पिछले वर्ष नवंबर में मुकदमा दाखिल किया था। गुप्ता पर भारत सरकार के एक कर्मचारी के साथ मिलकर खालिस्तानी अलगाववादी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश रचने का आरोप है। पन्नू अमेरिका में रहता है और उसके पास अमेरिकी और कनाडा की दोहरी नागरिकता है। गुप्ता को 30 जून 2023 को चेक गणराज्य के प्राग से गिरफ्तार किया गया था और फिलहाल वह जेल में है। अमेरिकी सरकार उसे अमेरिका प्रत्यर्पित कराने की कोशिश कर रही है।

चेक संवैधानिक अदालत ने प्रत्यर्पण के खिलाफ गुप्ता की याचिका पर सुनवाई की। अदालत ने बुधवार को एक बयान में कहा, संवैधानिक अदालत को ऐसी किसी परिस्थिति का भान नहीं हुआ, जिसमें प्रत्यर्पण को मंजूर करने से संवैधानिक मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रता का किसी भी प्रकार का उल्लंघन होता हो। संवैधानिक अदालत ने कहा कि इसने व्यवस्था दी है कि अधीनस्थ अदालत ने प्रत्यर्पण को रोक सकने वाले सभी पहलुओं पर पूर्ण रूप से विचार किया। इतना ही नहीं इसने इन दलीलों को भी खारिज कर दिया कि यह मामला राजनीतिक था।

संवैधानिक अदालत ने कहा, चेक अदालत के समक्ष शिकायतकर्ता की याचिका पर सुनवाई यहां समाप्त होती है। अदालत ने कहा कि वह म्युनिसिपल कोर्ट और द हाई कोर्ट का आदेश बरकरार रखते हुए प्रत्यर्पण को मंजूरी देने पर आम आदलतों के फैसले की पुष्टि करती है।

अदालत ने सुनवाई से पहले हिरासत से रिहा करने की गुप्ता की अर्जी को खारिज करने के स्थानीय अदालत के फैसले को भी बरकरार रखा।

बयान के मुताबिक, याचिकाकर्ता ने संवैधानिक अदालत के समक्ष कहा कि अदालतों ने उन सभी आवश्यक परिस्थितियों पर गौर नहीं किया, जो प्रत्यर्पण में रुकावट बन सकती थीं।

चेक गणराज्य की एक अदालत ने जनवरी में फैसला दिया था कि गुप्ता को अमेरिका प्रत्यर्पित किया जा सकता है।

ईरान के दिवंगत राष्ट्रपति रईसी को सुपुर्द-ए-खाक किया गया

एपी। दुबई

ईरान के दिवंगत राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी को देश की सबसे पवित्र शिया दरगाह में बृहस्पतिवार को सुपुर्द-ए-खाक किया गया। उनकी कुछ दिन पहले हेलीकॉप्टर दुर्घटना में विदेश मंत्री तथा छह अन्य लोगों के साथ मृत्यु हो गई थी। रईसी को मशहद स्थित इमाम रज़ा दरगाह के अंदर एक कब्र में दफनाया गया है। इस दरगाह में शिया समुदाय के आठवें इमाम दफन हैं। साल 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद रईसी पहले शीर्ष सरकारी अधिकारी हैं जिन्हें इस दरगाह में दफनाया गया है। वह पहले दरगाह और उससे जुड़े एक परोपकारी फाउंडेशन का जिम्मा संभाल चुके थे।

रईसी के दुर्घटना में मारे जाने के बाद ईरान के ज्यादातर हिस्सों में जुलूस निकाले गए थे। हालांकि इनके जनाजे में उतनी भीड़ शामिल नहीं हुई, जितनी 2020 में बगदाद में अमेरिकी ड्रोन हमले में रिवोल्यूशनरी गार्ड जनरल कासिम सुलेमानी के मारे जाने के बाद के जनाजे में थी। इसके पीछे रईसी को लेकर लोगों की भावनाएं एक संभावित संकेत हो सकती है। रईसी सरकार ने 2022 में महसा अमीनी की मौत को लेकर हुए प्रदर्शनों के दौरान सख्त कार्वाई की थी, जिसे लेकर लोगों में गुस्सा था।

अमीनी को ईरान की महिलाओं के लिए अनिवार्य हिजाब कथित तौर पर नहीं पहनने के लिए हिरासत में लिया गया था। उस कार्वाई के साथ-साथ ईरान की संघर्षरत अर्थव्यवस्था का सरकारी टेलीविजन और समाचार पत्रों द्वारा किए जा रहे कवरेज में कोई उल्लेख नहीं किया गया। इतना ही नहीं ईरान-इराक युद्ध के अंत में करीब पांच हजार असंतुष्ट लोगों की सामूहिक हत्या में रईसी के शामिल होने पर भी कभी चर्चा नहीं की गई। प्राधिकारियों ने रईसी के निधन पर खुशी जाहिर करने के लिए किसी भी तरह के सार्वजनिक संकेतों का इस्तेमाल करने को लेकर लोगों को चेतावनी दी है और दुर्घटना के बाद से तेहरान में भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया है। अफगान सीमा से सटे ईरान के दक्षिण खुरासान प्रांत में रईसी के गृहनगर बिरजंद शहर के मुख्य मार्ग पर बृहस्पतिवार सुबह हजारों की तादाद में लोग काले कपड़े पहने नजर आए। सड़क पर एक वाहन में उनका ताबूत रखा हुआ था और शोक में डूबे लोग ताबूत को छूने के लिए आगे रहे थे और श्रद्धांजलि दे रहे थे। रईसी को बाद में इमाम रजा दरगाह में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा, जहां शियाओं के आठवें इमाम को सपुर्द-ए-खाक किया गया था। यह क्षेत्र लंबे अरसे से शिया मुसलमानों का धार्मिक स्थल रहा है।

भारत में जन्मी जया बडिगा अमेरिकी अदालत में न्यायाधीश नियुक्त

भाषा। न्यूयॉर्क

भारतीय-अमेरिकी वकील जया बडिगा को कैलिफोर्निया में सैक्रामेंटो काउंटी की उच्च अदालत में न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसोम ने बडिगा की नियुक्ति की। इससे पहले वह 2022 से सैक्रामेंटो काउंटी की उच्च अदालत में आयुक्त के रूप में कार्य कर चुकी हैं।

आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा शहर में पैदा हुई बडिगा न्यायाधीश रॉबर्ट एस. लाफम की जगह लेंगी जो सेवानिवृत्त हो गए हैं।

डेमोक्रेटिक पार्टी की सदस्य बडिगा ने 2020 में कैलिफोर्निया स्वास्थ्य देखभाल सेवा विभाग में और 2018 में कैलिफोर्निया गवर्नर के आपातकालीन सेवा कार्यालय में एक वकील के रूप में भी काम किया।

सैक्रामेंटो कंट्री पब्लिक लॉ लाइब्रेरी के अनुसार, बडिगा एक प्रमाणित पारिवारिक कानून विशेषज्ञ हैं और उन्होंने दस वर्ष से अधिक समय तक पारिवारिक कानून से संबंधित काम किया है।

इस बीच, गवर्नर ने फ्रेस्नो काउंटी के राज सिंह बधेशा को फ्रेस्नो काउंटी की उच्च अदालत में न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया।

बधेशा न्यायाधीश जॉन एन. कपेटन का स्थान लेंगे जो सेवानिवृत्त हो गए हैं। वह 2022 से फ्रेस्नो सिटी अटॉर्नी कार्यालय में मुख्य सहायक नगर वकील के रूप में कार्य कर रहे थे। उन्होंने 2012 से कई भूमिकाओं में सेवाएं दी हैं।

फॉक्स26न्यूज़ ने इस महीने के शुरू में खबर दी थी कि बधेशा डेमोक्रेटिक पार्टी से जुड़े हैं और फ्रेस्नो काउंटी पीठ में नियुक्त होने वाले पहले सिख बन गए हैं। साथ में वह पगड़ी पहनने वाले कैलिफोर्निया के पहले सिख न्यायाधीश भी हैं। उनकी नियुक्ति का सेंट्रल वैली पंजाबी और एशियाई समुदायों में कई लोगों ने जश्न मनाया है।

चीन के हार्बिन शहर में एक इमारत में विस्फोट से एक की मौत, तीन घायल

एपी। बीजिंग

उत्तर-पूर्वी चीन के हार्बिन शहर में एक इमारत में बृहस्पतिवार सुबह हुए एक विस्फोट में एक महिला की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। हार्बिन चीन के उत्तर-पूर्वी प्रांत हेइलोंगजियांग की राजधानी है।

सोशल मीडिया में जारी वीडियो में हार्बिन में पांच मंजिला इमारत का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त नजर आ रहा है और एक मकान की बालकनी विस्फोट से पूरी तरह उड़ गई।

अधिकारियों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि विस्फोट एक नेचुरल गैस टैंक से होने का संदेह है।

जिमू न्यूज के अनुसार विस्फोट से एक महिला की मौत हो गई वहीं तीन लोग घायल हो गए।

इंटरनेट पर सामने आए एक वीडियो में एक व्यक्ति को एंबुलेंस से ले जाते हुए देखा जा सकता है, वहीं सड़कों पर मलबे का ढेर लगा है।

सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने अपनी एक खबर में बताया कि विस्फोट सुबह लगभग सात बजे हुआ।

इमरान खान ने न्यायालय में मामले की सुनवाई का सीधा प्रसारण किए जाने का आग्रह किया

भाषा। इस्लामाबाद

जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट सरकार द्वारा पेश किए गए राष्ट्रीय जवाबदेही अध्यादेश में संशोधन को रद्द करने के अनुरोध संबंधी उनकी याचिका की सुनवाई के दौरान व्यक्तिगत तौर पर उपस्थिति की अनुमति देने का आग्रह किया है।

उन्होंने साथ ही मामले की सुनवाई का सीधा प्रसारण किए जाने का भी अनुरोध किया है।

पाकिस्तानी अखबार डॉन न्यूज ने इमरान खान के वकील के हवाले से बताया कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के अध्यक्ष ने इस मामले में अदियाला जेल के अधिकारियों के माध्यम से उच्चतम न्यायालय में एक आवेदन दिया था।

पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय में एक सप्ताह पहले इस मामले में सुनवाई हुई थी। इस दौरान खान (71) याचिकाकर्ता के तौर पर वीडियो लिंक के माध्यम से न्यायालय में पेश हुए थे, लेकिन उन्हें अपनी बात रखने का मौका नहीं दिया गया था। क्रिकेटर से राजनीतिज्ञ बने खान ने भ्रष्टाचार के मामले में सुनवाई के बाद पत्रकारों से कहा, 30 मई को मेरा उच्चतम न्यायालय में एक मैच है।

इमरान खान तोशाखाना मामला, गैर-इस्लामी विवाह और गोपनीय दस्तावेज जारी करने के मामले में वर्तमान में रावलपिंडी की अदियाला जेल में सजा काट रहे हैं।

पीटीआई के संस्थापक एवं अध्यक्ष ने कहा कि उन्हें पाकिस्तान में आठ फरवरी को हुए आम चुनाव से पहले तीन बार दोषी ठहराया गया था, लेकिन लोगों ने तमाम नकारात्मक प्रचार के बावजूद उनकी पार्टी के पक्ष में मतदान किया था। उन्होंने कहा, वे सोच रहे थे कि पीटीआई चुनाव नहीं लड़ेगी। इमरान ने दावा किया कि उनकी पार्टी ने इस्लामाबाद में भारी अंतर से चुनाव जीता है।

खान ने कहा कि पीटीआई देश की अर्थव्यवस्था की नाजुक स्थिति के कारण संयम बरत रही है। उन्होंने हालांकि यह भी संकेत दिया कि संसद के आगामी बजट सत्र के दौरान उनकी पार्टी विरोध प्रदर्शन कर सकती है।

ऋषि सुनक, विपक्षी दल ने प्रारंभ किया चुनाव प्रचार

भाषा। लंदन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, उनकी कंजर्वेटिव पार्टी के सहयोगियों तथा विपक्षी दल लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर ने बृहस्पतिवार को आम चुनाव के लिए उत्साहपूर्वक प्रचार प्रारंभ किया। सुनक ने देश में महज छह सप्ताह बाद चार जुलाई को आम चुनाव कराने की घोषणा एक दिन पहले ही की थी

भारतीय मूल के नेता सुनक (44) ने बुधवार शाम बारिश के बीच 10 डाउनिंग स्ट्रीट की सीढ़ियों से अपने भाषण से देश के राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी।

प्रधानमंत्री ने चुनाव के लिए स्पष्ट योजना, साहसिक कदम, सुरक्षित भविष्य का नारा दिया है। उन्होंने पूर्वी लंदन में एक प्रचार कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा, अगले कुछ सप्ताह तक मैं प्रत्एक वोट के लिए संघर्ष करूंगा।

बारिश में भीगते हुए चुनाव की घोषणा करने का कारण पूछे जाने पर सुनक ने कहा कि यह दर्शाता है कि वह प्रतिकूल समय में पीछे हटने वाला नेता नहीं हैं। उन्होंने कहा, मैं अपने देश की परंपराओं में बहुत विश्वास करता हूं और जब प्रधानमंत्री इस तरह के महत्वपूर्ण बयान देते हैं तो वे डाउनिंग स्ट्रीट की सीढ़ियों से देते हैं, फिर चाहे बारिश हो या तेज धूप। मैं उन परंपराओं में विश्वास करता हूं और इसीलिए मैंने ऐसा किया।

विपक्षी दल लेबर पार्टी के नेता स्टार्मर ने अपने अभियान की शुरुआत परिवर्तन शब्द के साथ की।

उन्होंने कहा, चार जुलाई को आपके पास विकल्प है। साथ मिलकर हम अराजकता को रोक सकते हैं। हम ब्रिटेन का पुनर्निर्माण शुरू कर सकते हैं और अपने देश को बदल सकते हैं।

सोनी कंपनी फिल्मों, एनिमेशन और वीडियो गेम में रचनात्मकता लाने पर ध्यान दे रही है

एपी। तोक्यो

जापानी इलेक्ट्रॉनिक्स और मनोरंजन कंपनी सोनी ने कहा है कि वह पुराने जमाने के उपकरणों के बजाय फिल्मों, एनीमेशन और वीडियो गेम में रचनात्मकता लाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। सोनी कंपनी के मुख्य कार्यकारी केनिचिरो योशिदा ने बृहस्पतिवार को कंपनी की रणनीति का जिक्र करते हुए बताया कि सोनी रचनात्मक पेशेवरों को वह चीज प्रदान करने में मदद कर रही है जिसे वह कैंदो या रोमांचक अनुभव कहते हैं।

योशिदा ने इन खबरों के बारे में कोई जवाब नहीं दिया कि तोक्यो से संचालित सोनी और अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट कंपनियां पैरामाउंट ग्लोबल को खरीदने में रुचि रखती हैं।

योशिदा ने बताया कि कंपनी अब वॉकमैन पोर्टेबल म्यूजिक प्लेयर और ट्रीनिट्रॉन कलर टीवी जैसे अतीत के बेशकीमती उत्पादों के बजाय रचनात्मकता बढ़ाने पर जोर दे रही है।

रूसी सैन्य जनरल स्टाफ का एक उप प्रमुख रिश्वतखोरी के आरोप में गिरफ्तार

एपी। मास्को

रूस के सैन्य जनरल स्टाफ के एक उप प्रमुख को बड़े पैमाने पर रिश्वतखोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उच्च पदस्थ सैन्य अधिकारियों की रिश्वतखोरी में गिरफ्तारियों की श्रृंखला में यह नवीनतम मामला है। मीडिया में आई खबरों में यह जानकारी सामने आई है।

लेफ्टिनेंट जनरल वादिम शमारिन की गिरफ्तारी इस सप्ताह यूक्रेन में रूस के पूर्व शीर्ष कमांडर मेजर जनरल इवान पोपोव की रिश्वतखोरी के आरोप में गिरफ्तारी के बाद हुई है।

गिरफ्तार किए गए शमारिन रक्षा मंत्रालय के मुख्य संचार निदेशालय के प्रमुख भी थे। रूसी समाचार एजेंसियों ने एक सैन्य छावनी अदालत का हवाला देते हुए कहा कि उन्हें दो महीने के लिए हिरासत में रखा गया है, लेकिन मामले के अन्य विवरण नहीं बताए गए हैं।

इससे पहले, इस साल अप्रैल में, रक्षा उप मंत्री तैमूर इवानोव को रिश्वतखोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इवानोव सर्गेई शोइगु के करीबी सहयोगी थे। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इसी महीने शोइगु को रक्षा मंत्री के पद से बर्खास्त कर दिया था।

शोइगु को हटाए जाने के दो दिन बाद रक्षा मंत्रालय के कार्मिक निदेशालय के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल यूरी कुजनेत्सोव को रिश्वतखोरी के आरोपों में गिरफ्तार कर लिया गया।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने बताया कि रक्षा अधिकारियों की गिरफ्तारी का यह संकेत नहीं है कि यह सेना के खिलाफ अभियान है।

पेसकोव ने बृहस्पतिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई एक सतत कार्य है। यह कोई अभियान नहीं है। यह लगातार चलता रहता है। यह हमारे कानून प्रवर्तन एजेंसियों की गतिविधि का अनिवार्य हिस्सा है।

यूक्रेन के साथ लड़ाई में कीव पर जल्दी कब्ज़ा करने में रूस की विफलता के लिए शोइगु को व्यापक रूप से दोषी ठहराया गया था और निजी सेना के कमांडर एवगेनी प्रिगोझिन ने उन पर अक्षमता और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। प्रिगोझिन ने जून 2023 में शोइगू को हटाने और सेना प्रमुख जनरल वेलेरी गेरासिमोव को हटाने की मांग करते हुए विद्रोह कर दिया था।

दमन, धमकियों और संघर्ष के कारण हजारों पत्रकार अपने देश से भागने को हुए मजबूर : संरा विशेषज्ञ

एपी। संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र (संरा) की एक अन्वेषक ने बुधवार को कहा कि हाल के वर्षों में हजारों पत्रकारों को राजनीतिक दमन से बचने, अपनी जान बचाने और संघर्ष से बच निकलने के लिए अपने देश से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा लेकिन निर्वासित होने के बाद भी वे शारीरिक रूप से और डिजिटल तथा कानूनी खतरों का सामना करते रहे।

आइरीन खान ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में एक रिपोर्ट पेश करते हुए कहा कि निर्वासित पत्रकारों की संख्या बढ़ी है क्योंकि कुछ लोकतांत्रिक देशों में स्वतंत्र और आलोचनात्मक मीडिया के लिए जगह कम हो रही है, जहां सत्तावादी प्रवृत्तियां जोर पकड़ रही हैं।

उन्होंने कहा कि आज लोकतंत्र का समर्थन करने वाला और शक्तिशाली नेताओं को जवाबदेह ठहराने वाला निष्पक्ष, स्वतंत्र और विविधतापूर्ण मीडिया दुनिया के एक तिहाई से ज्यादा देशों में नदारद है या उसके काम में रुकावटें हैं। इन एक तिहाई देशों में विश्व की दो-तिहाई से ज्यादा आबादी रहती है।

अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार के संरक्षण और प्रसार पर संयुक्त राष्ट्र की स्वतंत्र अन्वेषक ने कहा कि ज्यादातर पत्रकार और कुछ स्वतंत्र मीडिया संस्थान अपने दश को छोड़ चुके हैं ताकि वे बिना डर या पक्षपात के स्वतंत्र रूप से खबरें दे सकें।

बांग्लादेशी वकील और एमनेस्टी इंटरनेशनल की पूर्व महासचिव खान ने कहा कि निर्वासित पत्रकार अक्सर खुद को अस्थिरता वाली परिस्थितियों में पाते हैं, जहां अक्सर उन्हें तथा उनके परिवारों को अपने ही देशों में धमकियों का सामना करना पड़ता है, वहीं जिस दूसरे देश में शरण लेते हैं वहां बिना किसी कानूनी दर्जे या पर्याप्त समर्थन के काम जारी रखना पड़ता है।

उन्होंने कहा, अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा के डर और आर्थिक तंगी व विदेशी में रहते हुए अन्य कई चुनौतियों से पार पाने के लिए संघर्ष करते हुए कई पत्रकार अंतत: अपना पेशा छोड़ देते हैं।

खान ने कहा, इस प्रकार निर्वासन, आलोचनात्मक आवाज को चुप कराने और प्रेस पर लगाम कसने का एक और तरीका बन गया है।

उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में अफगानिस्तान, बेलारूस, चीन, इथियोपिया, ईरान, म्यांमा, निकारागुआ, रूस, सूडान, सोमालिया, तुर्किए और यूक्रेन से सैकड़ों पत्रकारों को भागने के लिए मजबूर होना पड़ा।

उन्होंने दावा किया कि इसके अलावा बुरुंडी, ग्वाटेमाला, भारत, पाकिस्तान और ताजिकिस्तान सहित कई अन्य देशों से भी कुछ पत्रकारों ने अपना देश छोड़ा है।

बाइडन ने विकासशील देशों पर भारी कर्ज कम करने में मदद करने का आग्रह किया

एपी। वाशिंगटन

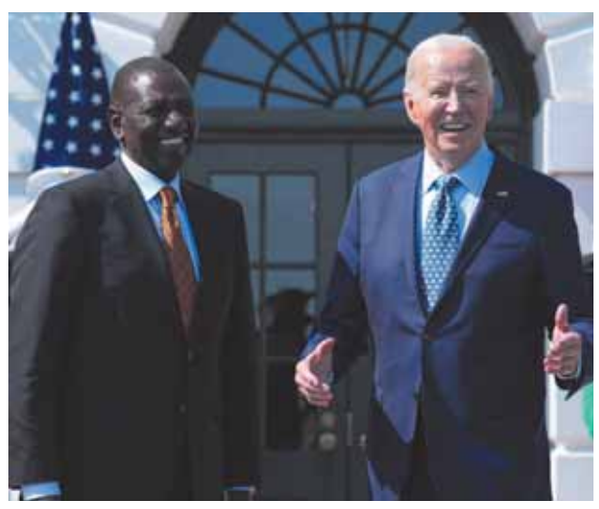

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो ने दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं से केन्या और अन्य विकासशील देशों को नुकसान पहुंचा रहे भारी कर्ज के बोझ को कम करने के लिए कदम उठाने का आह्वान किया है।

इस अफ्रीकी देश के किसी नेता द्वारा 15 वर्ष में की गई यह अमेरिका की पहली राजकीय यात्रा है।

इस कार्वाई का आह्वान (जिसे नैरोबी-वाशिंगटन दृष्टिकोध कहा जाता है) ऐसे समय में किया गया जबकि राष्ट्रपति बाइडन अफ्रीकी देशों से अपनी इस अपील पर जोर दे रहे हैं कि अमेरिका आर्थिक प्रतिद्वंद्वी चीन की तुलना में बेहतर भागीदार हो सकता है।

बीजिंग अफ्रीका महाद्वीप में अपना निवेश बढ़ा रहा है। यह काम अक्सर उच्च-ब्याज दर पर ऋण देकर और अन्य कठिन वित्तीय शर्तों के साथ किया जा रहा है।

बाइडन और रूटो चाहते हैं कि ऋणदाता देश उन विकासशील देशों के लिए वित्तपोषण बाधाओं को कम करें जो उच्च ऋण बोझ की वजह से लाचार हैं। वे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से बेहतर वित्तपोषण शर्तें प्रदान करने वाले बहुपक्षीय बैंकों और संस्थानों के माध्यम से ऋण राहत और समर्थन का समन्वय करने का भी आह्वान करते हैं।

व्हाइट हाउस ने संकट का सामना कर रहे गरीब देशों की सहायता के लिए विश्व बैंक के अंग के तहत, अंतरराष्ट्रीय विकास संघ के लिए 25 करोड़ अमेरिकी डॉलर के अनुदान की भी घोषणा की।

बाइडन और रूटो बृहस्पतिवार को व्हाइट हाउस के साउथ लॉन के मंडप में राजकीय रात्रिभोज से पहले औपचारिक वार्ता और एक संयुक्त समाचार सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

केन्या का ऋण के मुकाबले जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) का अनुपात 70 प्रतिशत से ऊपर है, जिसमें से बड़ा हिस्सा चीन द्वारा दिया गया कर्ज है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी फिच का अनुमान है कि केन्या इस साल अपने सरकारी राजस्व का लगभग एक तिहाई सिर्फ ब्याज भुगतान पर खर्च करेगा।

रूटो ने बुधवार को कहा कि बाइडन के साथ उनकी बातचीत में इस बात पर चर्चा होगी कि कैसे हम एक निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली बना सकते हैं जहां सभी देशों के साथ समान व्यवहार हो।

सनराइजर्स व रायल्स की नजर फाइनल पर

दूसरा क्वालीफायर आज :हैदराबाद के बल्लेबाजों और राजस्थान के स्पिनरों के बीच होगी जंग

भाषा। चेन्नई

सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स की टीमें फाइनल में जगह बनाने के लिए शुक्रवार को जब यहां दूसरे क्वालीफायर में आमने-सामने होंगी तो यह आईपीएल के सर्वश्रेष्ठ पावर हिटर ट्रेविड हेड और अभिषेक शर्मा तथा युजवेंद्र चहल और रविचंद्रन अश्विन की चतुर स्पिन जोड़ी के बीच मुकाबला भी होगा। हेड और अभिषेक की जोड़ी आक्रामक बल्लेबाजी को नए स्तर तक ले गई है और इस जोड़ी को प्रशंसकों से ट्रेविषेक नाम मिला है। हेड ने मौजूदा सत्र में 199.62 के स्ट्राइक रेट से 533 रन बनाए हैं जबकि अभिषेक के नाम पर 207.04 के स्ट्राइक रेट से 470 रन दर्ज हैं। दोनों ने मिलकर अब तक 72 छक्के और 96 चौके मारे हैं। इसके अलावा सनराइजर्स के पास हेनरिक क्लासेन (180 के स्ट्राइक रेट से 413 रन) के रूप में एक बेहतरीन बल्लेबाज है जो 34 छक्के मारे चुके हैं। उप्पल या कोटला या वानखेड़े की तुलना में चेपक में खेलना हालांकि बिलकुल अलग होगा क्योंकि यहां गेंद रुककर आती है और आते ही बड़े शॉट खेलना आसान नहीं होता। अपना अधिकतर क्रिकेट इसी मैदान पर खेलने वाले रॉयल्स के ऑफ स्पिनर अश्विन यहां की पिच से अच्छी तरह वाकिफ हैं और टूर्नामेंट के आखिरी चरण में उनकी फॉर्म में सुधार हुआ है। रॉयल्स को उम्मीद होगी कि देश के सर्वश्रेष्ठ लेग स्पिनर चहल के साथ वह हेड, अभिषेक और क्लासेन को जल्दी से जल्दी पवेलियन भेज देंगे जिससे कि वे मैच पर नियंत्रण बना सकें। जहां तक सनराइजर्स की गेंदबाजी की बात है तो एक बार फिर जिम्मेदारी टी नटराजन पर होगी जो इस सत्र में टीम के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं और यहां अपने घरेलू मैदान पर खेलते हुए परिस्थितियों का फायदा उठाना चाहेंगे। इसके अलावा भुवनेश्वर कुमार और पैट कमिंस की अनुभवी जोड़ी को भी काफी कुछ करना होगा क्योंकि पिछले दो मैचों में भुवनेश्वर कुमार ने कोई विकेट नहीं लिया है। सनराइजर्स की समस्या टीम में दो अच्छे स्पिनरों का नहीं होना भी है। मयंक मार्कंडेय बहुत अधिक प्रभावी नहीं हैं जबकि शाहबाज अहमद का मुख्य कौशल तेज बल्लेबाजी करना है, ना कि बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी।

आवेश की सफलता का मंत्रः अच्छी नींद, अच्छा खाना और अच्छी गेंदबाजी

अहमदाबाद। खाओ, सोओ, गेंदबाजी करो और दोहराओ। आवेश खान ने सफलता के मंत्र को सरल बना दिया है और इससे उन्हें फायदा हो रहा है जो इस साल के आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए महत्वपूर्ण मैचों के दौरान उनके प्रदर्शन में देखा जा सकता है। आवेश ने अधिकतर सपाट पिच पर खेले गए 15 मैचों में 16 विकेट चटकाए हैं। उन्होंने 9.81 की इकोनॉमी रेट से रन दिए हैं और डेथ ओवरों में उनके नियंत्रण ने उन्हें इस बार एक अलग गेंदबाज बना दिया है। बुधवार को आईपीएल एलिमिनेटर में रॉयल्स की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू पर जीत के दौरान तीन विकेट चटकाने वाले आवेश ने कहा, मैंने अपने क्रिकेट को सरल बना दिया है - मुझे (अच्छी तरह से) सोना है, मुझे (अच्छी तरह से) खाना है और मुझे (अच्छी तरह से) गेंदबाजी करनी है और इसके अलावा और कुछ नहीं है। क्रिकेट एक सर्कल की तरह है, जितना छोटा रखेंगे, उतना ही बेहतर होगा। आप इस सर्कल को जो बढ़ाएंगे तो आपको और अधिक कमियां दिखेंगी।

दिनेश कार्तिक ने आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

भाषा। नई दिल्ली

महेंद्र सिंह धोनी के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक का अंतरराष्ट्रीय करियर भले ही परवान नहीं चढ़ा हो लेकिन उन्होंने अपने प्रदर्शन से इस खेल के प्रशंसकों के दिलों पर राज किया। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का प्रतिनिधित्व करने वाले कार्तिक ने बुधवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ एलिमिनेटर मैच में हार के बाद अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल करियर को अलविदा कह दिया। आईपीएल ऐसा मंच है जहां कार्तिक की मांग कभी कम नहीं हुई। अपने 20 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में कई बार टीम से अंदर-बाहर होने वाले कार्तिक ने भारत के लिए 26 टेस्ट, 94 एकदिवसीय और 60 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। पिछले कुछ समय से कमेंटेटर की भूमिका निभाने वाले कार्तिक ने 38 साल की उम्र में भी विकेट के पीछे अपनी फिटनेस और बल्ले से चतुराई भरे शॉट खेल कर खुद को आज के दौर में भी प्रासंगिक बनाए रखा। आईपीएल के इस सत्र में बल्ले से दमखम दिखाने के बाद कार्तिक ने खुद को राष्ट्रीय टीम के लिए उपलब्ध करार दिया था लेकिन भारतीय चयनकर्ताओं ने युवा प्रतिभा को मौका देने का मन बना लिया था। कार्तिक ने इस साल फरवरी मार्च में भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट श्रृंखला के दौरान संन्यास लेने का मन बना लिया था लेकिन उनकी योजना के बारे में दुनिया को तब पता चला जब इंग्लैंड के माइकल एथरटन ने एक पॉडकास्ट में गलती से इसका खुलासा कर दिया। कार्तिक 2008 में आईपीएल शुरू होने के बाद से इसका अहम हिस्सा रहे हैं। उन्होंने इसके 17 सत्र में छह टीमों का प्रतिनिधित्व किया और 5000 से ज्यादा रन बनाए है। विकेट के पीछे भी उन्होंने 145 कैच लपकने के साथ 37 स्टंपिंग किए हैं। वह 2013 में आईपीएल चैम्पियन बनने वाली टीम मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे। उन्होंने इस दौरान कई क्रम पर बल्लेबाजी की लेकिन आरसीबी के साथ पिछले तीन साल से फिनिशर की भूमिका में प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

टी20 वर्ल्ड कप में दिखेगा इनोवेशन का प्रयोग

मुंबई। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप, 2024 से ठीक पहले डिज़्नी हॉटस्टार अपना सेल्फ-सर्व प्लेटफॉर्म वर्जन 2.0 लेकर आया है। इसकी शुरुआत अगस्त 2023 में एशिया कप और आईसीसी में क्रिकेट वर्ल्ड कप, 2023 से पहले की गई थी, जो अब अपग्रेडेड वर्जन में 5 भाषाओं - इंग्लिश, हिंदी, तमिल, तेलुगू और कन्नड़ में हर व्यावसायिक क्षेत्र और आकार के एडवरटाइज़र को एडवरटाइजिंग करने का सुगम व आसान अनुभव प्रदान कर रहा है। यह बेहतर सेल्फ-सर्व प्लेटफॉर्म एडवरटाईर्स की विभिन्न जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाईन किया गया है, जो अब डिज़्नी हॉटस्टार पर लाईव स्पोर्ट्स और विस्तृत एंटरटेनमेंट पोर्टफोलियो, दोनों में एडवरटाईमेंट सपोर्ट प्रदान करेगा। डिज़्नी हॉटस्टार इंडिया के हेड, एडवरटाईजमेंट्स, ध्रुव धवन ने कहा, "हम एडवरटाईजर्स और एजेंसी पार्टनर्स को इनोवेटिव एड समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा बेहतर सेल्फ-सर्व प्लेटफॉर्म हमारी इस प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है, और हर आकार के एडवरटाइजर्स को आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप, 2024 के दौरान मिलने वाले महत्वपूर्ण अवसरों का लाभ उठाने में समर्थ बनाता है। अब एडवरटाईजर इस टूर्नामेंट के बाद भी हमारी एंटरटेनमेंट पेशकशों द्वारा ग्राहकों तक पहुँच सकेंगे, जिससे ग्राहकों के साथ उनका स्थिर संपर्क स्थापित होगा। हम एडवरटाईजर्स और एजेंसी पार्टनर्स द्वारा अपने सेल्फ-सर्व प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल का उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं। डिज़्नी हॉटस्टार के सेल्फ-सर्व प्लेटफॉर्म एंड-टू-एंड ऑटोमेशन और स्ट्रीमलाईंड कैम्पेन सेट-अप प्रक्रिया द्वारा एडवरटाईजर तीन घंटे से कम समय में ही अपना कैम्पेन लॉन्च कर सकते हैं। इस प्लेटफॉर्म पर एडवरटाईजमेंट के विभिन्न एस्सेट जैसे मिड-रोल्स, प्रि-रोल्स आदि और 1000 से ज्यादा टार्गेटेड विकल्प मिलते हैं, ताकि एडवरटाईजर अपने ग्राहकों पर लक्ष्य केंद्रित कर सकें। इस कैम्पेन का बजट एंटरटेनमेंट के लिए केवल 50,000 रुपये में और लाईव स्पोर्ट्स के लिए 2 लाख रूपये में शुरू होता है। एडवरटाईजर अपनी जरूरतों के मुताबिक अपने कैम्पेन को अनुकूलित कर सकते हैं, और मिड-फ्लाईट एडजस्टमेंट एवं रियल-टाईम रिपोर्टिंग का लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं।

भारत की महिला और पुरुष जूनियर हॉकी टीमें हारीं

ब्रेडा (नीदरलैंड)। भारत की पुरुष और महिला जूनियर हॉकी टीमों को बुधवार को यहां यूरोप के मौजूदा दौरे पर बेल्जियम की टीमों के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। भारत की दोनों जूनियर टीमों को बेल्जियम की टीमों के खिलाफ 2-3 के समान अंतर से हार मिली। महिला टीम के लिए दोनों गोल बिनिमा धान (49वें और 58वें मिनट) ने किए जबकि पुरुष टीम के लिए दोनों गोल कप्तान रोहित (44वें और 57वें मिनट) ने दागे। महिला टीम अगला मैच 24 मई को एंटवर्प में बेल्जियम के खिलाफ खेलेगी जबकि पुरुष टीम को गुरुवार को ही ब्रेडा में ब्रेडेस हॉकी वेरेनिगिंग पुश से भिड़ना है।

हेक्टर देगा स्पोर्टी रफ्तार को रोमांच

लखनऊ। सौ सालों की समृद्ध विरासत वाले ब्रिटिश ऑटोमोबाइल ब्रांड एमजी (मॉरिस गैरेज) मोटर इंडिया की फ्लैगशिप एसयूवी हेक्टर, एसयूवी सेगमेंट में बेस्ट वैल्यू व्हीकल बनी है। ये वाहन रोमांच के रफ्तार को भी बढ़ावा देगा। स्पोर्टी लोगों को भी यह पसंद आएगा। यह कम्फर्टेबल राइड की पेशकश करते हुए आकर्षक फीचर्स से भी लैस है। बता दें कि एमजी हेक्टर ने हाल ही में नीलसन आईक्यू के सर्विस कॉस्ट सर्वे में पॉपुलर हैचबैक कारों और कॉम्पैक्ट एसयूवी के बीच ओनरशिप कॉस्ट के लिए टॉप रैंकिंग हासिल की है। इसके अतिरिक्त, ड्रूम्स के विश्लेषण में भी हेक्टर को रीसेल वैल्यू, फ्यूल एफिशिएंसी/ईंधन दक्षता और कस्टमर सेटिस्फेक्शन/ग्राहक संतुष्टि जैसे फैक्टर्स में सबसे आगे स्थान मिला है। नीलसन आईक्यू सर्विस कॉस्ट सर्वे ने जनवरी से अगस्त 2021 के बीच खरीदी गई एसयूवी और हैचबैक कारों का विश्लेषण किया और औसतन 3-5 नियमित सर्विसेस पूरी कीं। इस उपलब्धि पर एमजी मोटर इंडिया के चीफ कमर्शियल ऑफिसर, सतिंदर सिंह बाजवा ने कहा कि एमजी हेक्टर ने लॉन्च के बाद से ही एसयूवी पसंद करने वाले भारतीय लोगों के बीच अपनी खास जगह बनाई है। कई तकनीक और कनेक्टेड फीचर्स से लैस, हेक्टर ब्लैकस्टॉर्म अपने विशिष्ट लुक के साथ एसयूवी बॉयर्स के लग्जीरियस ड्राइविंग अनुभव को बढ़ाता है।

टी20 विश्व कप के लिए भारतीय एकादश में पंत का दावा मजबूतः पार्थिव

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर पार्थिव पटेल ने अमेरिका और वेस्टइंडीज में एक जून से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारत के शीर्ष क्रम में बाएं हाथ के बल्लेबाजों की कमी का जिक्र करते हुए विकेटकीपर के लिए ऋषभ पंत का दावा ज्यादा मजबूत बताया। लीजेंड्स इंटरकॉन्टिनेंटल टी20 लीग की घोषणा के लिए यहां पहुंचे पार्थिव ने गुरुवार को कहा टीम में विकल्प की कोई कमी नही है और ऐसे में टीम में कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल एकसाथ खेल सकते है। टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के विकेटकीपर की पहली पसंद के बारे में काफी चर्चा हो रही है क्योकि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान पंत ने शानदार प्रदर्शन किया है। सैमसन ने 15 मैचो में पांच अर्धशतक की मदद से 521 रन बनाए है। इस दौरान उनका औसत 52.10 और स्ट्राइक रेट 155.52 का रहा है। उनके शानदार प्रदर्शन के कारण उनकी टीम आईपीएल फाइनल में पहुंचने से एक जीत दूर है।

पेरिस ओलंपिक के लिए अंतिम क्वालीफायर में उतरेंगे भारतीय मुक्केबाज, पंघाल पर होगा फोकस

बैंकॉक। भारतीय मुक्केबाज शुक्रवार से यहां शुरु होने वाले दूसरे विश्व क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट मे पेरिस ओलंपिक के लिए उपलब्ध अंतिम स्थान हासिल करने के इरादे से रिंग मे उतरेंगे जिसमे वे रिंग के अंदर और बाहर की हालिया निराशा से उबरने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। पिछले क्वालीफाइंग टूर्नामेंट तक भारतीय मुक्केबाजो ने चार कोटे हासिल किए है लेकिन महिलाओ के 57 किग्रा वर्ग मे कोटा हासिल करने वाली परवीन हुड्डा पर ठिकाने की जानकारी देने मे विफलता के कारण 22 महीने का प्रतिबंध लगाए जाने की शर्मनाक घटना के बाद ए घटकर अब तीन हो गए है। मार्च में पिछले विश्व क्वालीफायर मे भारतीय मुक्केबाजो का प्रदर्शन निराशाजनक रहा जिसमे केवल 2023 विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता निशांत देव ही पहले दौर की बाधा पार कर पाए थे। इस दौरान कोचिंग संकट भी पैदा हो गया क्योंकि हाई परफोरमेंस निदेशक बर्नार्ड डुने ने पहले ही विश्व क्वालीफायर के दौरान अपना इस्तीफा सौंप दिया।

पूरी उम्मीद है कि धोनी अगले साल सीएसके के लिए उपलब्ध होंगेः सीईओ कासी विश्वनाथन

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कासी विश्वनाथन ने कहा कि उन्हे पूरी उम्मीद है कि पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 मे बतौर खिलाड़ी हिस्सा लेगे। सीएसके की अगुआई करते हुए पांच रिकॉर्ड आईपीएल खिताब दिलाने वाले धोनी ने इस सत्र के शुरू होने से एक दिन पहले कप्तानी से हटने का फैसला किया और यह जिम्मेदारी रुतुराज गायकवाड़ को सौप दी थी। सीएसके इस सत्र मे पांचवे स्थान पर रही। अटकले लगाई जा रही है कि यह धोनी का टूर्नामेंट मे अंतिम सत्र हो सकता है लेकिन विश्वनाथन ने माना कि अपने भविष्य पर अंतिम फैसला करना पूरी तरह से पूर्व भारतीय कप्तान धोनी पर निर्भर है।

सिंधू ने कड़े मुकाबले में यू जिन को हराया

मलेशिया मास्टर्सः अश्मिता भी क्वार्टर फाइनल मे

भाषा। कुआलालंपुर

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने गुरुवार को यहां कड़े मुकाबले में कोरिया की सिम यू जिन को हराया लेकिन दिन का आकर्षण अश्मिता चालिहा रहीं जिन्होंने दूसरे दौर में तीसरी वरीय बेइवेन झेंग को हराकर उलटफेर करते हुए मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पूर्व विश्व चैंपियन और दुनिया की 15वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू ने कोरिया की दुनिया की 34वें नंबर की खिलाड़ी यू जिन को महिला एकल के दूसरे दौर के मुकाबले में 59 मिनट में 21-13 12-21 21-14 से हराया। यू जिन के खिलाफ सिंधू की यह तीसरी जीत है। पिछले साल अक्टूबर में लगी घुटने की चोट से उबरने के बाद वापसी करते हुए हैदराबाद की 28 साल की सिंधू शीर्ष फॉर्म हासिल करने में नाकाम रही है। पांचवीं वरीय सिंधू अगले दौर में शीर्ष वरीय हेन युई से भिड़ेंगी। चीन की इस खिलाड़ी ने पिछले महीने निंग्बो में एशिया बैडमिंटन चैंपियनशिप में सिंधू को हराया था। पिछला खिताब 2022 में सिंगापुर ओपन में जीतने वाली सिंधू का दुनिया की छठे नंबर की खिलाड़ी के खिलाफ रिकॉर्ड अच्छा है। भारतीय खिलाड़ी ने हेन युई के खिलाफ छह में से पांच मुकाबले जीते हैं। दुनिया की 53वें नंबर की खिलाड़ी अश्मिता ने इसके बाद दुनिया की 10वें नंबर की खिलाड़ी झेंग को तीन गेम में 21-19 16-21 21-12 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। अश्मिता ने दूसरी बार किसी सुपर 500 प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। इससे पहले वह 2022 में इंडिया ओपन के भी अंतिम आठ में पहुंची थी। गुवाहाटी की यह खिलाड़ी अगले दौर में चीन की छठी वरीय और दुनिया की 16वें नंबर की खिलाड़ी झेंग ई मेन से भिड़ेगी। अश्मिता पिछले कुछ समय से अच्छी लय में हैं।

खेल मंत्रालय ने ओलंपिक से पहले लक्ष्य और सिंधू की विदेश में ट्रेनिंग को स्वीकृति दी

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन और पीवी सिंधू ओलंपिक की तैयारियो के लिए क्रमशः फ्रांस और जर्मनी मे ट्रेनिंग करेंगे। खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने दोनों खिलाड़ियों को वित्तीय सहायता देने की स्वीकृति दी। लक्ष्य ने फ्रांस के मार्सिले मे 12 दिवसीय ट्रेनिंग सत्र के लिए वित्तीय सहायता मांगी थी। पेरिस मे पुरुष एकल स्पर्धा मे भाग लेने वाले लक्ष्य ओलंपिक से पहले आठ से 21 जुलाई तक अपने कोच और सहयोगी स्टाफ के साथ द हाले डेस स्पोर्ट्स पार्समेन मे ट्रेनिंग लेंगे। सिंधू का प्रस्ताव जर्मनी के सारब्रुकेन मे हरमन-न्यूबर्गर स्पोर्टसशुल मे ट्रेनिंग के लिए था। पेरिस जाने से पहले वह अपने कोच और सहयोगी स्टाफ के साथ वहां एक महीने से अधिक समय तक अभ्यास करेंगी।

भारत की नजरें विश्व कप-टी20 में खिताब के सूखे को खत्म करने पर

भाषा। नई दिल्ली

टी20 क्रिकेट की लगातार बढ़ती लोकप्रियता के बीच भारत के पास दुनिया की सबसे लुभावनी और सबसे अधिक देखी जाने वाली लीग है। इसके बावजूद भारत की राष्ट्रीय टीम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उस तरह की सफलता हासिल नहीं कर पाई है। रोहित शर्मा की अगुआई में भारतीय टीम जब आगामी टी20 विश्व कप के लिए अमेरिका और कैरेबिया जाएगी तो उसकी नजरें दूसरे खिताब के लंबे इंतजार को खत्म करने पर टिकी होंगी। इसमें कोई संदेह नहीं कि इंडियन प्रीमियर लीग में पैसे और प्रतिभा की कोई कमी नहीं हैं और यह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेरों को आकर्षित करती है। भारत हालांकि आईपीएल की शुरुआत के बाद से टी20 विश्व कप जीतने में नाकाम रहा है। वर्ष 2007 में दक्षिण अफ्रीका में पहले टी20 विश्व कप का खिताब जीतने के बाद भारत सिर्फ एक बार 2014 में फाइनल में पहुंच पाया और तब उसे श्रीलंका के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा था। खिताब का यह सूखा अन्य प्रारूपों में भी दिखा। भारत ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का पिछला खिताब 2013 में इंग्लैंड में चैंपियन्स ट्रॉफी के रूप में जीता। इसके अलावा टीम ने 50 ओवर के विश्व कप में पिछला खिताब 2011 में जीता। पिछले साल भारत को इंग्लैंड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में शिकस्त का सामना करना पड़ा और इसके कुछ महीने बाद घरेलू सरजमीं पर 50 ओवर के विश्व कप के फाइनल में भी टीम ऑस्ट्रेलिया से हार गई ।एक अरब 40 करोड़ की जनसंख्या वाले क्रिकेट के दीवाने देश के प्रशंसकों के लिए 50 ओवर में विश्व कप में हार को पचाना आसान नहीं था क्योंकि टीम अपने सभी 10 मैच जीतकर फाइनल में पहुंची थी और जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही थी।

पोंटिंग ने भारत के मुख्य कोच का प्रस्ताव ठुकराया, कहा, मेरी जीवनशैली में फिट नही बैठता

भाषा। नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज रिकी पोंटिंग ने खुलासा किया है कि जल्द ही खाली होने वाले भारत के मुख्य कोच के पद के लिए उनसे संपर्क किया गया था लेकिन उन्होंने इस पेशकश को अस्वीकार कर दिया क्योंकि यह अभी उनकी जीवनशैली में फिट नहीं बैठता। हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल फ्रेंचाइजी के मुख्य कोच के रूप में सात सत्र पूरे करने वाले पोंटिंग इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के अंतरिम टी20 कोच रह चुके हैं। उन्होंने यह नहीं बताया कि भारतीय कोच के पद के लिए बीसीसीआई की ओर से कोई सुझाव आया था या नहीं। पोंटिंग ने आईसीसी से कहा, आईपीएल के दौरान कुछ आमने-सामने की बातचीत हुई थी, ताकि पता चल सके कि इस पद में मेरी दिलचस्पी है या नहीं। मैं राष्ट्रीय टीम का सीनियर कोच बनना पसंद करूंगा लेकिन मेरे जीवन में अन्य चीजें हैं और मैं घर पर कुछ समय बिताना चाहता हूं...हर कोई जानता है कि अगर आप भारतीय टीम के साथ काम करोगे तो आप आईपीएल टीम में शामिल नहीं हो सकते।

भारत के कोच पद के लिए आवेदन नहीं किया, करूंगा भी नहींः एंडी फ्लावर

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर की भारतीय कोच पद के लिए दावेदारी पेश करने की कोई योजना नही है। जिंबाब्वे के इस पूर्व कप्तान ने आईपीएल प्लेऑफ से अपनी टीम के बाहर होने के बाद इसकी पुष्टि की। राहुल द्रविड़ टी20 विश्व कप के बाद भारत के मुख्य कोच का पद छोड़ देंगे और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 27 मई तक नए कोच के पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए है।

भोई ने विश्व युवा चैंपियनशिप में क्लीन एवं जर्क विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता

लीमा (पेरू)। भारतीय भारोत्तोलक प्रीतिस्मिता भोई ने यहां आईडब्ल्यूएफ विश्व युवा चैंपियनशिप में महिला 40 किग्रा वर्ग में युवा क्लीन एवं जर्क विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। पंद्रह साल की प्रीतिस्मिता ने 75 किग्रा के पिछले रिकॉर्ड में बुधवार को यहां एक किग्रा का सुधार किया। उन्होंने प्रतियोगिता के पहले दिन स्नैच में भी 57 किग्रा के वजन से कुल 133 किग्रा वजन उठाया और कुल भार के विश्व रिकॉर्ड की दो किग्रा से बराबरी करने से चूक गईं।भारत की ही ज्योशना साबर ने कुल 125 किग्रा (56 किग्रा और 69 किग्रा) वजन उठाकर रजत पदक अपने नाम किया। तुर्की की फातमा कोलकैक कुल 120 किग्रा (55 किग्रा और 65 किग्रा) वजन उठाकर कांस्य पदक जीतन में सफल रहीं। भारत के दो अन्य भारोत्तोलकों ने भी पहले दिन पदक मंच पर जगह बनाई।पायल ने महिला 45 किग्रा वर्ग में कुल 147 किग्रा (65 किग्रा और 82 किग्रा) वजन उठाकर रजत पदक जीता। कोलंबिया की लॉरेन एस्ट्राडा ने कुल 151 किग्रा (67 किग्रा और 84 किग्रा) वजन के साथ दूसरा विश्व खिताब जीता। बाबूलाल हेम्ब्रोम पदक जीतने वाले भारत के चौथे भारोत्तोलक रहे। उन्होंने कुल 193 किग्रा (86 किग्रा और 107 किग्रा) वजन उठाकर पुरुष 49 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता।

राज्य सब जूनियर व जूनियर वुशू प्रतियोगिता का आज से आगाज़

लखनऊ। मेजबान लखनऊ सहित उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों के लगभग 400 खिलाड़ी आगामी 23 से 26 मई 2024 तक होने वाली 23वीं उत्तर प्रदेश राज्य स्तरीय जूनियर एवं 24वीं सब जूनियर वुशू प्रतियोगिता में पदकों पर दावेदारी करने के लिए प्रतिस्पर्धा करने उतरेंगे। स्थानीय केडी सिंह बाबू स्टेडियम के बैडमिंटन हॉल में उत्तर प्रदेश वुशू संघ के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता के मुकाबले ताओलू एवं सांडा;शानशूद्ध वर्ग में सब जूनियर व जूनियर वर्ग के वर्गीकृत भारवर्ग तथा इवेंट में खेले जाएंगे।उत्तर प्रदेश वुशू संघ के महासचिव मनीष कक्कड़ ने बताया कि इस चैंपियनशिप का औपचारिक उद्घघाटन 24 मई को किया जाएगा जबकि 23 मई को टीम रजिस्ट्रेशन व खिलाड़ियों का भार होगा। इस चैंपियनशिप में लगभग 400 खिलाड़ियों के अलावा 80 अधिकारी भी प्रतिभाग करेंगे।महासचिव मनीष कक्कड़ ने बताया कि विगत कई वर्षों में राज्य की सब.जूनियर व जूनियर टीम ने राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आशा से अधिक अच्छा प्रदर्शन किया है। इस वर्ष भी इस प्रतियोगिता के माध्यम से हमारे प्रदेश टीम को बड़ी संख्या में नए प्रतिभावान खिलाड़ी मिलेंगे जो राष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रदर्शन से प्रदेश का नाम रोशन करेंगे और राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह बना कर विदेश में देश का ध्वज लहरायेंगे।

फ्रेंच ओपनः पहले दौर में नडाल का मुकाबला ज्वेरेव से

पेरिस। राफेल नडाल ने फ्रेंच ओपन मे खेलने का फैसला कर लिया है और बृहस्पतिवार को जारी ड्रॉ के मुताबिक 14 बार के चैंपियन खिलाड़ी के सामने पहले दौर मे अलेक्जेंडर ज्वेरेव की मुश्किल चुनौती होगी।नडाल इस बात को लेकर असमंजस मे थे कि दो सत्रों से चोट के कारण प्रदर्शन मे उतार-चढ़ाव के बाद रोलां गैरों मे प्रतिस्पर्धा करेंगे या नही। कूल्हे की सर्जरी के कारण वह पिछले साल फ्रेंच ओपन मे नही खेल पाए थे। इस महीने इटालियन ओपन मे हार के बाद नडाल ने कहा कि उन्हें इस बारे मे सोचने की जरूरत है कि पेरिस मे खेलना है या नही।

आईपीएल में बड़े स्कोर बल्लेबाजों के कौशल के कारण, इंपेक्ट प्लेयर के कारण नहीं : अश्विन

अहमदाबाद। रविचंद्रन अश्विन आईपीएल के मौजूदा सत्र में बड़े स्कोर के लिए सिर्फ इंपेक्ट प्लेयर नियम को कारण नहीं मानते और भारत के इस शीर्ष स्पिनर ने इसका श्रेय बल्लेबाजों के विकास को दिया।अश्विन ने साथ ही गेंदबाजों से अपील की कि वे खेल की मांग को पूरा करने के लिए अपने बल्लेबाजी कौशल पर भी काम करें। मौजूदा सत्र में कुछ शानदार बल्लेबाजी रिकॉर्ड बने। लीग चरण में टीमों ने 41 बार 200 रन के आंकड़े को पार किया जबकि आठ मौकों पर 250 से अधिक रन बने। आईपीएल में रिकॉर्ड 287 रन का टीम स्कोर मौजूदा सत्र में ही बना। अश्विन ने बुधवार को यहां एलिमिनेटर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू पर राजस्थान रॉयल्स की चार विकेट की जीत के बाद जियो सिनेमा से कहा, अगर इंपेक्ट प्लेयर नियम नहीं होता तो भी स्कोर इतने ही अधिक बनते। मेरे नजरिए से बल्लेबाजों में अब अधिक आत्मविश्वास है और हर जगह पिचों का मानकीकरण किया गया है। भविष्य में सभी गेंदबाजों को हिटर बनना होगा क्योंकि हम जानते हैं कि चाहे हम कितनी भी अच्छी गेंदबाजी करें।

बाबू स्टेडियम के आठ मुक्केबाज फाइनल में,पदक पक्के

लखनऊ जिला बाक्सिंग टूर्नामेंट

लखनऊ। केडी सिंह बाबू स्टेडियम के सूरज कुमार तिवारी, सारांश वर्मा, अथर्व सिंह यादव, साहिल कुमार, अमित कुमार यादव, जितेंद्र पीसिंह, अनुराग मिश्रा व काजल पाण्डेय ने सीनियर वर्ग के सेमीफाइनल में जीत के साथ फाइनल में जगह बनाते हुए अपना दबदबा कायम किया। दूसरे दिन जूनियर वर्ग के सेमीफाइनल में केडी सिंह बाबू स्टेडियम के प्रद्युम्न सिंहए स्वयम सिंह, शौर्य शुक्ला व सब जूनियर वर्ग में यशदीप सिंह ने जीत दर्ज की। सीनियर वर्ग के सेमीफाइनल में पुरुषों में 46.48 किग्रा भार वर्ग में केडी सिंह बाबू स्टेडियम के सूरज कुमार तिवारी ने मो.कैफ कोए मॉडर्न अकादमी एमएद्ध के मृत्युंजय सिंह ने ग्रैबिएल कोए 48.51 किग्रा में केडी सिंह बाबू स्टेडियम के सारांश वर्मा ने वरुण को हराया। वहीं 54.57 किग्रा में केडी सिंह के अथर्व सिंह यादव ने अनिकेत ठाकुर कोए 57.60 किग्रा में केडी सिंह के साहिल कुमार ने राजवीर सिंह कोए किड्स् फिट्स स्पोर्ट्स जोन के पीयूष शर्मा ने शिवांश को हराया।

पोकेमान होराइजन में दिखेगा एडवेंचर

मुंबई। पोकेमॉन फ़ैंस को एडवेंचर से भरे एक नए सफ़र के लिए तैयार हो जाना चाहिए क्योंकि पोकेमान कंपनी लेकर आयी है पोकेमान होराइजन जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतज़ार था। यह एनीमेटेड सीरीज़ हंगामा चैनल पर 25 मई से शुरू हो रही है। हाल ही में इसके ट्रेलर के रिलीज़ होने के बाद से ही फ़ैंस के बीच इस सीरीज़ को लेकर बहुत ज़्यादा उत्सुकता देखी जा रही थी। इसकी वजह यह है कि इस सीरीज़ में नए कैरेक्टर, नए एडवेंचर और कई नए पोकेमॉन मिलकर नया रंग जोड़ेंगे। हंगामा चैनल पर आने वाले इस शो से दर्शक निश्चित ही जुड़ेंगे, क्योंकि हर शनिवार और रविवार को सुबह 9.30 बजे नए एपिसोड रिलीज़ किए जाएंगे। इस तरह हर वीकेंड पर दर्शकों को नया रोमांच मिलेगा। सप्ताह के बाकी दिनों में रिपीट टेलिकास्ट भी किया जाएगा ताकि दर्शक अपनी सुविधा के अनुसार इस एडवेंचर भरे शो का आनंद उठा सकें। लीड किरदार एक लड़की है। पोकेमॉन के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है। इस लीड किरदार का नाम है लीको जो पैलडीया रीजन की रहने वाली है। अपने भरोसेमंद ग्रास.टाइप पार्टनर पोकेमॉन म्याओहा के साथ लीको एक बड़े एडवेंचर पर निकलती है। इस एडवेंचर की शुरुआत उसकी दादी के एक रहस्यमय पेंडेंट से होती है। लीको की इस रोमांचक यात्रा में कांतो रीजन के एक द्वीप पर रहने वाला लड़का रॉय भी शामिल हो जाता है। रॉय का एक ही सपना है कि उसे पोकेमॉन ट्रैनर बनना है और उसकी अपने पार्टनर पोकेमॉन गरमच्छ से खूब बनती भी है। कहानी में रोमांच और भी बढ़ जाता है जब राइज़िंग वोल्ट टैकलर्स ग्रुप भी इस एडवेंचर से आ जुड़ता है और इसको लीड कर रहे हैं फ़्रीड और कैप्टन पिकाचू।

प्रथमेश फुगे सेमीफाइनल में, रिकर्व तीरंदाजों ने विश्व कप के दूसरे चरण में निराश किया

भाषा। एचियोन (दक्षिण कोरिया)

युवा कम्पाउंड तीरंदाज प्रथमेश फुगे ने बृहस्पतिवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जबकि पुरुष और महिला रिकर्व टीमों को पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा। एशियाई खेलों की मौजूदा चैम्पियन ज्योति सुरेखा वेनाम कम्पाउंड महिल व्यक्तिगत क्वार्टरफाइनल में सारा लोपेज से 142-145 से हार गईं। ज्योति ने पिछले महीने शंघाई में पहले चरण में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाई थी। 21 साल के फुगे ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ में से एक जीत हासिल की जब उन्होंने 2021 विश्व चैम्पियन और दुनिया के छठे नंबर के निको वेनर को 146-145 से मात देकर उलटफेर किया और सेमीफाइनल में जगह बनाई जिसमें उनकी भिड़ंत अमेरिका के जेम्स लुट्ज से होगी। कई विश्व कप के स्वर्ण पदक विजेता अभिषेक वर्मा दूसरे दौर में बाहर हो गए जबकि प्रियांश प्री क्वार्टरफाइनल में हार गए। तरूणदीप राय, धीरज बोम्मदेवरा और मृणाल चौहान की भारतीय पुरुष टीम टूर्नामेंट से पहले बनी हाइप पर खरा उतरने में विफल रही और पहले ही मैच में उन्हें कनाडा से 3-5 से पराजय मिली। इस भारतीय पुरुष तिकड़ी ने विश्व चैम्पियन दक्षिण कोरिया को हराकर उलटफेर करते हुए शंघाई में स्वर्ण पदक जीता था।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5,बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-69342500।